राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण मंगलवार 17 मार्च 2026 वर्ष-9,अंक-51 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

किश्तवाड़ में एचआरटी प्रोजेक्ट पर भूस्खलन, दो मजदूरों की मौत

● कई लोगों के फंसे होने की आशंका

किश्तवाड़ (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में सोमवार को डांगडरो इलाके में स्थित एचआरटी (हेड रेस टनल) प्रोजेक्ट साइट पर भूस्खलन होने से दो लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों के मुताबिक, भूस्खलन उस समय हुआ जब प्रोजेक्ट साइट पर एक वाहन मौजूद था। अचानक पहाड़ी से मलबा गिरने लगा और वाहन उसकी चपेट में आ गया। इस दौरान कई लोग मलबे के नीचे दब गए।घटना की जानकारी मिलते ही बचाव दल तुरंत मौके पर पहुंच गए और राहत व बचाव अभियान शुरू कर दिया गया। रेड क्रॉस सोसायटी किश्तवाड़ यूनिट के अनुसार अब तक मलबे से दो शव बरामद किए जा चुके हैं। मृतकों की पहचान डोडा निवासी शहनवाज अहमद और किश्तवाड़ जिले के पालमार निवासी निशात अहमद के रूप में हुई है। अधिकारियों का कहना है कि भूस्खलन के बाद अभी भी कुछ लोगों के लापता होने की आशंका है। मौके पर बचाव और तलाशी अभियान लगातार जारी है और टीमों द्वारा अन्य संभावित पीड़ितों की तलाश की जा रही है।

संसद भवन के गेट पर अचानक बजने लगा सायरन

● कुछ देर के लिए रोकी गईं गाड़ियां, मची अफरा-तफरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की सबसे सुरक्षित इमारतों में से एक संसद परिसर में आज अचानक सुरक्षा सायरन बजने से हड़कंप मच गया। सुरक्षा से जुड़े सूत्रों ने इस घटना की जानकारी दी है। यह घटना उस समय हुई जब संसद के एंट्री गेट पर लगा एक बूम बैरियर अचानक नीचे गिर गया। बैरियर के गिरते ही वहां लगा ऑटोमैटिक सुरक्षा सायरन जोर-जोर से बजने लगा।सायरन की आवाज सुनते ही वहां तैनात सुरक्षाकर्मी तुरंत अलर्ट हो गए। सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करते हुए अधिकारियों ने फौरन संसद परिसर में गाड़ियों के आने-जाने पर रोक लगा दी। अचानक एंट्री रुकने से गेट के बाहर गाड़ियों की कतार लग गई और कुछ देर के लिए वहां अफरा-तफरी जैसा माहौल बन गया। सुरक्षा टीम ने तुरंत मौके पर पहुंचकर पूरे मामले की जांच की। सायरन बजने के बाद इसलिए भी हलचल तेज हो गई क्योंकि मौके पर संसद में बजट सत्र चल रहा है।

ओडिशा: मेडिकल कालेज में आग, 10 मरीजों की मौत

11 कर्मचारी भी झुलसे, मृतकों के परिजन को 25-25 लाख मुआवजा

कटक (एजेंसी)। ओडिशा के कटक में सोमवार तड़के एक दिल दहला देने वाला हादसा हुआ। यहां के एससीबी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के आईसीयू में भीषण आग लग गई। इस घटना में अब तक 10 मरीजों की मौत हो चुकी है। अधिकारियों ने बताया कि आग सुबह करीब 2:30 से 3:00 बजे के बीच लगी। मामले को लेकर एक अधिकारी ने बताया, आग अस्पताल के ट्रॉमा केयर विभाग के आईसीयू में भड़की थी और देखते ही देखते आग ने बड़ा रूप ले लिया। यहां उन मरीजों का इलाज चल रहा था जिनकी हालत बहुत

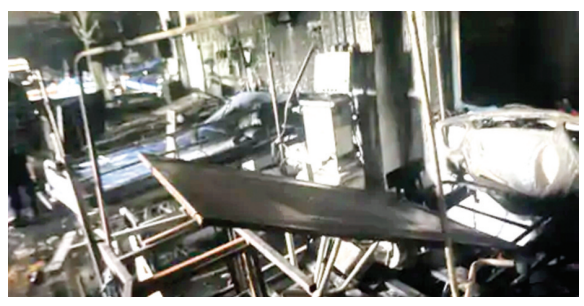

गंभीर थी। आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीमें तुरंत अस्पताल पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने अभियान चलाकर आग पर काबू पाया। मरीजों को सुरक्षित बाहर निकालने की कोशिश में अस्पताल के 11 कर्मचारी भी झुलस गए। कुल 23 मरीजों को आनन-फानन में दूसरे विभागों और वार्डों में शिफ्ट किया गया। इस बचाव कार्य में अस्पताल के कर्मचारियों, पुलिस और मरीजों के साथ आए लोगों ने भी सहयोग किया।हादसे की खबर मिलते ही मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी और स्वास्थ्य मंत्री मुकेश महालिंग अस्पताल पहुंचे। उन्होंने वहां के हालात का जायजा लिया और भर्ती मरीजों से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि आग लगने की मुख्य वजह शॉर्ट-सर्किट हो सकती है। आग ने ट्रॉमा केयर आईसीयू के साथ-साथ पास के कुछ और वार्डों को भी अपनी चपेट में ले लिया था। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने बताया कि सात गंभीर मरीजों की मौत शिफ्टिंग के दौरान ही हो गई थी। इसके बाद तीन और मरीजों ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि घायल मरीजों के इलाज में कोई कमी न रहे। उन्होंने इस हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। सरकार ने हर मृतक के परिवार को 25 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने का फैसला किया है। फिलहाल अस्पताल में स्थिति को संभालने की कोशिश की जा रही है और मामले की गहराई से जांच हो रही है।

राज्यसभा में एलपीजी संकट पर जमकर हुआ हंगामा

खड़गे बोले: सरकार को पहले से पता था, इंतजाम क्यों नहीं किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। बजट सत्र के दूसरे फेज में सोमवार को लोकसभा में पहली बार प्रश्नकाल बिना किसी हंगामे के पूरा हुआ। इधर राज्यसभा में LPG सिलेंडर के संकट को लेकर विपक्ष ने सवाल उठाए। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने राज्यसभा में कहा कि पेट्रोलियम मंत्री ने लोकसभा में दावा किया कि छढऋ की कोई कमी नहीं है, लेकिन जमीनी हकीकत सरकारी दावों को गलत साबित कर रही है। अगर सरकार समय रहते इंतजाम कर लेती, तो हालात इतने खराब नहीं होते। इस पर भाजपा सांसद जेपी नड्डा ने खड़गे को टोका। उन्होंने कहा कि यह शून्यकाल का समय है। आपने बहुत समय से बोल रहे है, नियम सभी के लिए समान होते हैं। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने भी खड़गे को टोका। लोकसभा में सदन की कार्यवाही शुरू होते ही कुछ विपक्षी सांसदों ने अपने मुद्दे

तुरंत उठाने की मांग की। इस पर स्पीकर ओम बिरला ने कहा कि उन्हें दोपहर 12 बजे प्रश्नकाल खत्म होने के बाद बोलने का मौका दिया जाएगा। प्रश्नकाल के दौरान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया और गजेंद्र सिंह शेखावत ने सांसदे के सवालों के जवाब दिए। राज्यसभा में कार्यकाल पूरा होने पर रंजन गोगोई को विदाई दी गई। 9 मार्च से शुरू हुए बजट सत्र के दूसरे चरण के पहले हफ्ते में विपक्ष के विरोध के कारण सुबह 11 बजे से 12 बजे तक होने वाला प्रश्नकाल पूरा नहीं हो पा रहा था। लोकसभा में केंद्रीय बजट के तहत रेल मंत्रालय की अनुदान मांगों पर चर्चा जारी रही है। सोमवार को आंध्र प्रदेश से TDP सांसद हरिश बालयोगी, मध्य प्रदेश से भाजपा सांसद गणेश सिंह और बिहार से कांग्रेस सांसद तारिक अनवर ने सदन में अपनी बात रखी। टॉप सिक्योरिटी सूत्रों के मुताबिक संसद के एंट्री गेट पर बूम बैरियर गिरने के बाद सिक्योरिटी सायरन बज गया था। इसके चलते कुछ देर के लिए संसद परिसर में गाड़ियों की एंट्री रोक दी गई थी। बाद में स्थिति सामान्य होने पर कॉम्प्लेक्स में वाहनों की एंट्री फिर से शुरू कर दी गई। LPG संकट की खबरों पर केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी ने सदन के बाहर कहा कि हम दूसरे तरीके भी ढूंढ रहे हैं। विपक्ष ऐसे राज्यों में जिस पार्टी का पलड़ा भारी है, उसे बढ़ावा देने के बारे में क्यों नहीं सोच रहा है? उन्हें उस विभाग से बात करनी चाहिए जो लोगों के खाने का ध्यान रख रही है। वे दूसरे तरीके बता सकते हैं। हम पश्चिम एशिया के एक मुद्दे की वजह से बनी इस मुश्किल से निकलने की कोशिश कर रहे हैं। हमें अच्छे नतीजे देखने का इंतजार करना चाहिए।\ प्रश्नकाल के दौरान सांसदों के सवालों का जवाब देते हुए नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू ने लोकसभा में बताया कि ब्राजील की एयरोस्पेस कंपनी एम्ब्रेयर ने एक भारतीय एयरोस्पेस कंपनी के साथ करार किया है। इसके तहत भारत में जल्द विमान असेंबली की सुविधा शुरू की जाएगी। नायडू ने यह भी बताया कि रूस की सुखोई कंपनी ने भारत की HAL के साथ समझौता किया है, जिसके तहत रख-100 सुपरजेट का निर्माण भारत में किया जाएगा।

विस. चुनाव: भाजपा की 144 नामों की पहली सूची जारी

■ ममता के खिलाफ शुभेंदु को टिकट, अशोक डिंडा भी मैदान में

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है। चुनाव की तारीखों के ऐलान के बाद भाजपा ने अपनी चुनावी रणनीति को आगे बढ़ाते हुए 144 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है। इस सूची में कई बड़े नेताओं को मैदान में उतारा गया है। खास बात यह है कि भाजपा ने इस बार नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी को दो विधानसभा सीट नंदीग्राम और भवानीपुर से उम्मीदवार बनाया गया है। बता दें, पिछली बार शुभेंदु को नंदीग्राम से टिकट मिला था। इसके बाद ममता ने नंदीग्राम से शुभेंदु के खिलाफ चुनाव लड़ने का एलान किया था। साथ ही ममता भवानीपुर से भी चुनावी मैदान में थी। नंदीग्राम में दोनों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली थी। ममता नंदीग्राम से हार गई थीं। हालांकि भवानीपुर से वो जीत गईं थीं। इस बार भाजपा ने बड़ा दांव खेलते हुए शुभेंदु को भावनीपुर और नंदीग्राम दोनों से प्रत्याशी बनाया है। क्रिकेटर अशोक डिंडा को भाजपा ने फिर से मोयना विधानसभा सीट से मौका दिया है। इससे पहले भी डिंडा को भाजपा ने मोयना विधासभा से ही टिकट दिया था और उन्होंने 1260 वोटों से जीत दर्ज की थी। भाजपा की इस सूची में कई प्रमुख नेताओं को जगह दी गई है। पार्टी ने पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दिलीप घोष को खड़गपुर सदर सीट से उम्मीदवार बनाया है।

ऑपरेशन सिंदूर टिप्पणी मामले में प्रोफेसर अली खान को राहत, हरियाणा सरकार ने बंद किया केस

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर पर की गई टिप्पणी को लेकर विवादों में घिरे अशोका यूनिवर्सिटी के इतिहास के प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद को बड़ी राहत मिलती नजर आ रही है। हरियाणा सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया है कि वह प्रोफेसर के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामले में आगे अभियोजन की अनुमति नहीं देगी और इसे एक बार की उदारता मानते हुए कार्रवाई बंद करने का फैसला किया है। सरकार के इस रुख के बाद यह मामला अब लगभग खत्म होता दिखाई दे रहा है। कोर्ट में बताया गया कि राज्य सरकार ने प्रोफेसर अली खान के खिलाफ

चल रही आपराधिक कार्रवाई को बंद करने का फैसला किया है। सरकार ने इसे एक बार की उदारता (वन-टाइम मैग्नैनिमिटी) बताते हुए आपराधिक कार्रवाई को बंद करने का फैसला किया है। दरअसल, प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद पर आरोप था कि उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर टिप्पणी की थी। बता दें कि ह्यऑपरेशन सिंदूरह्ल भारत की वह जवाबी कार्रवाई थी जो पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ की गई थी। इस मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस सूर्यकांत की अगुवाई वाली बेंच कर रही थी। सुनवाई के दौरान हरियाणा सरकार की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने कोर्ट को बताया कि कोर्ट के पहले दिए गए सुझाव के बाद सरकार ने इस मामले को बंद करने का फैसला किया है।सुप्रीम कोर्ट ने अपनी टिप्पणी में कहा कि राज्य सरकार ने बताया है कि वह इस मामले में आगे की कार्रवाई के लिए अभियोजन की अनुमति नहीं देगी। कोर्ट ने यह भी कहा कि चार्जशीट पहले ही दाखिल हो चुकी है, लेकिन सरकार ने आगे केस न चलाने का फैसला लिया है।

चुनावी राज्य पश्चिम बंगाल में ईडी ने 10 लोकेशन पर छापा मारा

कोलकाता (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने सोमवार को चुनाव वाले राज्य पश्चिम बंगाल में कई जगहों पर छापे मारे। ये छापे एक अवैध कॉल सेंटर के कामकाज की जांच के सिलसिले में मारे गए। सिलीगुड़ी,

हावड़ा, बिधाननगर और दुर्गापुर में करीब 10 जगहों पर छापे मारे गए। एजेंसी के अधिकारियों ने बताया कि यह जांच एक अवैध कॉल सेंटर की गतिविधियों से जुड़ी है। अभी यह साफ नहीं हो पाया है कि क्या इस जांच का कोई संबंध राजनीतिक फंडिंग या चुनावी प्रक्रिया से जुड़े प्रलोभनों से है। जिन लोगों की तलाश की जा रही है, उनमें सुराश्री कर, सम्राट घोष और सुभाजीत चक्रवर्ती के अलावा कुछ अन्य लोग भी शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि जिन कॉल सेंटरों पर जांच चल रही है, उनके जरिए कई लोगों को ठगा गया है। चुनाव आयोग ने रविवार को पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनावों का कार्यक्रम घोषित किया। आयोग ने बताया कि राज्य में दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल को चुनाव होंगे। वोटों की गिनती 4 मई को असम, केरल और तमिलनाडु के साथ-साथ केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी के साथ ही होगी।

बिहार में एनडीए ने सभी 5 राज्यसभा सीटें

महागठबंधन के 4 विधायक नहीं पहुंचे, वोट विवाद पर हरियाणा में काउंटिंग रुकी

नई दिल्ली (एजेंसी)।
नई दिल्ली। हरियाणा, बिहार और ओडिशा की 11 राज्यसभा सीटों के लिए सोमवार को मतदान हुआ। NDA ने बिहार की सभी पांचों राज्यसभा सीटों पर जीत दर्ज की है। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने ऐलान किया है। इस जीत के साथ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन राज्यसभा पहुंच गए हैं। तीनों राज्यों में कुल 14 उम्मीदवार मैदान में हैं। ओडिशा में काउंटिंग जारी है। हरियाणा में राज्यसभा चुनाव के लिए मतदान के दौरान दो कांग्रेसी विधायकों के वोटों पर आपत्ति के बाद काउंटिंग रोक दी गई। बीजेपी के गौरव गौतम और किशन बेदी ने इन दोनों वोटों पर आपत्ति जताई। बिहार और ओडिशा में मतदान के दौरान कांग्रेस विधायकों ने क्रॉस वोटिंग की। बिहार में NDA के सभी 202 विधायकों ने, जबकि महागठबंधन की तरफ से 37 विधायकों ने वोट डाले। कांग्रेस के तीन और आरजेडी के एक विधायक नदारद रहे। वहीं, हरियाणा में 90 विधायक में से 88 विधायकों ने वोट डाला। इंडियन नेशनल लोकदल (INLD) के दोनों विधायक अर्जुन चौटाला और आदित्य देवीलाल वोटिंग से दूर रहे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने राज्यसभा चुनाव को लेकर

अभय चौटाला ने कहा- जनता की आवाज पर फैसला लिया

इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय चौटाला ने कहा- जनता की आवाज पर फैसला लिया कि हमारे दोनों विधायक चुनाव से दूरी बनाएंगे। भाजपा का रवैया सही नहीं रहा। इन्होंने जात-पात, मजहब की राजनीति की। निर्दलीय उम्मीदवार सतीश नांदल मुझसे मिले थे। मैंने साफ कह दिया था कि इस पर पार्टी का सामूहिक फैसला होगा। कांग्रेस में कोई क्रॉस वोट होता तो इसकी जिम्मेदारी भूपेंद्र सिंह हुड्डा की होगी। कांग्रेस से 30 का आंकड़ा पार नहीं होगा। क्रॉस वोटिंग करना पाप है। इस पर कानून बनना चाहिए।

चुनाव आयोग को पत्र लिखा है। उन्होंने लिखा- चुनाव की निष्पक्षता और पवित्रता में हस्तक्षेप करने की स्पष्ट कोशिश की जा रही है और इसे चुनाव आयोग को तुरंत रोकना या ठीक करना चाहिए। इसके अलावा, हमारे वैध मतदाताओं या डाले गए वोटों को अयोग्य ठहराने की अनुमति नहीं दी जा सकती। यह पूरी तरह से चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करने और पटरी से उतारने का प्रयास है। जानकारी के अनुसार, चुनाव में बिहार के नीतीश कुमार और बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन को 44-44 वोट मिले। वहीं रामनाथ ठाकुर और उपेंद्र कुशवाहा को 42-42 वोट मिले हैं। 5वीं सीट के लिए पहली वरीयता में बीजेपी कैंडिडेट शिवेश राम को 30 वोट मिले थे। हालांकि दूसरी वरीयता में शिवेश राम ने RJD के एडी सिंह को हरा दिया है। एडी सिंह को 37 वोट मिले हैं। हालांकि, RJD विधायक सर्वजीत ने दावा किया है कि उन्हें 38 वोट मिले हैं। ओडिशा के विपक्ष के नेता और पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने कहा- ब्रह्मगिरि की विधायक ने मतदान करते समय गलती की थी। लेकिन मतदान कक्ष में बैठे अधिकारी ने अवैध रूप से उनके वोट को स्वीकार कर लिया और दूसरा वोट जारी कर दिया।

घर में रसोई गैस खत्म, इंडक्शन भी नहीं मिल रहा

400 से 500% बढ़ी डिमांड, चीन से 45 दिन में आएगा कच्चा माल

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजराइल-ईरान जंग का देश में LPG सिलेंडर की सप्लाई पर असर पड़ा है। LPG सिलेंडर की कमी के बीच इंडक्शन कुकर की डिमांड अचानक कई गुना बढ़ गई है। हालत ये है कि कई इलेक्ट्रॉनिक्स दुकानों में इंडक्शन स्टोव का स्टॉक खत्म हो चुका है। कंपनियों के लिए भी डिमांड पूरी करना मुश्किल हो रहा है। इलेक्ट्रॉनिक्स डीलर्स के मुताबिक, पिछले कुछ दिनों में इंडक्शन कुकर की बिक्री में 400 से 500% का इजाफा हुआ है। बाजार के जानकारों का कहना है कि इंडक्शन बनाने में इस्तेमाल होने वाला ज्यादातर कच्चा माल चीन से आता है। इसलिए नई सप्लाई आने में करीब 45 दिन का वक्त लग सकता है। ऐसे में कंपनियों के लिए प्रोडक्शन बनाए रखना मुश्किल हो रहा है। भोपाल के इलेक्ट्रॉनिक्स बाजारों में इंडक्शन स्टोव खरीदने वालों की भीड़ बढ़ गई है। LPG सिलेंडर की सप्लाई को लेकर बनी अनिश्चितता के कारण कई परिवार एहतियात के तौर पर इंडक्शन खरीद रहे हैं। इसकी डिमांड जानने के लिए हम सबसे पहले बाजार पहुंचे। यहां मिली नुसरत कहती हैं, ह्यहमारा परिवार बड़ा है, इसलिए एक साथ तीन इंडक्शन खरीद रही

हूं। सिलेंडर के साथ-साथ इंडक्शन के दाम भी बढ़ गए हैं। पिछले महीने जो इंडक्शन 2200 रुपए में मिल रहा था। अब वही करीब 3000 रुपए का हो गया है। लगता है आने वाले दिनों में दाम और बढ़ेंगे। रमजान का महीना चल रहा है, रोज शाम को इफ्तारी के लिए घर में खाना बनाना जरूरी है। ईद की तैयारी भी करनी है, इसलिए एहतियात के तौर पर इंडक्शन खरीदना पड़ रहा है। वहीं बाजार में मिले कैलाश भी गैस सिलेंडर की सप्लाई न होने से परेशान हैं। उन्होंने बताया कि कई दुकानों पर पूछ चुके लेकिन इंडक्शन नहीं मिल रहा। कैलाश कहते हैं, गैस सिलेंडर के लिए नंबर लगाया है, लेकिन कह रहे हैं कि मिलने में 8-10 दिन लग सकते हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार में ज्यादातर दुकानों पर इंडक्शन स्टोव का स्टॉक भी खत्म हो चुका है। जिन दुकानों में इंडक्शन की गिनी-चुनी यूनिट्स बची भी हैं, वहां दाम काफी ज्यादा हैं। भोपाल में एक इलेक्ट्रॉनिक्स शोरूम मालिक श्याम बंसल बताते हैं, आमतौर पर जो माल एक हफ्ते या दस दिन में आता था, उसे अब हर दिन मंगाना पड़ रहा है। हम खुद महंगे दाम पर माल खरीद रहे हैं, इसलिए कस्टमर को भी महंगे में ही देना पड़ रहा है। हालांकि कोशिश यही है कि जरूरत के समय ज्यादा मुनाफा न लिया जाए। बाजार के जानकार बताते हैं कि आमतौर पर गर्मियों में इंडक्शन स्टोव की बिक्री कम हो जाती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दो टूक- गैस की कतारों से उठते सवालः कितनी सुरक्षित है भारत की ऊर्जा व्यवस्था?

भारत के लिए यह संकट इसलिए अधिक गंभीर है क्योंकि देश की ऊर्जा संरचना में एलपीजी की भूमिका पिछले एक दशक में अत्यधिक बढ़ गई है। भारत आज हर वर्ष लगभग 3 करोड़ टन से अधिक एलपीजी का उपभोग करता है लेकिन घरेलू उत्पादन इस मांग का आधा हिस्सा भी पूरा नहीं कर पाता। शेष आवश्यकता खाड़ी देशों से आयात करके पूरी की जाती है।

(लेखक- योगेश कुमार गोयल)

- ऊर्जा सुरक्षा की परीक्षा बनता गैस संकट

मध्य-पूर्व में अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच छिड़े संघर्ष ने दुनिया को एक बार फिर यह याद दिला दिया है कि आधुनिक वैश्विक अर्थव्यवस्था की नसों में बहने वाली ऊर्जा कितनी असुरक्षित है। होर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव और समुद्री आवागमन के ठप होने से वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला में गहरा व्यवधान पैदा हुआ है, जिसका सबसे तीखा असर भारत जैसे आयात-निर्भर देशों पर दिखाई दे रहा है। भारत में रसोई गैस अर्थात एलपीजी का संकट संसद से लेकर सड़क तक चर्चा का विषय बन गया है। देश के अनेक शहरों में गैस एजेंसियों के बाहर लंबी कतारें लग रही हैं, कमर्शियल सिलेंडरों की किल्लत के कारण होटल-रेस्टोरेंट बंद हो रहे हैं और कालाबाजारी के समाचार निरंतर सामने आ रहे हैं। यह स्थिति केवल अस्थायी आपूर्ति बाधा का मामला नहीं है बल्कि भारत की ऊर्जा सुरक्षा की संरचनात्मक कमजोरियों को उजागर करने वाला गंभीर संकेत है।

वैश्विक ऊर्जा मानचित्र में होर्मुज जलडमरूमध्य की भूमिका अत्यंत निर्णायक है। फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ने वाला यह लगभग 21 मील चौड़ा समुद्री मार्ग दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा 'चोकपॉइंट' माना जाता है। वैश्विक तेल और गैस आपूर्ति का लगभग 20 प्रतिशत इसी संकरे मार्ग से होकर गुजरता है। सऊदी अरब, कतर, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत और इराक जैसे बड़े ऊर्जा निर्यातक देश अपने तेल और गैस के विशाल भंडार को दुनिया के बाजारों तक पहुंचाने के लिए इसी मार्ग पर निर्भर हैं। ऐसे में जब इस क्षेत्र में युद्ध या सैन्य तनाव बढ़ता है तो पूरी दुनिया की ऊर्जा व्यवस्था अस्थिर हो जाती है। वर्तमान संघर्ष ने भी यही किया है। ईरान द्वारा होर्मुज क्षेत्र में समुद्री गतिविधियों को सीमित करने और जहाजों पर संभावित हमलों की चेतावनी ने कई टैंकरों को रोक दिया है, जिससे एलपीजी और एलएनजी के जहाज समुद्र में फंस गए हैं और आयात पर निर्भर देशों को बड़ा झटका लगा है।

भारत के लिए यह संकट इसलिए अधिक गंभीर है क्योंकि देश की ऊर्जा संरचना में एलपीजी की भूमिका पिछले एक दशक में अत्यधिक बढ़ गई है। भारत आज हर वर्ष लगभग 3 करोड़ टन से अधिक एलपीजी का उपभोग करता है लेकिन घरेलू उत्पादन इस मांग का आधा हिस्सा भी पूरा नहीं कर पाता। शेष आवश्यकता खाड़ी देशों से आयात करके पूरी की जाती है। अनुमान है कि भारत में आने वाली एलपीजी का 80 से 90 प्रतिशत हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर ही गुजरता है। यही कारण है कि जैसे ही इस मार्ग में व्यवधान आया, उसका सबसे पहला और सबसे तेज असर भारत की रसोई पर दिखाई देने लगा। यह एक कठोर सच्चाई है कि भारतीय परिवारों की ऊर्जा सुरक्षा काफी हद तक एक संकरे समुद्री मार्ग पर निर्भर है।

इसी संकट के दौरान पैट्रोल और डीजल की उपलब्धता अपेक्षाकृत सामान्य बनी हुई है। पैट्रोल पंपों पर न तो लंबी कतारें दिखाई दे रही हैं और न ही कीमतों में अचानक उछाल आया है। इसका कारण यह है कि भारत ने पिछले वर्षों में कच्चे तेल की आपूर्ति को लेकर अपेक्षाकृत अधिक लचीला ढांचा विकसित किया है। आज भारत 40 से अधिक देशों से कच्चा तेल आयात करता है और रूस, अमेरिका तथा अफ्रीका के कई देशों से आने वाला तेल ऐसे मार्गों से भारत पहुंचता है, जो होर्मुज पर निर्भर नहीं हैं। इसके अतिरिक्त भारत के पास रणनीतिक पैट्रोलियम भंडार भी मौजूद हैं, जिनमें आपातकालीन परिस्थितियों के लिए लाखों बैरल कच्चा तेल संग्रहीत किया जाता है। इन भंडारों और विविध आपूर्ति स्रोतों के कारण पैट्रोल और डीजल की उपलब्धता तुरंत प्रभावित नहीं होती।

इसके विपरीत एलपीजी के मामले में स्थिति बिल्कुल अलग है। एलपीजी को तरल रूप में सुरक्षित रखने के लिए अत्यधिक दबाव और विशेष टैंकों की आवश्यकता होती है, जिसके कारण बड़े पैमाने पर इसका भंडारण करना महंगा और तकनीकी रूप से जटिल होता है। यही कारण है कि भारत के पास एलपीजी का कोई बड़ा सामरिक भंडार नहीं है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, देश में एलपीजी का जो सीमित भंडार है, वह मुश्किल से दो-तीन दिन की खपत के बराबर ही है। परिणामस्वरूप जैसे ही आयात में थोड़ी भी बाधा आती है, उसका असर तुरंत बाजार और घरेलू उपभोक्ताओं पर दिखाई देने लगता है। यही वह संरचनात्मक कमजोरी है, जिसने मौजूदा संकट को गहरा बना दिया है। इस संकट का एक दूसरा पहलू भी है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। पिछले दशक में 'प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना' के माध्यम से करोड़ों गरीब परिवारों तक रसोई गैस पहुंचाई गई है। इस योजना ने ग्रामीण महिलाओं को धुएं से मुक्ति दिलाने और स्वच्छ ऊर्जा उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वर्ष 2014 में जहां देश में एलपीजी कनैक्शनों की संख्या लगभग 14 करोड़ थी, वहीं आज यह बढ़कर 33 करोड़ से अधिक हो चुकी है। यह सामाजिक दृष्टि से अत्यंत सकारात्मक परिवर्तन है किंतु इसका अर्थ यह भी है कि भारत की घरेलू ऊर्जा व्यवस्था अब एलपीजी के निरंतर प्रवाह पर पहले से कहीं अधिक निर्भर हो गई है। जब इस प्रवाह में व्यवधान आता है तो उसका प्रभाव करोड़ों परिवारों के दैनिक जीवन पर पड़ता है।संकट का असर केवल घरेलू रसोई तक सीमित नहीं है। उद्योग, होटल, रेस्टोरेंट, छोटे व्यवसाय और खाद्य प्रसंस्करण इकाइयां भी बड़े पैमाने पर एलपीजी और प्राकृतिक गैस पर निर्भर हैं। जब आपूर्ति सीमित होती है तो सबसे पहले इन्हीं क्षेत्रों की गैस आपूर्ति घटाई जाती है ताकि घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता दी जा सके। परिणामस्वरूप औद्योगिक उत्पादन प्रभावित होता है, छोटे कारोबारियों पर आर्थिक दबाव बढ़ता है और कई स्थानों पर रोजगार प्रभावित होते हैं। स्टील और धातु उद्योगों से लेकर ढाबों और छोटे भोजनालयों तक, अनेक क्षेत्र इस संकट की मार झेल रहे हैं। हालांकि सरकार ने इस स्थिति से निपटने के लिए कुछ आपातकालीन कदम उठाए हैं। रिफाइनरियों को निर्देश दिया गया है कि वे कच्चे तेल के प्रसंस्करण के दौरान एलपीजी की रिकवरी को अधिकतम करें। कुछ पैट्रोकेमिकल उत्पादों को अस्थायी रूप से रसोई गैस उत्पादन की दिशा में मोड़ा जा रहा है। इसके साथ ही अमेरिका और पश्चिम अफ्रीका जैसे क्षेत्रों से अतिरिक्त एलपीजी कार्गो मंगाने के प्रयास भी किए जा रहे हैं। कमर्शियल सिलेंडरों की आपूर्ति पर अस्थायी नियंत्रण लगाकर घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता देने का निर्णय भी इसी रणनीति का हिस्सा है। हालांकि ये सभी कदम तात्कालिक राहत प्रदान कर सकते हैं लेकिन दीर्घकालिक समाधान के लिए इससे कहीं अधिक व्यापक नीति की आवश्यकता है।

दरअसल यह संकट केवल एक युद्ध का परिणाम नहीं है बल्कि यह भारत की ऊर्जा नीति के उस खालीपन की ओर संकेत करता है, जिस पर लंबे समय से पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया। कच्चे तेल के लिए रणनीतिक भंडार बनाए गए, आपूर्ति स्रोतों का विविधीकरण किया गया और रिफाइनिंग क्षमता का विस्तार किया गया लेकिन एलपीजी और गैस सुरक्षा के लिए उसी स्तर की दूरदर्शिता नहीं दिखाई गई। यदि देश में एलपीजी का पर्याप्त सामरिक भंडार होता या गैस भंडारण अवसंरचना विकसित की गई होती तो आज स्थिति इतनी गंभीर नहीं होती। यह भी आवश्यक है कि पाइप्ड नेचुरल गैस नेटवर्क का विस्तार तेजी से किया जाए ताकि घरेलू ऊर्जा व्यवस्था केवल सिलेंडर आधारित मॉडल पर निर्भर न रहे।

संपादकीय

वांगचुक की रिहाई

आखिरकार गृह मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम हटाने से जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की रिहाई हो गई है। वांगचुक गत वर्ष सितंबर से जोधपुर जेल में बंद थे, जिसको लेकर विपक्षी राजनीतिक दल व विभिन्न सामाजिक संगठन तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते रहे हैं। अब सरकार की दलील है कि यह फैसला लद्दाख में शांति, स्थिरता और संवाद का माहौल बनाने के लिये लिया गया है। वहीं विपक्षी राजनीतिक दलों का कहना है कि 17 मार्च को सुप्रीम कोर्ट में वांगचुक की हिरासत को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई होनी थी। गिरफ्तारी का आधार मजबूत न होने पर केंद्र सरकार को उन्हें रिहा करने को बाध्य होना पड़ा है। उल्लेखनीय है कि रेमन मैग्सेसे पुरस्कार से सम्मानित जलवायु कार्यकर्ता, अभिनव शैक्षिक व वैज्ञानिक प्रयोगों के लिए चर्चित सोनम वांगचुक को कड़े राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत बीते साल सितंबर में गिरफ्तार किया गया था। दरअसल, वे लंबे समय से लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और उसे संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने वाले आंदोलन से जुड़े रहे। उन्होंने कई बार अनशन किया। पदयात्रा के जरिये दिल्ली पहुंचकर भी उन्होंने अनशन किया था। लेकिन सितंबर में आंदोलन के हिंसक होने के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था। वहीं केंद्र सरकार की दलील है कि क्षेत्र के लोगों की मांगों का समाधान निकालने के लिये लद्दाख के अलग-अलग समुदायों, नेताओं और संगठनों से निरंतर बातचीत के प्रयास जारी हैं। साथ ही लद्दाख के लिये सभी जरूरी सुरक्षा उपाय करने की बात कही गई है। वहीं विपक्षी दल सवाल पूछ रहे हैं कि अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त जलवायु परिवर्तन कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत गिरफ्तारी की तार्किकता क्या थी? क्या लोकतांत्रिक ढंग से अपनी बात कहने की आजादी का अतिक्रमण नहीं हो रहा है? नागरिक संगठनों से जुड़े लोगों ने वांगचुक को उनके ठंडे प्रदेश लद्दाख से 1400 किमी दूर गर्म प्रदेश राजस्थान की जोधपुर जेल में रखने पर भी सवाल उठाये थे। उल्लेखनीय है कि बीते माह शीर्ष अदालत ने भी सोनम वांगचुक की खराब सेहत के मद्देनजर, उनकी हिरासत पर पुनर्विचार करने को कहा था। दरअसल, बार-बार पेटदर्द की शिकायत पर उनकी पत्नी ने विशेषज्ञ डॉक्टरों से जांच करवाने के लिये आवेदन किया था। साथ ही कोर्ट से मासिक स्वास्थ्य रिपोर्ट की भी मांग की थी। तब शीर्ष अदालत की पीठ ने टिप्पणी की थी कि यदि हिरासत के आदेश में कानूनी त्रुटियां हैं तो इसे रद्द भी किया जा सकता है। वहीं सरकार की दलील थी कि आंदोलन को हिंसक बनाने में भूमिका के चलते राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम लागू करने के पर्याप्त कारण मौजूद थे। वहीं विपक्षी कांग्रेस के नेता कह रहे हैं कि वांगचुक को 170 दिन हिरासत में रखने का हिसाब कौन देगा? वे इस मामले में केंद्र की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते रहे हैं। अन्य विपक्षी दल भी इस रिहाई के बाद केंद्र सरकार पर हमलावर हैं। वे राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के बेजा इस्तेमाल के आरोप लगा रहे हैं।

शहादत - ए - ख़ामनेईः मर के जीना सीखा दिया तूने

(लेखक - तनवीर जाफ़री)

पूरे विश्व को अशांति की आग में झोंकने वाले अमेरिका व उसके क्रूर सहयोगी मित्र इस्राईल द्वारा आख़िरकार ईरान पर एक बार फिर युद्ध थोप कर वहां भारी नरसंहार की इबारत लिखी जा रही है। अमेरिका व इस्राईल जैसे परमाणु हथियार रखने वाले देशों का कहना है कि परमाणु हथियार रखना केवल उन जैसे जन संहारक देशों का ही एकाधिकार है। अमेरिका के इशारों पर नाचने से इंकार करने व उसे सर्वशक्तिमान स्वीकार करने वाले ईरान जैसे देश का तो हरगिज़ नहीं। वैसे तो अब तक ईरान भी परमाणु हथियार बनाने से इंकार करता रहा है। परन्तु इराक़ की ही तरह इसी बात को बहाना बनाकर अमेरिका व इस्राईल ईरान पर टूट पड़े हैं। ईरान से रोज़ाना भारी जनहानि की ख़बरें आ रही हैं। जैसे जैसे युद्ध लंबा होता जा रहा है वैसे वैसे अमेरिका के हौसले पस्त होते जा रहे हैं और वह और भी अधिक आक्रामकता दिखाकर आम लोगों पर बंबारी कर अपनी खीज उतार रहा है। ठीक इसके विपरीत अपने सर्वोच्च गुरु अयातुल्लाह सैय्यद अली ख़ामनेई की शहादत जैसी बड़ी क़ुर्बानी देने तथा लगभग 170 स्कूली बच्चियों की शहादत के बाद भी ईरानी जनता का जज़्बा-ए-शहादत और भी सर चढ़ कर बोल रहा है। अमेरिका-इस्राईल के विरुद्ध व मौजूदा ईरानी सत्ता के समर्थन में राजधानी तेहरान सहित ईरान के विभिन्न शहरों में लाखों लोग दिन रात अपने बुलंद हौसलों के साथ ईरानी सैनिकों के समर्थन में प्रदर्शन कर रहे हैं। लाखों प्रदर्शनकारी तो शहीद होने के जज़्बे के साथ अपने शरीर पर कफ़न लपेटकर प्रदर्शन करते देखे गये। तेहरान में तो ऐसी ही एक बड़ी रैली पर इस्राईल द्वारा बंबारी भी की गयी। परन्तु ईरानियों के हौसले और बुलंद होते जा रहे हैं। निःसंदेह अमेरिका व इस्राईल के दबाव में पश्चिमी मीडिया दशकों से यह नरेटिव प्रसारित करता रहा है कि ईरानी सत्ता कट्टरपंथी है,यह सुन्नी जगत को निगल जाना चाहती है,अरब देशों के लिये ईरान सबसे बड़ा ख़तरा है,केवल अमेरिका ही ईरान से अरब देशों की रक्षा कर सकता है आदि आदि। और अरब देशों को ईरान का ही भय दिखाकर अमेरिका ने मध्य पूर्व के अरब लीग सदस्य देशों में लगभग 15 से 20 के मध्य स्थायी और प्रमुख सुविधाओं वाले सैन्य ठिकाने बना रखे हैं। यहाँ अमेरिकी सैनिकों की तैनाती 40,000 से 50,000 के आसपास है। क़तर,बहरीन,कुवैत,संयुक्त अरब अमीरात,सऊदी अरब,जॉर्डन,इराक़,मिस्र,सीरिया के अतिरिक्त कई छोटे काउंटर-टेररिज़्म बेस भी शामिल हैं। जबकि ओमान जैसे कई देशों में अमेरिका की एक्सेस या पोर्ट सुविधाएं मौजूद हैं, हालांकि यहाँ पूर्ण अड्डे नहीं हैं। इन भारी भरकम सैन्य मौजूदगी के बल पर ही अमेरिका व इस्राईल अधिकांश खड़ी देशों को अपने कुचक्र में उलझाकर उनके तेल भंडारों का अपनी मनमर्ज़ी से ज़बरदस्त दोहन कर रहे थे तथा उनकी सुरक्षा के नाम पर अरब देशों से भरी भरकम वसूली कर रहे थे। इतना ही नहीं बल्कि ईरान का भय दिखाकर ही बड़े ही नियोजित तरीक़े से इन्हीं देशों को अमेरिका व इस्राईल अपने हथियार बेचते रहते थे। परन्तु गत 28 फ़रवरी को पवित्र रमज़ान के महीने में अमेरिका व इस्राईल द्वारा ईरान पर किये गये आक्रमण में और युद्ध छिड़ते ही ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह सैय्यद अली ख़ामनेई की शहादत ने न केवल अमेरिका व इस्राईल के अरमानों पर पानी फेर दिया बल्कि पूरे अरब जगत की आँखें भी खोलकर रख दीं। ईरान पहले ही कह चुका था कि यदि उसपर अमेरिका का हमला हुआ तो वह मध्य पूर्व में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों को सबसे पहले निशाना बनायेगा। क्योंकि इन्हीं सैन्य अड्डों का इस्तेमाल अमेरिका व इस्राईल द्वारा ईरान के विरुद्ध किया जा रहा था। लिहाज़ा सामरिक दृष्टिकोण से भी यही सैन्य अड्डे ईरान के निशाने पर थे। और वही हुआ कि अमेरिका-इस्राईल के हमले के जवाब में ईरान ने इन्हीं अमेरिकी सैन्य ठिकानों को सबसे पहले निशाना बनाया। ईरान के दावों के अनुसार नहीं बल्कि द न्यूयॉर्क टाइम्स में प्रकाशित उसके गत 11 मार्च के विश्लेषण के मुताबिक़ मध्य पूर्व में ईरान के हमलों से कम से कम 17 अमेरिकी सैन्य, राजनयिक और वायु रक्षा स्थलों को भारी नुक़्सान पहुंचा है। ये हमले मुख्य रूप से बहरीन, कुवैत, सऊदी अरब, क़तर और यूएई सहित खाड़ी देशों में स्थित ठिकानों पर किये गये। इनमें अनेक अमेरिकी सैनिक मारे गए व कई घायल हुये। इसके बाद अमेरिका ने उन प्रभावित सैन्य ठिकानों से अपने तमाम सैनिकों को वापस बुला लिया। और जिन अरब देशों की सुरक्षा के नाम पर गत 4 दशकों से ग़लतफ़हमी का शिकार बना रखा था उन्हें उनके हाल पर छोड़ दिया। इतना ही नहीं बल्कि अमेरिका ने अपने नागरिकों को एक एडवाइज़री जारी कर उन्हें सऊदी अरब,संयुक्त अरब अमीरात,कुवैत,क़तर,बहरीन,ओमान,जॉर्डन,मिस्र,लेबनान,यमन,इराक़ तथा सीरिया जैसे देशों को तत्काल छोड़ने की सलाह भी दे दी। अमेरिका द्वारा पीठ दिखाने के बाद पूरा इस्लामी जगत यह सोचने के लिये मजबूर हो गया कि वास्तव में अमेरिका द्वारा जिस ईरान को अरब देशों के लिये ख़तरा बताया जा रहा था वह ईरान नहीं बल्कि ख़ुद अमेरिका ही उनके लिये सबसे बड़ा ख़तरा है। ख़ामनेई की शहादत के बाद जिस तरह पूरे विश्व की अनेक सांसदों व विधानसभाओं में सड़कों व बाज़ारों में ख़ामनेई को श्रद्धांजलि पेश की गयी और साथ ही पूरे विश्व में शिया सुन्नी एकता के जो लहर दिखाई दे रही है उसकी तो अमेरिका ने कल्पना भी नहीं की होगी। आज केवल दुनिया के मुसलमान ही नहीं बल्कि क्रूर व शुद्ध व्यवसायी मानसिकता रखने वाले अमेरिकी साम्राजयवाद से त्रस्त आ चुकी पूरी दुनिया आयतुल्ला ख़ामनेई की शहादत को इसी लिये सलाम कर रही है कि उन्होंने शहीद होकर न केवल विश्वसतर पर शिया सुन्नी की उस खाई को पाटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जो अमेरका व इस्राईल द्वारा ही गहरी की गयी थीं बल्कि उन्होंने अमेरिकी के आगे घुटने टेकने से इंकार कर यह भी बता दिया कि ब्रह्माण्ड में सर्वशक्तिमान कोई अमेरिका जैसा देश या उसका कोई सनकी राष्ट्रपति नहीं बल्कि वही है जो सबका मालिक है और वह एक है और वही सबके लिये सर्वशक्तिमान है। आयतुल्लाह ख़ामनेई की शहादत पर श्रद्धांजलि स्वरूप कुंवर महेंद्र सिंह बेदी सहर द्वारा कही गयी यह पंक्तियाँ सटीक बैठती हैं - जी के मरना तो सब को आता है। मर के जीना सीखा दिया तूने।।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

परमात्मा का दिव्य उपहार है जीवन

चिंतन मनन

मानव जीवन परमात्मा का दिव्य उपहार है। जिंदगी को जीना सीखें। कुछ लोग जिंदगी को जीते हैं, कुछ लोग काटते हैं। जिसको जीना और जाना आ गया वह जीवन में सफल हो गया। हे मनुष्य एक दिन भी जी, अटल विश्वास बनकर जी। ब्राह्मो मुहूर्ते बुध्येत, धर्मार्थौ चातुचिन्तयेत? अर्थात? व्यक्ति ब्रह्म मुहूर्त में जागे और धर्म एवं अर्थ के विषय में चिंतन करें। शास्त्रकारों ने यह कभी नहीं कहा कि व्यक्ति अर्थोपार्जन न करे। वह अर्थोपार्जन करे किंतु धर्मपूर्वक, अधर्मपूर्वक नहीं।

हमें न तो आध्यात्मिकता की उपेक्षा करनी है न भौतिक सुख सुविधाओं की है। ब्रह्म मुहूर्त में व्यक्ति जितना अच्छा चिंतन कर सकता है उतना दूसरे समय में नहीं। स्वास्थ्य की दृष्टि से भी यह सर्वोत्तम समय है। बिल कोस्बो ने इस संदर्भ में कहा है कि मुझे नहीं मालूम कि कामयाबी पाने की पुंजी क्या है, पर हर आदमी को खुश करने की कोशिश करना ही नाकामयाबी की पुंजी है।

जीवन में यदि आप सफल होना चाहते हैं तो प्रसन्न रहने की आदत डालिए, क्योंकि सफलता और प्रसन्नता का चोली दामन का साथ है। हम जो चाहें हमारे जीवन का जो लक्ष्य हो उसे पा लें यह सफलता है और जब मन चाहे लक्ष्य को पा लेंगे तो स्वभावतः प्रसन्नता का अनुभव करेंगे। हम जिंदगी को काटे नहीं, सच्चे अर्थों में जीएं। हम निरंतर परिश्रम करें। जॉन एच रोटस ने अपने संदेश में कहा है- सिर्फ जिंदगी न गुजारो-जीओ, सिर्फ छुओ नहीं महसूस करो, सिर्फ देखो नहीं गौर करो, सिर्फ पढ़ो नहीं जीवन में उतारो।

हमारा जीवन बहिर्मुखी न होकर अंतर्मुखी होना चाहिए। उसमें उथलापन नहीं, आडंबर नहीं, गंभीरता होनी चाहिए। हमारे आदर्श ऊंचे होने चाहिए और विचार सात्विक। बाहरी साज-सज्जा, शरीर की चमक दमक से कोई व्यक्ति न तो महान बन सकता है, न ही सफलता उसके चरण चूमती है।

विचार मंथन

5 राज्यों के विधानसभा चुनाव बनाम एक तीर से कई शिकार?

(लेखक- सनत जैन)

केंद्रीय चुनाव आयोग ने 15 मार्च रविवार को पांच राज्यों के चुनाव की घोषणा कर दी। देश में पहली बार मात्र 21 दिनों में मतदान की प्रक्रिया पूरी होगी। चुनाव आयोग द्वारा चुनाव कराने की अभी तक की जो प्रक्रिया थी। उसमें मनमाने तरीके से बदलाव करते हुए जिस तरीके से पांच राज्यों के चुनाव घोषित किए हैं। उसके कई अन्य मायने भी माने जा रहे हैं। चुनाव आयोग और सरकार ने एक ही तीर से कई निशाने साधे हैं? चुनाव आयोग के इस निर्णय पर यह कहा जा सकता है, संवैधानिक संस्थाएं अपनी जिम्मेदारी और नैतिकता को भूल चुकी हैं? वह सरकार के इशारे पर ही काम कर रहीं हैं। इसमें सबसे ज्यादा चर्चा न्यायपालिका की हो रही है। केंद्रीय चुनाव आयोग ने पहली बार 9 से 29 अप्रैल के बीच मात्र 21 दिनों में नामांकन से लेकर मतदान तक की प्रक्रिया पूर्ण कराने का रिकॉर्ड बनाया है। संसद का बजट सत्र चल रहा है। इसमें मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है। संसद में इसके बारे में चर्चा होनी थी। सांसद एवं विधायक इसी बीच चुनाव घोषित कर दिए गए। चुनाव घोषित होने का प्रभाव यह होगा की सभी राजनीतिक दल, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पांडिचेरी के चुनाव में व्यस्त हो जाएंगे। संसद में सांसदों की उपस्थिति और सक्रियता बहुत कम हो जाएगी। ऐसी स्थिति में चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ जो प्रस्ताव पेश किया गया है, उस पर भी शायद चर्चा हो पाए। शायद इसी रणनीति को ध्यान में रखते हुए रविवार के दिन चुनाव आयोग ने पांच राज्यों के चुनाव की अधिसूचना जारी कर दी। पश्चिम बंगाल की मतदाता सूची अभी तक जारी नहीं हुई है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर न्यायपालिका के जज एसआईआर मैं मतदाताओं के नाम जोड़ने के विवाद में सतत जाँच कर रहे हैं। लाखों मतदाताओं के नामों को लेकर जो जाँच चल रही है। वह कब तक पूरी होगी, इसका कोई भरोसा नहीं है। इसके बाद भी चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल के चुनाव भी घोषित कर दिए। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले से एसआईआर का मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। अभी तक इसकी संवैधानिकता के बारे में सुप्रीम कोर्ट ने कोई फैसला नहीं दिया है। लगभग 1 साल से सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है। जिसमें तारीख पर तारीख मिल रही है। इसी बीच चुनाव भी होते चले जा रहे हैं। हाल ही में पश्चिम बंगाल की मतदाता सूची की जाँच में पश्चिम बंगाल एवं अन्य राज्यों के जजों को लगा दिया गया है। अभी तक मतदाता सूची फाइनल नहीं हुई, उसके बाद भी चुनाव घोषित कर दिए गए। संसद में इस बार एपस्टीन फाइल मे शामिल राजनेताओं के नाम, भारत की विदेश नीति, अमेरिका-इजरायल द्वारा ईरान के युद्ध की स्थिति में पेट्रोल, डीजल, एलपीजी संकट को लेकर विपक्ष संसद में जो दबाव सरकार पर बना रहा था। चुनाव आयोग द्वारा पांच राज्यों के चुनाव घोषित किए जाने के बाद यह सब मामले ठंडा बस्ते में चले गए हैं। भारत के शेयर बाजार लगातार गिरावट है। डॉलर के मुकाबले रुपए की कीमत लगातार गिर रही है। देश में आर्थिक संकट और वैश्विक मंदी को लेकर बजट सत्र में जो चर्चा होनी थी। अब वह शायद नहीं होगी। सभी राजनीतिक दल अपने-अपने राज्य के चुनाव में सक्रिय हो जाएंगे। इसका फायदा सत्ता पक्ष को मिलता हुआ दिख रहा है। बजट सत्र के दौरान, सरकार को जो चुनौतियां मिल रही थी। उन चुनौतियों से एक ही झटके में सरकार को मुक्ति मिल गई। विपक्ष सरकार के खिलाफ जो जाल फैला रहा था, अब सरकार के बिछाए हुए जाल में फंसकर विपक्ष को फड़फड़ाने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का शीर्ष नेतृत्व जिस तरह से अपनी रणनीति बनाता है। विपक्ष चाह कर भी उसका मुकाबला नहीं कर पा रहा है। विपक्ष आपस में लड़ रहा है, इसका फायदा उठाते हुए भाजपा तमाम चुनौतियों के बाद भी सत्ता पर मजबूत पकड़ बनाए हुए हैं। इस पूरे घटना चक्र में चुनाव आयोग और न्यायपालिका की भूमिका, सरकार के पक्ष में होने के कारण लोगों का इन दोनों संस्थाओं के प्रति अविश्वास बढ़ रहा है। कुछ इसी तरीके की स्थिति बांग्लादेश में शेख हसीना के चुनाव में देखने को मिली थी। बांग्लादेश के चुनाव आयोग द्वारा जिस तरह से सरकार की मदद चुनाव में की थी। बांग्लादेश की न्यायपालिका ने भी सरकार का साथ दिया था। जिसके कारण बांग्लादेश में विद्रोह देखने को मिला। भारत में केंद्रीय चुनाव आयोग को हटाने के लिए विपक्ष संसद में प्रस्ताव पेश किया गया था। संसद मे कार्यवाही शरू होती, उसके पहले ही पांच राज्यों के चुनाव घोषित कर चुनाव आयोग ने यह बता दिया है, उसे सरकार का समर्थन है। पश्चिम बंगाल की मतदाता सूची का प्रकाशन हुए बिना चुनाव घोषित किए गए हैं। इसका मतलब है, चुनाव आयोग को भरोसा है, कि सुप्रीम कोर्ट इसकी अधिसूचना को मान्य करेगी। चुनाव आयोग को सरकार पर भरोसा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अमेरिका और ईरान तनाव से वैश्विक ऊर्जा संकट बढ़ा: अमेरिकी तेल कंपनियां

- स्ट्रेट आफ होर्मुज से तेल की आपूर्ति में बाधाएं अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार में अस्थिरता बनाए रखेंगी

वाशिंगटन । अमेरिका की प्रमुख तेल कंपनियों एक्सॉन, शेवरॉन और कोनोकोफिलिप्स के सीईओ ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन को आगाह किया कि ईरान युद्ध से वैश्विक ऊर्जा संकट और गंभीर हो सकता है। उनका कहना है कि स्ट्रेट आफ होर्मुज से तेल की आपूर्ति में बाधाएं अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार में अस्थिरता बनाए रखेंगी। ट्रंप ने संकेत दिया कि युद्ध को समाप्त करने के लिए बातचीत संभव है, लेकिन शर्तें अमेरिका के लिए पर्याप्त नहीं हैं। उन्होंने कहा कि ईरान समझौता करना चाहता है, लेकिन अमेरिका बेहतर शर्तों पर ही आगे बढ़ेगा। उन्होंने चीन, फ्रांस, जापान, दक्षिण कोरिया और यूके को स्ट्रेट आफ होर्मुज में युद्धपोत भेजने का आह्वान किया ताकि जलडमरूमध्य खुला रहे। ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि ईरान तब तक अमेरिका से बातचीत नहीं करेगा जब तक ट्रंप यह स्वीकार नहीं करते कि वे अवैध युद्ध कर रहे हैं। यूरोपीय संघ के विदेश मंत्री नौसैनिक मिशन बढ़ाने पर विचार कर रहे हैं। जर्मनी ने कहा कि रेड सी में शिपिंग सुरक्षा अब तक प्रभावी नहीं रही। ट्रंप प्रशासन कई देशों के साथ गठबंधन बनाकर जहाजों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की योजना बना रहा है। युद्ध ने अब तक लगभग 3750 लोगों की जान ले ली है। ईरान में 3000 से अधिक, खाड़ी और इजरायल में दर्जनों, और अमेरिका ने 13 सैनिक खो दिए। ईरानी हमले जारी हैं और अमेरिका ने खारग द्वीप पर हमले किए। यूएई ने 1600 ड्रोन और 300 से अधिक मिसाइलें रोक ली हैं। फुजैरा में तेल लोडिंग फिर शुरू हुई। तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल से अधिक हो गई है। यह बंदरगाह स्ट्रेट आफ होर्मुज के पास स्थित है और यूएई व वैश्विक बाजारों के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है।

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया तीन पैसे की तेजी के साथ ही 92.27 पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को रुपया शुरुआती कारोबार में 13 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 92.43 पर पहुंच गया। भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच विदेशी पूंजी की भारी निकासी और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों से घरेलू मुद्रा दबाव में है। देशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू शेयर बाजारों में अस्थिर माहौल से रुपया और टूटा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 92.44 प्रति डॉलर पर खुला और अपने अब तक के सबसे निचले स्तर के करीब 92.43 प्रति डॉलर पर कारोबार करता रहा जो पिछले बंद भाव से 13 पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया शुक्रवार को रिकॉर्ड निचले स्तर 92.30 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.13 फीसदी की गिरावट के साथ 99.98 पर रहा।

अंतरराष्ट्रीय आपात भंडार से 41 करोड़ बैरल तेल जारी

नई दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) से जुड़े देशों ने वैश्विक तेल बाजार में अस्थिरता को नियंत्रित करने के लिए अपने आपात भंडार से करीब 41 करोड़ बैरल तेल जारी करने का फैसला किया है। इसमें से 27 करोड़ बैरल सरकारी भंडार, 11.6 करोड़ बैरल उद्योग के अनिवार्य भंडार और 2.36 करोड़ बैरल अन्य स्रोतों से आएंगे। कुल तेल का 72 फीसदी कच्चा तेल और 28 फीसदी तैयार पेट्रोलियम उत्पाद होगा। एशिया और ओशिनिया के भंडार से तेल तुरंत उपलब्ध कराया जाएगा, जबकि यूरोप और अमेरिका के भंडार से यह मार्च के अंत तक बाजार में आएगा। यह कदम तेल आपूर्ति को संतुलित रखने और कीमतों में तेज उछाल को रोकने के लिए उठाया गया है। विशेषज्ञों के अनुसार अगर आपूर्ति बढ़ती है तो वैश्विक तेल कीमतों में स्थिरता आने की संभावना है, लेकिन भू-राजनीतिक तनाव की दिशा भी असर डाल सकती है।

हिंडाल्को ने एल्युमिनियम ढलाई व्यवसाय बंद होने की खबरों का खंडन किया

नई दिल्ली । दिग्गज धातु विनिर्माता कंपनी हिंडाल्को इंडस्ट्रीज ने एल्युमिनियम ढलाई व्यवसाय बंद होने की खबरों का खंडन करते हुए कहा कि कंपनी के इस व्यवसाय की बिक्री या संचालन को नहीं रोका गया है। कंपनी ने कहा कि हाल ही में ग्राहकों को भेजी गई सूचना केवल संभावित आपूर्ति व्यवधान के संबंध में सामान्य व्यावसायिक जानकारी थी। वैश्विक व्यापार और अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने वाले बदलते भू-राजनीतिक घटनाक्रमों के बीच, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज ने स्पष्ट किया कि वर्तमान में कंपनी के समग्र परिचालन या वित्तीय प्रदर्शन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। कंपनी ने कहा कि किसी भी संभावित व्यवधान का असर एल्युमीनियम ढलाई व्यवसाय के केवल एक छोटे से हिस्से तक ही सीमित है। यह बयान उस खबर के बाद आया है जिसमें कहा गया था कि पश्चिम एशिया संकट के बीच कंपनी ने एल्युमीनियम उत्पादों की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया है।

एक्सेल और गूगल ने टम्स एआई कोहोर्ट 2026 में 5 स्टार्टअप चुने

- प्रत्येक स्टार्टअप को 20 लाख अमेरिकी डॉलर तक का संयुक्त निवेश मिलेगा

बेंगलुरु । एक्सेल एटम्स और गूगल एआई फ्यूचर्स फंड ने सोमवार को घोषणा की कि उन्होंने 'एटम्स एआई कोहोर्ट 2026' में शामिल होने वाले पांच स्टार्टअप चुने हैं। यह विशेष कार्यक्रम एआई स्टार्टअप को शुरुआती चरण से वैश्विक स्तर तक विस्तार करने में मदद करेगा। इस कोहोर्ट के तहत, चुने गए स्टार्टअप को एक्सेल के भारतीय उद्यमियों का समर्थन और गूगल की उन्नत एआई अवसंरचना का लाभ मिलेगा। प्रत्येक स्टार्टअप को 20 लाख अमेरिकी डॉलर तक का संयुक्त निवेश मिलेगा और गूगल क्लाउड, जेमिनी और डीपमाइंड संसाधनों के लिए 3.5 लाख डॉलर तक की संगणनात्मक क्रेडिट भी प्रदान की जाएगी। ये पांच स्टार्टअप के-डेंस, डॉज एआई, पर्सिस्टेंस लैब्स, जिंगरोल और लेवलप्लेन हैं- पहला के-डेंस- जीवन विज्ञान, भौतिकी और रसायन विज्ञान में खोज को तेज करने के लिए एआई आधारित सह-वैज्ञानिक विकसित कर रहा है। दूसरा डॉज एआई- आधुनिक उद्यम संसाधन नियोजन प्रणालियों को उन्नत बनाने के लिए स्वायत्त एआई एजेंट तैयार कर रहा है। तीसरा पर्सिस्टेंस लैब्स- बड़े पैमाने पर कॉल सेंटर संचालन को बदलने के लिए आवाज आधारित एआई का उपयोग कर रहा है। चौथा जिंगरोल- उपभोक्ताओं के लिए एआई आधारित मनोरंजन और स्ट्रीमिंग अनुभव विकसित कर रहा है और पांचवा लेवलप्लेन- सटीकता आधारित वाहन और एयरोस्पेस विनिर्माण में औद्योगिक स्वचालन को बढ़ावा दे रहा है।

ईरान संघर्ष से रुपया दबाव में, आरबीआई के लिए बढ़ी चुनौती

नई दिल्ली। भारतीय रुपये ने नया ऐतिहासिक निम्नतम स्तर छू लिया है। इस सप्ताह डॉलर के मुकाबले रुपया 91.71 से 92.47 के बीच उतार-चढ़ाव करता दिखा और सप्ताह का बंद 92.46 प्रति डॉलर पर हुआ। यह पिछले सप्ताह के 91.75 प्रति डॉलर से कमजोर है। रुपये की कमजोरी का मुख्य कारण वैश्विक जोखिम में वृद्धि और कच्चे तेल की कीमतों का तेज़ बढ़ना है। ईरान संघर्ष के कारण कच्चे तेल की कीमत 70 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर लगभग 98.7 डॉलर प्रति बैरल हो गई है। ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को बाधित करने की धमकी दी है, जो वैश्विक तेल शिपमेंट के लिए महत्वपूर्ण मार्ग है। अमेरिका ने भी 13 मार्च को ईरान पर हमले तेज किए। आईएफए ग्लोबल के एक प्रमुख अे धिकारी का कहना है कि रुपये पर दबाव तब तक रहेगा जब तक ब्रेंट क्रूड 100 डॉलर प्रति बैरल के आसपास बना रहेगा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के लिए यह समय चुनौतीपूर्ण है। उसे रुपये की अस्थिरता को नियंत्रित करने और उधारी की लागत में तेज वृद्धि को रोकने के बीच संतुलन बनाना पड़ रहा है। विदेशी मुद्रा भंडार 6 मार्च को समाप्त सप्ताह में 716.8 अरब डॉलर रहा, जो कुछ हद तक हस्तक्षेप की क्षमता देता है, लेकिन बढ़ते वैश्विक जोखिमों के बीच सीमित प्रभाव हो सकता है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि सरकारी बॉन्ड यील्ड निकट भविष्य में सीमित दायरे में रह सकती है। वहीं, रुपये पर दबाव जारी रहने की संभावना है, जब तक तेल की कीमतें ऊंची हैं और ईरान संकट हल नहीं होता। आरबीआई को सावधानीपूर्वक कदम उठाने की जरूरत है ताकि मुद्रा स्थिर रहे और आर्थिक उधारी की लागत नियंत्रण में रहे।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 939, निफ्टी 257 अंक ऊपर आया

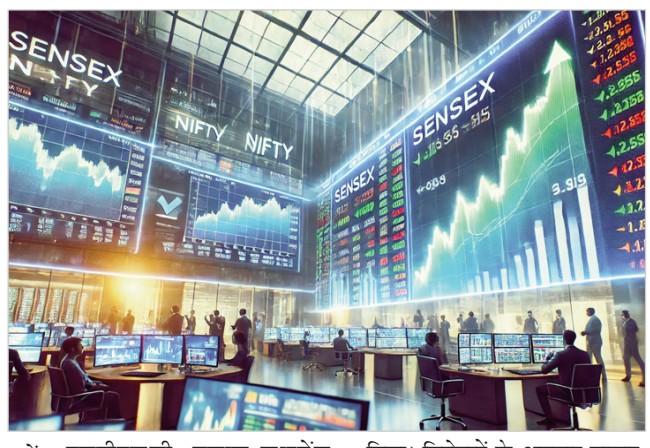

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ । सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये बढ़त दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी खरीददारी हावी रहने से आई है। आज बैंकों, ऑटो और एफएमसीजी क्षेत्रों के शेयरों में आये उछाल से बाजार ऊपर आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 939 अंक बढ़कर 75,502.85 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएनई निफ्टी 257.70 अंक उछलकर 23,408.80 पर बंद हुआ।

कारोबार के दौरान सेंसेक्स 75,805.27 जबकि निफ्टी 23,502 के अपने दिन के शीर्ष स्तर पर पहुंचा। इस दौरान व्यापक बाजारों का प्रदर्शन बेंचमार्क सूचकांकों से कमजोर रहा। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में 0.43 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.65 फीसदी की गिरावट रही।

सेक्टरवार देखें तो, निफ्टी ऑटो में सबसे ज्यादा 1.67 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। वहीं निफ्टी एफएमसीजी में 1.14 फीसदी, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज में 1.50 फीसदी और निफ्टी बैंक में 1.22 फीसदी की तेजी रही। वहीं, निफ्टी रियल्टी में 1.57 फीसदी की गिरावट रही। इसके अलावा, निफ्टी ऑयल एंड गैस इंडेक्स में 1.58 फीसदी वहीं निफ्टी आईटी 0.10 फीसदी गिरा।

निफ्टीमें बीईएल, मैक्स हेल्थकेयर, विप्रो, कोल इंडिया, ओएनजीसी, डॉ. रेड्डीज, सन फार्मा, श्रीराम फाइनेंस, सिप्ला और पावर ग्रिड के शेयरों में 1 फीसदी से अधिक की गिरावट रही जबकि अल्ट्राटेक सीमेंट, ग्रासिम इंडस्ट्रीज, महिंद्रा एंड महिंद्रा, इटरनल, ट्रेंट, एचडीएफसी, बजाज फाइनेंस, जेएसडब्ल्यू और बजाज-ऑटो के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी रही।

इससे पहले आज बाजार की सपाट शुरुआत हुई। सुबह बीएसई सेंसेक्स गिरावट के साथ करीब 74,415 अंक पर खुला। वहीं निफ्टी भी लगभग सपाट स्तर पर 23,116 अंक पर खुला। शुरुआती कारोबार में इसमें भी मामूली उतार-चढ़ाव देखने को मिला। विशेषज्ञों के अनुसार बाजार पर मध्य पूर्व में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव से निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी भी बाजार के लिए चिंता का कारण बनी हुई है। दूसरी ओर रुपये में कमजोरी और विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली से भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा है।

देश में थोक महंगाई फरवरी 2026 में बढ़कर 2.13 फीसदी पर पहुंची

खाद्य और विनिर्माण वस्तुओं के दाम बढ़े, सब्जियों की महंगाई में राहत मिली

नई दिल्ली ।

देश में थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित महंगाई फरवरी 2026 में बढ़कर 2.13 प्रतिशत हो गई है। यह लगातार चौथा महीना है जब थोक महंगाई बढ़ी है। जनवरी 2026 में यह दर 1.81 प्रतिशत थी, जबकि फरवरी 2025 में 2.45 प्रतिशत दर्ज की गई थी। सरकार द्वारा सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, खाद्य और गैर-खाद्य वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि इसके प्रमुख कारणों में शामिल है। उद्योग मंत्रालय ने बताया कि फरवरी में महंगाई की सकारात्मक दर मुख्य रूप से अन्य विनिर्माण, बेसिक मेटल, गैर-खाद्य वस्तुएं, खाद्य वस्तुएं और वस्त्रों की कीमतों में बढ़ोतरी से आई है। खाद्य वस्तुओं में महंगाई जनवरी के 1.55 प्रतिशत से बढ़कर फरवरी में 2.19 प्रतिशत हो गई। हालांकि, सब्जियों की महंगाई में राहत मिली और यह जनवरी के 6.78 प्रतिशत से घटकर 4.73 प्रतिशत पर आ गई। इसके बावजूद दाल, आलू, अंडा, मांस और मछली जैसी वस्तुओं की कीमतों में तेजी बनी रही, जिससे कुल खाद्य महंगाई बढ़ी। विनिर्मित उत्पादों में हल्की बढ़ोतरी हुई और उनकी थोक महंगाई जनवरी के 2.86 प्रतिशत से बढ़कर फरवरी में 2.92 प्रतिशत हो गई। वहीं गैर-खाद्य वस्तुओं की महंगाई 7.58 प्रतिशत से बढ़कर 8.80 प्रतिशत हो गई, जो कच्चे माल और औद्योगिक वस्तुओं की कीमतों में दबाव को दर्शाता है। ईंधन एवं बिजली श्रेणी में गिरावट का दौर जारी रहा। फरवरी में इस क्षेत्र में महंगाई दर -3.78 प्रतिशत रही, जबकि जनवरी में यह -4.01 प्रतिशत थी। इसका मतलब है कि इस क्षेत्र में कीमतें पिछले साल की तुलना में कम हैं, लेकिन गिरावट की गति धीमी हुई। खुदरा महंगाई फरवरी में बढ़कर 3.2 प्रतिशत हो गई, जबकि जनवरी में यह 2.75 प्रतिशत थी।

भारतीय रिजर्व बैंक ब्याज दरों के निर्णय के लिए मुख्य रूप से खुदरा महंगाई को आधार मानता है। चालू वित्त वर्ष में महंगाई निचले स्तर पर बनी रहने के बावजूद आरबीआई ने अब तक 1.25 प्रतिशत अंक की कटौती कर दी है।

मिडिल ईस्ट तनाव से निफ्टी का लक्ष्य 15 फीसदी तक घटा

- भारत के शेयर बाजार के मार्केट कैप में लगभग 447 अरब डॉलर गिरावट

नई दिल्ली । मिडिल ईस्ट में बढ़ते संघर्ष और ईरान-अमेरिका तनाव के बाद वैश्विक शेयर बाजारों में तेज गिरावट देखने को मिल रही है। इस भू-राजनीतिक संकट का असर भारतीय शेयर बाजार पर भी पड़ा है। पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू होने के बाद से भारत के शेयर बाजार का कुल मार्केट कैप करीब 447 अरब डॉलर घटकर लगभग 4.7 ट्रिलियन डॉलर रह गया है। इससे पहले इतनी बड़ी गिरावट मार्च 2020 में कोविड-19 महामारी के दौरान देखी गई थी। वैश्विक स्तर पर भी बाजारों में भारी बिकवाली हुई है और दुनिया के बाजारों का कुल मार्केट कैप 8.5 ट्रिलियन डॉलर से अधिक घट गया है। जापान की एक ब्रोकरेज फर्म ने भी भारतीय बाजार को लेकर अपना दृष्टिकोण सावधानी भरा कर दिया है। ब्रोकरेज ने दिसंबर 2026 के लिए निफ्टी-50 का लक्ष्य 29,300 से घटाकर 24,900 कर दिया है, जो लगभग 15 प्रतिशत की कटौती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध से कंपनियों की कमाई के अनुमान पर दबाव बढ़ सकता है। पिछले दो हफ्तों में भारतीय शेयर बाजार में करीब 8 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। निफ्टी और बैंक निफ्टी अपने रिकॉर्ड उच्च स्तर से लगभग 13 प्रतिशत नीचे आ चुके हैं।

मार्च की बढ़ती गर्मी से रबी फसलें प्रभावित, गेहूं-सौंफ की पैदावार 20 फीसदी घटने का खतरा

- बढ़ता तापमान फसलों के सामान्य विकास में बाधा डाल रहा है, किसानों की बढी चिंता

नई दिल्ली ।

मार्च की शुरुआत में जिले के कई इलाकों में तापमान 35 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है। अचानक बढ़ी गर्मी से गेहूं, जौ और सौंफ जैसी रबी फसलें हीट स्ट्रेस का शिकार हो रही हैं। इस समय फसलें दाना बनने और भरने की अवस्था में हैं, इसलिए अधिक तापमान उनके सामान्य विकास में बाधा डाल रहा है और किसानों की चिंता बढ़ा रहा है। एग्रीकल्चर एक्सपर्ट के अनुसार यदि तापमान इसी तरह बढ़ता रहा, तो जिले के कुल उत्पादन पर बड़ा असर पड़ेगा। इस सीजन में जिले में कुल 36 हजार हेक्टेयर में रबी फसलें बोई गई थीं। सामान्य परिस्थितियों में अनुमानित उत्पादन 5.50 लाख क्विंटल था लेकिन अचानक बढ़ी गर्मी के कारण अब लगभग 1.10 लाख क्विंटल उत्पादन कम होने का अनुमान है, यानी कुल पैदावार में गिरावट संभव है। गर्म मौसम से पौधों में फोर्स मैच्योरिटी प्रक्रिया शुरू हो जाती है। इसका असर यह होता है कि दाने पूरी तरह विकसित नहीं हो पाते और समय से पहले सूख जाते हैं। गेहूं और जौ के दाने छोटे, पतले और सिकुड़े रहते हैं। सौंफ की चमक और गुणवत्ता भी प्रभावित होती है, जिससे किसानों की आय पर भी प्रतिकूल असर पड़ता है। गुणवत्ता खराब होने से फसलों के मंडी भाव में भी गिरावट आ सकती है। अनुमान है कि गेहूं की कीमतें लगभग 15 फीसदी कम हो सकती हैं। वर्तमान में 3000-3500 रुपए प्रति क्विंटल बिक रहा गेहूं गिरकर लगभग 2550 प्रे ति क्विंटल रह सकता है। सौंफ में भी प्रति क्विंटल 1400 रुपए तक का नुकसान हो सकता है। कृषि विशेषज्ञ कहते हैं कि बढ़ते तापमान से फसलों को बचाने के लिए समय पर सिंचाई करना जरूरी है। मार्च के शेष दिनों में कम से कम दो हल्की सिंचाई लाभकारी रहेंगी। सुबह या शाम सिंचाई करने से मिट्टी में नमी बनी रहती है और पौधों को झुलसने से बचाया जा सकता है।

भारत और अमेरिका में डब्ल्यूटीओ सुधार पर टकराव की आशंका

- नियमों को बदलने की जिद पर अड़ा वाशिंगटन

नई दिल्ली ।

भारत ने डब्ल्यूटीओ के मूल सिद्धांतों की सुरक्षा पर जोर दिया है। इसमें सर्वसम्मति से निर्णय लेना और तरजीही राष्ट्र (एमएफएन) सिद्धांत शामिल हैं। सरकार के एक अधिकारी ने कहा कि संगठन के बुनियादी नियम नहीं बदले जाने चाहिए। उनका मानना है कि पहले पुराने लंबित मुद्दों का समाधान किया जाना चाहिए, उसके बाद ही नए सुधारों को जोड़ा जाए। भारत ने यह भी कहा कि डब्ल्यूटीओ सुधार का मतलब नियमों में बदलाव नहीं होना चाहिए, वरना संगठन के प्रति भरोसा कमजोर होगा। अमेरिका का मानना है कि एमएफएन सिद्धांत अब आधुनिक समय के लिए उपयुक्त नहीं है। अमेरिका के अनुसार यह नियम देशों को व्यापारिक संबंधों को लचीले ढंग से विकसित करने से रोकता है। अमेरिका ने कहा कि विकसित और विकासशील देशों के बीच अंतर अब स्पष्ट नहीं है, इसलिए सदस्य देशों को विशेष समझौते करने की अनुमति होनी चाहिए। इससे केवल समझौते में शामिल देशों को लाभ मिलेगा। अमेरिकी उच्चतम न्यायालय ने पहले लागू किए गए देश-विशेष टैरिफ को अवैध घोषित किया था, लेकिन अब यूएस ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव ने कई देशों के खिलाफ धारा 301 के तहत जांच शुरू की है। दोनों देश इस बात से सहमत हैं कि डब्ल्यूटीओ सुधार की प्रक्रिया सदस्य देशों द्वारा ही होनी चाहिए और किसी 'सूत्रधार' की भूमिका सीमित रहनी चाहिए। विवाद एमएफएन सिद्धांत और नियमों में बदलाव को लेकर है। भारत इसे अपरिवर्तनीय मानता है, जबकि अमेरिका समय के अनुसार बदलाव चाहता है। डब्ल्यूटीओ की 14वीं मंत्री स्तरीय बैठक 26-29 मार्च को कैमरून के याउंडे में होने जा रही है। यह मुद्दा बैठक में सबसे महत्वपूर्ण चर्चा का विषय हो सकता है। भारत ने दिसंबर की जनरल काउंसिल बैठक में कहा था कि सुधार का मतलब नियमों का विस्तार या बदलना नहीं होना चाहिए, वरना संगठन की संरचना प्रभावित होगी और मराकेश समझौते की भावना बदल जाएगी।

ट्रेंट के शेयरों में गिरावट, निवेशकों के लिए अवसर या चेतावनी?

लंबे समय तक तेजी के बाद शेयर अब लौट रहा है सामान्य स्तर पर

नई दिल्ली । टाटा समूह की रिटेल कंपनी ट्रेंट और उसके जूडियो ब्रांड के शेयर पिछले समय से लगातार गिरावट में हैं। 11 अक्टूबर 2024 को शेयर 8,234.95 रुपए के रिकॉर्ड स्तर पर था, जो 13 मार्च 2026 तक गिरकर 3,500 रुपए पर आ गया, यानी लगभग 57.5 फीसदी की कमी। 30 जून 2025 के 6,259 रुपए स्तर से भी शेयर लगभग 44 फीसदी नीचे है। ट्रेंट के शेयर ने पहले निवेशकों को शानदार रिटर्न दिए। 6 अप्रैल 2021 को इसका भाव 703.65 रुपए था और तेजी से बढ़कर 2024 में रिकॉर्ड स्तर तक पहुंचा। इसकी सफलता का मुख्य कारण जूडियो ब्रांड का विस्तार और रिटेल कारोबार में मजबूत वृद्धि थी। विश्लेषकों का कहना है कि गिरावट किसी बड़े संकट की वजह से नहीं है। बाजार के जानकारों के अनुसार लंबे समय तक तेजी के बाद शेयर अब सामान्य स्तर पर लौट रहा है। वित्त वर्ष 26 की तीसरी तिमाही में कंपनी की आय 15 फीसदी बढ़कर 5,345 करोड़ रुपए रही, लेकिन बाजार की उम्मीद से कम रही। इसके अलावा नए स्टोर की तेजी, पुराने स्टोर की धीमी बिक्री और बाजार की कमजोरी भी गिरावट में योगदान कर रही है। विश्लेषकों का मानना है कि संगठित रिटेल अभी भी बढ़ने की स्थिति में है। विश्लेषकों का कहना है कि अगर पुराने स्टोर की बिक्री फिर से 20 फीसदी या उससे ज्यादा बढ़ने लगती है और खपत की मांग में सुधार होता है, तो आने वाले 3 से 5 साल में शेयर फिर से अपने पुराने ऊंचे स्तर को पार कर सकता है। लंबी अवधि के निवेशक गिरावट में खरीदारी कर सकते हैं। उनके अनुसार युवा आबादी, बढ़ती आय और छोटे शहरों में कारोबार का विस्तार कंपनी की आगे की बढ़त में मदद कर सकता है। उनका मानना है कि लंबी अवधि के निवेशकों के लिए यह गिरावट निवेश का अच्छा मौका हो सकती है।

भारतीय रत्न और आभूषण निर्यात पर पश्चिम एशिया संकट का असर

- पश्चिम एशिया संघर्ष से 20 फीसदी की गिरावट

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में चल रहे भू-राजनीतिक तनाव के कारण भारतीय रत्न और आभूषण निर्यात में इस महीने लगभग 20 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद (जीजेईपीसी) के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि यदि यही स्थिति बनी रहती है तो अगले तीन महीनों में 1.2 अरब डॉलर के निर्यात पर असर पड़ सकता है। कुल मिलाकर संभावित नुकसान लगभग 2 अरब डॉलर तक हो सकता है, हालांकि चीन और हॉन्गकॉन्ग जैसे बाजारों से इसकी कुछ भरपाई हो सकती है। भारतीय निर्यातक अमेरिकी शुल्कों के दबाव से बचने के लिए यूएई के बाजार पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। कुल निर्यात का लगभग 65 प्रतिशत दुबई पहुंचा, जो खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के देशों में वितरित होता है। दुबई अब भारत का प्रमुख आपूर्ति केंद्र बन गया है और यहां कच्चे और तैयार हीरों का व्यापार बेल्जियम की जगह ले चुका है। यूएई और विशेष रूप से दुबई को किए जाने वाले कुल निर्यात का मूल्य 8.3 अरब डॉलर है। भारत-यूएई व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते के कारण देश में लगभग 200 टन सोने के आयात पर भी असर पड़ने की संभावना है।

हालांकि फरवरी 2026 में भारतीय रत्न और आभूषण का निर्यात 2.68 अरब डॉलर रहा, जो सालाना आधार पर 3.86 प्रतिशत बढ़ा। अप्रैल 2025 से फरवरी 2026 तक निर्यात 25.93 अरब डॉलर के स्तर पर स्थिर रहा, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि में यह 25.92 अरब डॉलर था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नमन अवॉर्ड्स 2026 में वर्ल्ड चैंपियंस का जलवा, पांच ट्रॉफियों के साथ बीसीसीआई व खिलाड़ियों ने मनाया जीत का जश्न

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में आयोजित नमन अवॉर्ड्स 2026 में भारत की पांच वर्ल्ड कप विजेता टीमों को सम्मानित किया। खिलाड़ियों को मेमेंटो देकर उनकी ऐतिहासिक उपलब्धियों का जश्न मनाया गया।

नई दिल्ली में आयोजित प्रतिष्ठित नमन अवॉर्ड्स 2026 में भारतीय क्रिकेट की शानदार उपलब्धियों का जश्न देखने को मिला। इस खास मौके पर बीसीसीआई ने भारत की पांच वर्ल्ड कप विजेता टीमों को सम्मानित किया। बोर्ड की ओर से इन टीमों के खिलाड़ियों को मेमेंटो देकर उनकी ऐतिहासिक कामयाबी को सराहा गया और भारतीय क्रिकेट के सुनहरे दौर का जश्न मनाया गया।

भारत की पांच वर्ल्ड कप विजेता टीमों को मिला सम्मान

पिछले कुछ वर्षों में भारत ने अलग-अलग स्तरों पर आईसीसी टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए कई बड़े खिताब अपने नाम किए हैं। इन्हीं उपलब्धियों को सम्मान देने के लिए नमन अवॉर्ड्स 2026 में पांच वर्ल्ड कप जीतने वाली टीमों को सम्मानित किया गया। इनमें आईसीसी अंडर-19 महिला टी20 वर्ल्ड कप 2025, आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025, आईसीसी अंडर-19 पुरुष क्रिकेट वर्ल्ड कप 2026, आईसीसी महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप 2025 और आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2026 जीतने वाली भारतीय टीमें शामिल रहीं। समारोह में मौजूद खिलाड़ियों और अधिकारियों ने इन ऐतिहासिक जीतों का जश्न मनाया।

जूनियर टीमों ने दिखाया दम

भारतीय जूनियर टीमों ने भी हाल के वर्षों में शानदार प्रदर्शन किया है। भारत की अंडर-19 महिला टीम ने कप्तान निक्की प्रसाद की अगुवाई में खेले गए अंडर-19 महिला टी20 वर्ल्ड कप 2025 के फाइनल में साउथ अफ्रीका को हराकर खिताब अपने नाम किया था। वहीं पुरुष अंडर-19 टीम ने कप्तान आयुष म्हात्रे के नेतृत्व में अंडर-19 वर्ल्ड कप 2026 जीतकर देश का नाम रोशन किया। इन युवा खिलाड़ियों की उपलब्धियों को भी इस समारोह में खास तौर पर सराहा गया।

भारतीय सीनियर टीमों ने भी आईसीसी टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए कई बड़े खिताब जीते। पुरुष टीम ने रोहित शर्मा की कप्तानी में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 जीती थी। इसके बाद महिला टीम ने कप्तान हरमनप्रीत कौर के नेतृत्व में आईसीसी महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप 2025 जीतकर इतिहास रचा। हाल ही में भारतीय पुरुष टीम ने आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2026 का खिताब अपने नाम किया, जहां फाइनल में न्यूजीलैंड को हराकर भारत ने तीसरी बार टी20 वर्ल्ड कप जीता। इन लगातार सफलताओं ने भारतीय क्रिकेट की ताकत और गहराई को दिखाया है।

दिग्गजों को मिला खास सम्मान

नमन अवॉर्ड्स 2026 में बीसीसीआई ने भारतीय क्रिकेट के तीन महान खिलाड़ियों को

कर्नल सी. के. नायडू लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया। इनमें राहुल द्रविड़, मिताली राज और रोजर बिन्नी शामिल हैं। वहीं भारतीय टेस्ट और वनडे टीम के कप्तान शुभमन गिल को 2024-25 सीजन के लिए बेस्ट इंटरनेशनल मेन्स क्रिकेटर का अवॉर्ड दिया गया। महिला वर्ग में यह सम्मान स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना को मिला। यह समारोह भारतीय क्रिकेट की उपलब्धियों को सम्मान देने वाला यादगार मंच बन गया।

गुलवीर सिंह ने रचा इतिहास, न्यूयॉर्क सिटी हाफ मैराथन 2026 में तोड़ा नेशनल रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के स्टार लंबी दूरी के धावक गुलवीर सिंह ने रविवार को न्यूयॉर्क में पुरुषों की हाफ-मैराथन (21km) का नेशनल रिकॉर्ड तोड़ दिया है। एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (AFI) की एक रिलीज के अनुसार 27 वर्षीय सेना के धावक ने न्यूयॉर्क सिटी हाफ मैराथन 2026 में 59:42 का समय निकालकर तीसरा स्थान हासिल किया।

दक्षिण अफ्रीका के एड्रियन वाइल्डशट 59:30 के समय के साथ पहले स्थान पर रहे, उनके बाद मोरक्को में जन्मे अमेरिकी लंबी दूरी के धावक जुहैर तालबी रहे जिनका समय 59:41 था। पिछला नेशनल रिकॉर्ड 1:00:30 का था जिसे स्टीपलचेज विशेषज्ञ अविनाश साबले ने 2020 में दिल्ली हाफ मैराथन में बनाया था।

सिंह कई नेशनल रिकॉर्ड रखने वाले पहले भारतीय लंबी दूरी के धावक हैं जिनके रिकॉर्ड 3,000m ट्रैक से लेकर 25km रोड रेस तक हैं। एशियाई खेलों के पदक विजेता के नाम पुरुषों की 5,000m और 10,000m ट्रैक रेस के रिकॉर्ड भी हैं। सिंह का 2025 एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में प्रदर्शन काफी अच्छा रहा था जिसमें उन्होंने 5,000m और 10,000m दोनों ट्रैक रेस जीती थीं।

सिंह इस साल जुलाई में होने वाले ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स और सितंबर में होने वाले एशियाई खेलों, दोनों में पोडियम पर जगह बनाने का पूरा भरोसा है। उन्होंने कहा, 'मैं पूरी तरह फिट हूं और आने वाली बड़ी अंतरराष्ट्रीय रेस में अच्छे नतीजों की उम्मीद कर रहा हूं।' सेना के यह धावक फिलहाल अमेरिका के कोलोराडो स्प्रिंग्स में रह रहे हैं।

आईपीएल में लखनऊ सुपर जायंटस की नजरें ऋषभ और बदोनी पर रहेंगी

नई दिल्ली(एजेंसी)। आईपीएल 2026 के लिए लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत ने तैयारियां शुरु कर दी हैं। ऋषभ के अलावा टीम में एक और बेहतरीन बल्लेबाज आयुष बदोनी हैं। ऐसे में इन दोनो का ही लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन कर अपनी टीम को जीत दिलाना रहेगा। वहीं टीम की नजरें भी इनके प्रदर्शन पर रहेंगी। अभ्यास सत्र में ऋषभ ने टीम के प्रमुख बल्लेबाज आयुष बदोनी को एक बल्ला देते हुए मजाकिया अंदाज में कहा कि इससे तोड़ना नहीं संभालकर रखना। इससे पता चलता है कि टीम में कितना दोस्ताना माहौल है। ऋषभ और बदोनी सहित सभी खिलाड़ी अभी एक प्री-सीजन कैंप में अभ्यास कर रहे हैं। ऋषभ का लक्ष्य इस बार आईपीएल में बेहतर प्रदर्शन कर अपनी टीम को जीत दर्ज कराना रहेगा। वह आईपीएल 2026 के लिए टीम के कप्तान हैं। उन्हें पिछले सत्र में सबसे अधिक कीमत देकर खरीदा गया था। वह अपने खेल से किसी भी मैच का रुख बदल सकते हैं। वहीं आयुष टीम के मध्यक्रम के प्रमुख बल्लेबाज हैं। इन दोनों का लक्ष्य इस बार टीम को खिताब जिताना रहेगा।

लखनऊ की टीम में कई अच्छे खिलाड़ी हैं। ऋषभ के आसपास टीम रहेगी पर बदोनी की भूमिका भी बल्लेबाज में काफी अहम रहेग। वह बड़े नामों के बीच भी अपनी विशेष जगह बनाने में सफल रहे हैं। सत्र की शुरुआत से पहले ऐसे पल टीम के माहौल के बारे में बहुत कुछ बताते हैं। आईपीएल को लेकर टीम उत्साहित है और काफी काफी खुशनुमा माहौल में अभ्यास कर रही है इसका अंदाज कप्तान और बदोनी के बीच की बातचीत से चलता है। लखनऊ आईपीएल 2026 में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेगी। इस दौरान इन दोनो खिलाड़ियों पर सबकी नजरें रहेंगी। इस दौरान बदोनी अपने को बेहतर साबित करना चाहेंगे। टीम चाहते कि जिस प्रकार अभ्यास के दौरान टीम प्रदर्शन कर रही है वैसा ही टूर्नामेंट में भी करे।

सैमसन ने माना एक बार उनके दिमाग में भी शतक लगाने का विचार आया था

मुम्बई (एजेंसी)। टी20 विश्वकप में शानदार प्रदर्शन कर भारतीय क्रिकेट टीम की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले बल्लेबाज संजू सैमसन टूर्नामेंट में तीन बार शतक के करीब आकर भी उसे पूरा नहीं कर पाये क्योंकि टीम की जरुरतों के हिसाब से उन्होंने तेजी से खेला। इसी को लेकर एक कार्यक्रम में संजू ने माना है कि एक बार उसके मन में शतक बनाने का विचार आया पर अगले ही पल उसे लगा कि शतक से अधिक टीम की जीत जरुरी है। इसलिए उसने शतक का विचार छोड़कर टीम की जरुरतों के हिसाब से खेलना तय किया। सैमसन ने पांच मैचों में कुल 321 रन बनाये। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 199.37 का

रहा। वह टूर्नामेंट में भारत की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे। उनके पास तीन बार शतक लगाने का अवसर था पर उन्होंने निजी उपलब्धि की चिंता नहीं की। उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ करो या मरो सुपर-8 मैच में नाबाद 97 रन बनाये जबकि इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में 89 रन बनाए। इसके अलावा न्यूजीलैंड के विरुद्ध फाइनल में 89 रन बनाये।

सैमसन ने कहा, लोग कहते हैं कि मैं तीन बार शतक नहीं लगा पाया पर मुझे लगता है उससे बहुत बड़ा काम हुआ है। मैंने शतक न बनाकर अधिक बेहतर योगदान दिया। मुझे ऐसा ही लगता है हालांकि मैं ये नहीं कहूंगा कि मैंने 100 के बारे में सोचा ही नहीं। हर किसी की तरह ही मेरे मन में भी आया था कि एक बार 100 बन जायें तो और अधिक मजा आयेगा पर बाद में सोचा कि जिस प्रकार खेलते हुए मैं यहां तक पहुंचा हूं, वैसे ही खेलूंगा।

सैमसन ने गौतम गंभीर की बात को बल दिया कि टीम में निजी उपब्धियों की जगह टीम गेम जरुरी है। सैमसन ने कहा कि मेरा भी मानना है कि टीम सबसे पहले है। । शुरुआत से ही तय हो गया था कि सभी टीम हित को सबसे पहले रखेंगे। सैमसन ने माना कि शुरुआत में अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिलने से वह हताश थे।

सीएसके की ओर से तीसरे नंबर पर उतरें सैमसन : रैना

नई दिल्ली । पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने कहा है कि इस माह के अंत में शुरु हो रहे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में बल्लेबाज संजू सैमसन को तीसरे नंबर पर उतरना चाहिये । सैमसन इस बार आईपीएल में पहली बार चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की ओर से खेलेंगे । इससे पहले के सत्र तक संजू राजस्थान रॉयल्स में थे और हमेश ही उसमें सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतरते रहे हैं । वहीं रैना का मानना है कि सीएसके की ओर से खेलते हुए संजू अगर नंबर तीन पर उतरते हैं तो टीम संतुलन बेहतर होगा । रैना ने कहा कि संजू के आने के बाद भी सीएसके को पारी की शुरुआत के लिए रुतुराज गायकवाड़ और आयुष म्हात्रे की जोड़ी को ही उतारना चाहिये । वहीं संजू का का काम नंबर 3 पर उतरने हुए मध्क्रम को संभालने का रहना चाहिये । रैना ने कहा, 'वह लंबे समय तक राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रहे हैं । मुझे लगता है कि यहां उनकी भूमिका टीम ने तय कर रखी होगी । मेरा मानना है कि रुतुराज और आयुष पारी की शुरुआत करें और संजू नंबर तीन पर खेलें तो अच्छा रहेगा ।

सिनर, सबालेंका ने पहली बार इंडियन वेल्स खिताब जीता

इंडियन वेल्स । यानिक सिनर ने दूसरे सेट के टाइब्रेकर में लगातार सात अंक बनाकर पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए दानिल मेदवेदेव को 7.6, 7.6 से हराकर पहली बार एक भी सेट गंवाये बिना इंडियन वेल्स खिताब जीता । दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी सिनर ने मेदवेदेव को पिछले दस मुकाबलों में नौवीं बार हराया । मेदवेदेव ने सेमीफाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त कार्लोस अल्काराज को मात दी थी । महिला वर्ग में दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी एरिना सबालेंका ने एलेना रिबाकिना को 3.6, 6.3, 7.6 से हराकर खिताब जीता । इससे पहले 2023 और 2025 में उपविजेता रही सबालेंका का यह पहला खिताब है ।

कड़ी मेहनत से मिलती है सफलता : रोहित

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने उम्मीद जताई है कि जिस प्रकार भारतीय क्रिकेट आगे बढ़ रहा है वह सिलसिला बना रहेगा। रोहित ने कहा कि सफलता कड़ी मेहनत और अभ्यास से मिलती है और उसका कोई भी शॉर्टकट या आसान रास्ता नहीं होता। उन्होंने उम्मीद जताई कि भारतीय पुरुष और महिला टीमों द्वारा हाल में जीते गए आईसीसी खिताब भविष्य में और बड़ी सफलताओं का आधार बनेंगे। रोहित ने कहा कि टीम की सफलता के पीछे मैदान पर खेलने वाले खिलाड़ियों के साथ-ही सहयोगी स्टाफ सहित वे लोग भी रहते हैं जो सामने नजर नहीं आते पर वे भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं1 रोहित शर्मा ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफलता हासिल करना आसान नहीं होता और इसके लिए खिलाड़ियों को लगातार समर्पण के साथ कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। उन्होंने बताया कि केवल खिलाड़ी ही नहीं, बल्कि टीम प्रबंधन, कोचिंग स्टाफ और अन्य सहयोगी स्टाफ को भी सफलता के लिए लगाता मेहनत करनी होती है। इसलिए टीम की उपलब्धियों का श्रेय सभी लोगों को मिलना चाहिए। रोहित ने भारतीय क्रिकेट की हाल की सफलताओं पर खुशी जताते हुए कहा कि पिछले कुछ साल में देश का झंडा लगातार ऊंचा लहराया है। उन्होंने कहा कि केवल पुरुष क्रिकेट ही नहीं बल्कि महिला क्रिकेट ने भी शानदार प्रदर्शन किया है और विश्व स्तर पर भारत का नाम रोशन किया है। रोहित के मुताबिक भारतीय महिला टीम की विश्वकप जीत की उपलब्धियां भी उतनी ही प्रेरणादायक हैं जितनी पुरुष टीम की। राष्ट्रीय टीमों के साथ ही महिला और पुरुष वर्ग में अंडर-19 टीमों ने भी खिताबी जीत दर्ज की जिससे पता चलता है कि भविष्य की टीम की सफलता के लिए तैयार है।

बंगलादेश ने पाकिस्तान को 11 रनों से हराया और सीरीज भी जीती

मीरपुर (एजेंसी)। आगा सलमान का शतक गया बेकार, बंगलादेश ने तंजिद हसन (107) और मो. तौहीद हृदोय (नाबाद 48) की शानदार पारियों के बाद तस्कीन अहमद की अगुवाई में गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत तीसरे एकदिवसीय मुकाबले में रविवार को पाकिस्तान को 11 रनों से शिकस्त दी। इसी के साथ बंगलादेश ने तीन मैचों की सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली।

291 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत खराब रही और उसने 17 रन के स्कोर तक अपने तीन विकेट गंवा दिये। साहिबजादा फरहान (छह), एम सदाकत (छह) और मोहम्मद रिजवान (चार) रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद गाजी गौरी और अब्दुल समद ने पारी को संभालने का प्रयास किया। दोनों बल्लेबाजों ने चौथे विकेट लिये 50 रन जोड़े। 14वें ओवर में नाहिद राणा ने गाजी गौरी (29) को बोल्ड कर इस साझेदारी को तोड़ा। अब्दुल समद (34), साद मसूद (38) और फहीम अशरफ (नौ) रन बनाकर आउट हुये। इसी दौरान आगा सलमान एक छोर थामे रन बनाते रहे। आगा सलमान ने कप्तान शाहीन शाह अफरीदी के

साथ आठवें विकेट के लिय 52 रन जोड़े। 48वें ओवर में तस्कीन अहमद ने आगा सलमान को आउट कर पाकिस्तान को आठवां झटका दिया। आगा सलमान ने 98 गेंदों में नो चौके और चार छक्के उड़ाते हुए 106 रनों की शतकीय पारी खेली। 49वें ओवर में मुस्तफिजुर रहमान ने हारिस रउफ (एक) को आउटकर बंगलादेश को नौवीं सफलता दिलाई। मैच की आखिरी गेंद पर शाहीन शाह अफरीदी (37) रन बनाकर आउट हुये। इसी के साथ बंगलादेश ने 11 रनों से मुकाबला जीत लिया।

बंगलादेश के लिए तस्कीन अहमद ने चार विकेट लिये। मुस्तफिजुर रहमान को तीन विकेट मिले। नाहिद राणा ने दो बल्लेबाजों को आउट किया। रिशाद हुसैन को एक विकेट मिला।

इससे पहले आज यहां पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी बंगलादेश के लिए सैफ हसन और तंजिद हसन की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 105 रन जोड़े। 19वें ओवर में शाहीन शाह अफरीदी ने सैफ हसन (36) को बोल्ड कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद नजमुल शान्तो ने तंजिद हसन के साथ दूसरे विकेट लिए 53 रन जोड़े। 30वें ओवर में हारिस राउफ ने नजमुल शान्तो (27) को आउट कर पवेलियन भेज दिया।

37वें ओवर में बंगलादेश का तीसरा विकेट तंजिद हसन के रूप में गिरा। हालांकि तब तक वह अपना शतक पूरा कर चुके थे। उन्हें अबरार अहमद ने आउट किया। तंजिद हसन ने 107 गेंदों में छह चौके और सात छक्के उड़ाते हुए 107 रनों की पारी खेली। लिटन कुमार दास (41) और रिशाद हुसैन (शून्य) पर आउट हुये। बंगलादेश ने निर्धारित 50 ओवरों में पांच विकेट पर 290 रनों का स्कोर बनाया। मो. तौहीद हृदोय ने 44 गेंदों में चार चौके लगाते हुए नाबाद 48 रनों की पारी खेली। अफिफ हुसैन ध्रुबो पांच रन बनाकर नाबाद रहे।

पाकिस्तान के लिए हारिस राउफ ने तीन विकेट लिये। शाहीन शाह अफरीदी और अबरार अहमद ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

अगर मनप्रीत मेरा रिकॉर्ड तोड़ देता है तो मुझे बहुत खुशी होगी : दिलीप टिर्की

कोलकाता । हॉकी इंडिया के अध्यक्ष और पूर्व भारतीय कप्तान दिलीप टिर्की ने कहा कि अगर मनप्रीत सिंह उनके 412 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने के रिकॉर्ड को तोड़ देते हैं तो उन्हें बहुत खुशी होगी । टिर्की ने रेवस्पोर्ट्ज़ ट्रेलब्लेज़र्स 4.0 के एक सत्र के दौरान कहा, 'अगर मनप्रीत मेरा रिकॉर्ड तोड़ता है तो मुझे बहुत खुशी होगी । रिकॉर्ड टूटने के लिए ही बनते हैं ।' मनप्रीत ने अभी तक 411 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं और उन्हें सबसे पहले 400 से अधिक मैच खेलने वाले टिर्की से आगे निकलने के लिए केवल दो मैच की जरूरत है । टिर्की ने कहा, 'मैं दुनिया का पहला खिलाड़ी था जिसने 400 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले और यह उपलब्धि हमेशा मेरे साथ रहेगी । मैं इस बात को अच्छी तरह से जानता हूं कि इसके लिए कितनी कड़ी मेहनत करनी पड़ती है । इसके लिए हमेशा फिट रहना और लगातार अच्छा प्रदर्शन करना होता है ।' उन्होंने कहा, 'अगर मनप्रीत इसी तरह से खेलते रहे और वह अपनी फिटनेस बनाए रखते हैं तो उनके पास मेरा रिकॉर्ड तोड़ने का अच्छा मौका है । मेरे हॉकी इंडिया के अध्यक्ष रहते हुए किसी भारतीय खिलाड़ी का यह रिकॉर्ड बनाना मेरे लिए खास होगा ।' इस अवसर पर मनप्रीत ने कहा कि यह साल भारतीय हॉकी टीम के लिए बेहद महत्वपूर्ण है और उसे अपने कमजोर क्षेत्रों पर काम करना होगा । उन्होंने कहा, 'मैं वापस शिविर में लौट आया हूं और कड़ी मेहनत कर रहा हूं । यह साल हमारे लिए बेहद महत्वपूर्ण है । शिविर में हमें यह पता करने का मौका मिला कि हमें किन क्षेत्र में सुधार की जरूरत है और हम सुधार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं ।'

आप सभी को 2036 ओलंपिक की अच्छे से तैयारी करनी चाहिए : जय शाह

नई दिल्ली । आईसीसी चेयरमैन जय शाह ने रविवार को संकेत दिए कि भारत 2036 में होने वाली ओलंपिक की मेजबानी करने वाला है । स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसजेएफआई) के राष्ट्रीय सम्मेलन में जय शाह ने कहा कि भारत को खेल जगत के इस सबसे बड़े इवेंट की मेजबानी के लिए अच्छी तैयारी करनी चाहिए । जय शाह ने कहा, 'आप सब जानते हैं कि जब मैं बीसीसीआई में था तो मैंने 2028 तक की तैयारी की थी । खुशकिस्मती से मुझे अच्छे नतीजे मिले । हालांकि, बीसीसीआई की टीम यहां बैठी है । आप सबको 2030 के कॉमनवेल्थ गेम्स की तैयारी करनी चाहिए । आप सभी को 2032 के ब्रिस्बेन ओलंपिक की तैयारी करनी चाहिए और आप सब जानते हैं कि 2036 का ओलंपिक कहां होने वाला है । आप सबको उसकी भी तैयारी करनी चाहिए ।' साल 2024 में बीसीसीआई सचिव से आईसीसी के प्रमुख बने जय शाह ने इस मौके का इस्तेमाल 2019 से 2026 तक भारतीय क्रिकेट के लिए एक बदलाव भरे दौर पर बात करने के लिए किया । उन्होंने कहा, '2019 से 2026 तक का समय बीसीसीआई और भारत के लिए बहुत अहम था । आज, मैं सबको बधाई देता हूं । हमने दो अंडर-19 महिला वर्ल्ड कप खिताब और दो अंडर-19 पुरुष वर्ल्ड कप जीते । हम वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में दो बार रनरअप रहे । हम पुरुष वनडे विश्व कप में रनरअप रहे, जबकि महिला वनडे वर्ल्ड कप को अपने नाम किया । हमने टी20 वर्ल्ड कप दो बार जीता और चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब भी अपने नाम किया । यही कारण है कि 2019 से 2026 तक का समय हम सबके लिए एक सुनहरा दौर था और आप सभी ने इसमें एक बड़ी भूमिका निभाई ।'

बुमराह ने शादी की सालगिरह पर पत्नी संजना को बधाई दी

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने शादी की सालगिरह पर अपनी पत्नी और स्पोर्ट्स प्रेजेंटर संजना गणेशन को बधाई दी पर संजना ने इसके बाद मजाकिया अंदाज में उन्हें ट्रॉल कर दिया । संजना और बुमराह की शादी की ये पांचवीं सालगिरह थी । साल 2021 में इनकी शादी हुई थी । सालगिरह पर संजना ने एक खास पोस्ट की। संजना ने उनकी छोटी सी कैप्शन पर मजाकिया अंदाज में जवाब देने के साथ ही दोनों की कुछ तस्वीरें भी साझा की हैं । इस पोस्ट में उन्होंने लिखा कि चाहे जिंदगी उन्हें कहीं भी ले जाए या दुनिया कितनी भी व्यस्त हो जाए, वे हमेशा एक-दूसरे के साथ हैं । उन्होंने बुमराह को अपना सबसे अच्छा दोस्त बताया और कहा कि उनकी साथ की कहानी उनकी सबसे पसंदीदा है । हाल मे हुए टी20 विश्वकप में बुमराह का प्रदर्शन शानदार रहा था । उन्होंने आठ मैचों में 14 विकेट लिए । अब वह आईपीएल में खेलते हुए दिखेंगे । आईपीएल टूर्नामेंट की शुरुआत 28 मार्च को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में मैच से होगी ।

वैभव सूर्यवंशी ने किया खुलासा, आईपीएल में क्रिस गेल के इस बड़े रिकॉर्ड को तोड़ना चाहते हैं

नई दिल्ली(एजेंसी)। 15 मार्च को दिल्ली में बीसीसीआई के वार्षिक अवॉर्ड समारोह में हर्षा भोगले से बात करने के दौरान वैभव सूर्यवंशी इस बात को लेकर निश्चित थे कि वह क्रिस गेल के 175 रन के उस रिकॉर्ड को तोड़ना चाहते हैं जो उन्होंने 2013 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खेलते हुए पुणे वॉरियर्स इंडिया के खिलाफ बनाया था। गेल ने 66 गेंदों पर 175 रनों की पारी खेली थी जो कि पुरुष टी20 में अभी तक का सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर है।

2018 में हरारे में जिम्बाब्वे के खिलाफ आरोन फिंच द्वारा बनाए गए 172 रन इस सूची में दूसरे स्थान पर है। सूर्यवंशी ने खुद भी 2025 के अंतिम दिनों में एशिया कप राइज़िंग स्टार्स टूर्नामेंट में यूएई के ख़िलाफ़ खेलते हुए इंडिया ए के लिए 144 का अपना सर्वश्रेष्ठ स्कोर बनाया थे। जो कि उनके द्वारा खेली गई अब तक 18 टी20 पारियों में तीसरा शतक था।

आईपीएल के इतिहास में उनके नाम दूसरा सबसे तेज शतक भी है, जो उन्होंने आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स (RR) के लिए खेलते हुए गुजरात टाइटंस (GT) के खिलाफ 35 गेंदों में जड़ा था। यह दूसरा सबसे तेज शतक है क्योंकि गेल ने अपनी 175 रनों की पारी में शतक मात्र 30 गेंदों पर जड़ दिया था। सूर्यवंशी अभी 15 वर्ष के भी नहीं हुए हैं लेकिन अपने अब तक के छोटे से करियर में ही उन्होंने एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है और वह IPL 2026 से पहले आरआर द्वारा रिटेन किए गए खिलाड़ियों में से भी एक थे।

अवॉर्ड समारोह के दौरान उन्होंने जियो हॉटस्टार से बात करते हुए कहा, 'IPL 2026 के लिए सबसे बड़ा लक्ष्य तो टीम के लिए ट्रॉफी जीतना है क्योंकि यह सबसे जरूरी चीज है। क्योंकि अगर टीम ट्रॉफी जीतती है तो इसका मतलब होगा कि मैंने अच्छा प्रदर्शन किया है और टीम को इसका फायदा मिलेगा। तो यही लक्ष्य है, अपनी टीम को जीत दिलाने में अपना योगदान देना और ट्रॉफी जीतना।'

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हल्के में ना लें छोटे बच्चों में सोशल एंग्जाइटी

बड़ा बच्चा इस तरह की समस्या से पीड़ित हो तो छोटा बच्चा भी उसे देखकर काफी कुछ सीख जाता है। वैसे एक अध्ययन में यह भी पाया गया कि छोटे बच्चे अपनी मां से भी सोशल एंग्जाइटी बिहेवियर सीख सकते हैं। मां द्वारा अनजाने में ही अशाब्दिक संकेत बच्चे को यह सिखा सकते हैं कि अजनबी या अपरिचित व्यक्ति चिंता का एक स्रोत हैं।

12 से 36 महीने तक की आयु सीमा के दौरान एक बच्चे का भावनात्मक और संज्ञानात्मक विकास होने लगता है, जिसके कारण उनके सोशल स्किल्स भी डेवलप होते हैं। यह वह वक्त होता है, जब बच्चा घर से बाहर निकलता है। डेकेयर से लेकर प्ले स्कूल आदि में जाने लगते हैं। ऐसे में वह घर के सदस्यों के अतिरिक्त दूसरे बच्चों व व्यस्क लोगों से मिलते हैं। कभी-कभी इस अवस्था में बच्चे सोशल फीयर्स भी जन्म लेने लगते हैं। हो सकता है कि वह दूसरों के साथ सामाजिक संपर्क होने पर सहज महसूस ना करें। शुरूआती दिनों में नई जगह पर सेट होने में बच्चे थोड़ा समय लगता है, लेकिन अपरिचित लोगों को उसे घबराहट या एंग्जाइटी होती है तो ऐसे में जल्द से जल्द बच्चे की मदद करनी चाहिए, अन्यथा आगे चलकर उसे इस सोशल एंग्जाइटी के कारण कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। तो चलिए जानते हैं कि टॉडलरहुड में सोशल एंग्जाइटी को किस तरह दूर किया जाए- बच्चे की मदद करने से पहले आपको उनमें होने वाली सोशल एंग्जाइटी के कारणों के बारे में भी जानना चाहिए। वैसे अभी तक यह पूरी तरह क्लीयर नहीं है कि इतनी छोटी उम्र के बच्चों में सोशल एंग्जाइटी का वास्तविक कारण क्या है। हालांकि इसके लिए अधिकतर मामलों में जेनेटिक्स को कारण माना जाता है, क्योंकि यह एक बच्चे के स्वभाव और व्यक्तित्व में योगदान देता है। इसके अलावा, एक बच्चे का वातावरण भी उन्हें सोशल एंग्जाइटी का शिकार बना सकता है। मसलन, अगर घर में पहले से ही कोई

यूं करें मदद

अब सवाल यह उठता है कि इतनी कम उम्र के बच्चों की आप किस तरह मदद कर सकती हैं ताकि उनकी सोशल एंग्जाइटी को कम किया जा सके।

- सबसे पहले तो पैरेंट्स घर में हेल्दी सोशल इन्टरैक्शन करें। इससे बच्चा देखता और सीखता है कि बाहरी दुनिया व अजनबी लोगों से बहुत अधिक डरने की आवश्यकता नहीं है।
- बच्चे को नए लोगों से घुलने-मिलने का मौका दें और उन्हें इसके लिए प्रोत्साहित करें। लेकिन कभी भी उसके साथ जबरदस्ती ना करें। इससे बच्चे पर विपरीत प्रभाव पड़ता है।
- अगर आपका बच्चा पहली बार बाहर जा रहा है तो ऐसे में पहले घर पर उसकी रिहर्सल करने से बच्चे के मन के डर को काफी हद तक कम किया जा सकता है। मसलन, अगर आप उन्हें डेकेयर या प्ले स्कूल ले जा रही हैं तो पहले घर पर रोल प्ले करें। इससे बच्चे को स्कूल के माहौल की काफी जानकारी पहले ही हो जाती है।
- बच्चे की सोशल एंग्जाइटी को कम करने के लिए पहले खुद को शांत रखें। इससे बच्चे को लगता है कि नई जगहों पर जाना या नए लोगों से मिलने-जुलने में कोई डर नहीं है।
- बच्चे को लेकर ओवर-प्रोटेक्टिव ना हों। इससे उनका आत्मविश्वास बूस्ट अप नहीं होता। जिसके कारण वह अपने मन के डर को दूर नहीं कर पाते।
- अगर किसी भी उपाय से आपको पर्याप्त रूप से लाभ ना हो तो ऐसे में आप प्रोफेशनल हेल्प भी ले सकते हैं।

रसोई में रखी खाने की ये चीजें नहीं होती कभी खराब, लंबे समय तक कर सकते हैं स्टोर

बाजार से खाने-पीने की चीजें खरीदकर घर लाते ही सबसे पहले लोग उसे खराब होने से बचाने के लिए स्टोर करने का सही तरीका खोजते और अपनाते हैं। खाने-पीने की चीजें अक्सर जल्दी खराब हो जाती हैं, यही वजह है कि लोग उसे जल्दी खाकर खत्म कर देते हैं। पर क्या आप जानते हैं आपकी किचन में मौजूद खाने पीने की कई ऐसी चीजें हैं, जिन्हें उनके पोषण तत्वों के साथ लंबे समय तक स्टोर किया जा सकता है। आइए जानते हैं किचन में मौजूद ऐसी ही कुछ खाने की चीजों के बारे में जिनकी नहीं होती कभी एक्सपायरी।

सफेद चावल

सफेद चावल को अनिश्चित काल तक स्टोर करके रखा जा सकता है। एक शोध की मानें तो सफेद चावल 30 वर्षों तक अपने पोषक तत्व और स्वाद को बनाए रख सकते हैं।

सरसों के दाने

अगर आप अच्छे ब्रांड के सरसों दाने इस्तेमाल करते हैं तो खुला रहने के बावजूद आप इन्हें एक वर्ष से अधिक समय तक भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

ड्राई बीन्स

अध्ययन के अनुसार, बीन्स का सेवन व्यक्ति 30 साल बाद भी खाने के लिए कर सकता है। बीन्स आपातकालीन भोजन के लिए प्रोटीन से भरपूर भोजन का एक बेहतर विकल्प माना गया है। बीन्स को अच्छी तरह से एयर टाइट कंटेनर में लंबे समय तक स्टोर किया जा सकता है।

चीनी

लंबे समय तक स्टोर की जाने वाली चीजों में चीनी का भी नाम शामिल है। चीनी भी लंबे समय तक अपने पोषण से भरपूर गुणों को खोए बिना स्टोर की जा सकती है। इसके लिए आप चीनी को किसी एयरटाइट कंटेनर में बंद करके लंबे समय तक के लिए रखें।

नमक

नमक को भी चीनी की ही तरह लंबे समय के लिए अपनी गुणवत्ता खोए बिना स्टोर किया जा सकता है। नमक को ठीक से स्टोर करने से न तो इसमें कभी गुलठियां पड़ती हैं और न ही कभी इसमें कीड़े लगते हैं।

बैचलर पार्टी के लिए खुद को इस तरह करें रेडी

फैशन एक्सपर्ट बताते हैं कि यह एक आसान तरीका है बैचलर पार्टी में खुद को तैयार करने का। इन दिनों बैचलर पार्टी में थीम पार्टी काफी चलन में हैं। मसलन, गर्ल्स की पजामा पार्टी आदि। ऐसे में पार्टी में शामिल होने वाली सभी लड़कियां नाइट सूट में नजर आ सकती हैं।

वो जमाने लद गए, जब केवल पुरूष ही शादी से पहले बैचलर पार्टी किया करते थे। आज के दौर में लड़कियां भी बैचलर पार्टी करना पसंद करती हैं। जिसमें वह अपनी फ्रेंड्स के साथ मिलकर आखिरी बार अपने बैचलर हुड को एन्जॉय करती हैं। वैसे शादी से पहले की जाने वाली यह बैचलर पार्टी लड़कियों के लिए बेहद खास होती है और इसलिए वह इसकी काफी सारी तैयारियां भी करती हैं। इन सभी तैयारियों के बीच एक तैयारी यह भी होती है कि बैचलर पार्टी के लिए खुद को किस तरह रेडी किया जाए। तो चलिए आज हम आपको बैचलर पार्टी के लिए खुद को स्टाइल करने के कुछ तरीकों के बारे में बता रहे हैं-

फैशन एक्सपर्ट बताते हैं कि यह एक आसान तरीका है बैचलर पार्टी में खुद को तैयार करने का। इन दिनों बैचलर पार्टी में थीम पार्टी काफी चलन में हैं। मसलन, गर्ल्स की पजामा पार्टी आदि। ऐसे में पार्टी में शामिल होने वाली सभी लड़कियां नाइट सूट में नजर आ सकती हैं। इसके अलावा, अगर आप चाहें तो कोई कलर कोड या डेस कोड को भी अपनी पार्टी का हिस्सा बना सकती हैं। इससे सिर्फ आपको ही रेडी होने में आसानी नहीं होगी, बल्कि हर गेस्ट खुद को आसानी से स्टाइल कर पाएगा। साथ ही इसमें आप सभी को काफी मजा भी आएगा।

कंफर्ट को दें प्राथमिकता

बैचलर पार्टी वास्तव में ढेर सारी मौज-मस्ती करने के लिए होती है। इसलिए ऐसे में आप चाहे जो भी पहनें, लेकिन आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि उसमें आप खुद को कंफर्टेबल महसूस कर पाएं ताकि आप खुलकर एन्जॉय कर सके। जरा सोचिए कि अगर आपने बैचलर पार्टी के लिए हैवी लॉन्ग गाउन कैरी किया तो फिर आप पार्टी में खेले जाने वाले गेम्स को किस तरह एन्जॉय करेंगी। इसलिए आपका आउटफिट लाइटवेट और कंफर्टेबल होना चाहिए। फैशन एक्सपर्ट के अनुसार, अपनी बैचलर पार्टी को रॉकिंग बनाने और उसमें अपने स्टाइल का जलवा बिखेरने के लिए आप अपने लुक में एक एक्स फैक्टर एड कर सकती हैं। अगर आपका कलर कोड या डेस कोड सेम नहीं है तो भी आप अपनी एसेसरीज को एक जैसा रखने की कोशिश करें। मसलन, आप किसी खास तरह के हेडबैंड या कैप्स आदि को अपने स्टाइल का हिस्सा बनाएं। इससे आप सभी फ्रेंड्स अलग-अलग दिखकर भी एक जैसी ही नजर आएंगी। यह देखने में काफी कूल लगेगा।

गर्मियों में इन्वर्टर का ऐसे रखें ख्याल

गर्मी के मौसम में जब आधी रात को अचानक से बिजली गुल हो जाए और इन्वर्टर भी खराब हो तो मानों कोई बहुत बड़ी विपदा आन पड़ी हो। ऐसी मुसीबत से लगभग हर कोई बचना चाहेगा। गर्मियों के मौसम में जगह-जगह घंटों तक बिजली का गुल होना आजकल आम बात है। कुछ शहरों में तो पूरे दिन बिजली का अता-पता नहीं रहता। ऐसे समय में लगभग सभी घर में इन्वर्टर का महत्व बहुत अधिक हो जाता है। लेकिन, कई बार इन्वर्टर और बैटरी खराब होने की वजह से गर्मी के मौसम में जान निकल जाती है। ऐसे में गर्मियों के मौसम में इन्वर्टर की बैटरी का ध्यान रखना बहुत जरूरी हो जाता है। अगर आप भी घर में इन्वर्टर का इस्तेमाल करती हैं तो आपको भी इस आर्टिकल को जरूर पढ़ना चाहिए। क्योंकि, इस लेख में हम आपको कुछ शानदार टिप्स बताने जा रहे हैं जिन्हें फॉलो करके गर्मियों के मौसम में इन्वर्टर की बैटरी को जल्दी खराब होने से आप बचा सकती हैं।

अधिक लोड न दें

अगर आपको इन्वर्टर और बैटरी को जल्दी खराब होने से बचाना है तो फिर आपको बैटरी पर अधिक लोड देने से बचना चाहिए। गर्मियों के मौसम में जरूरत से अधिक लाइट्स जलाने या पंखा चलाने से बचें। कई बार घर में लाइट नहीं होने पर महिलाएं इन्वर्टर से ही मिक्सी चलाने लगती हैं या फिर कई बार आयरन भी इन्वर्टर से ही करती हैं जिससे बैटरी जल्दी खराब हो जाती है। ऐसे में अगर आपको इन्वर्टर की बैटरी की हेल्थ को सही रखनी है तो उस पर अधिक लोड न दें। दिन में आप सभी लाइट्स को ऑफ कर सकती हैं।

एसिड लेवल चेक करते रहें

गर्मियों के मौसम में इन्वर्टर की बैटरी जल्दी खराब न हो इसके लिए समय-समय पर एसिड लेवल चेक करते रहना बहुत जरूरी है। कहा जाता है कि अगर बैटरी में एसिड लेवल सामन्य स्तर से कम है तो बैटरी में मौजूद कार्बन प्लेस्ट पर बुरा असर पड़ता है जिसकी वजह से बैटरी जल्दी खराब हो सकती है। (सोलर इन्वर्टर की देखभाल) ऐसे में समय-समय पर बैटरी में डिस्टिल्ड वाटर को डालते रहना चाहिए, जिससे बैटरी की लॉन्ग लाइफ बरकरार रहे।

फुल चार्ज होने के बाद करें इस्तेमाल

लाइट नहीं होने पर इन्वर्टर का इस्तेमाल करते हैं और जब बैटरी एकदम से बैठ जाती है तो उसे फुल चार्ज होने में लगभग 5-6 घंटा लगता है। अगर फुल चार्ज होने से पहले ही इन्वर्टर की बैटरी का इस्तेमाल करते हैं तो बैटरी जल्दी खराब हो सकती है। कई बार फुल चार्ज नहीं होने पर वोल्टेज का प्रभाव भी कम रहता है। कई बार लाइट्स भी अप एंड डाउन होने लगती हैं। ऐसे में एक बार बैटरी बैठने के बाद जब तक फुल चार्ज नहीं हो जाए तब तक इन्वर्टर का इस्तेमाल न करें।

कनेक्शन पॉइंट की करें सफाई

आपको बता दें कि बैटरी में जिस जगह लाइट की तार जुड़ी होती है उस जगह कई बार कार्बन पकड़ लेता है जिससे बिजली का प्रभाव बहुत कम हो जाता है। ऐसे में सबसे पहले स्विच ऑफ करके कनेक्शन पॉइंट की सफाई कर लें। इस प्रक्रिया को महीने में एक से दो बार जरूर करें। इससे बैटरी जल्दी खराब होने से बच सकती है। कई लोग कनेक्शन पॉइंट को टर्मिनल पॉइंट भी बोलते हैं।

इन बातों का भी रखें ध्यान

- इन्वर्टर की बैटरी को किसी नमी वाली जगह रखने से बचें।
- बैटरी को दीवार, दरवाजा आदि चीजों से एक से दो इंच दूर ही रखें।
- अगर आपको सफाई करने या फिर एसिड बदलने में डर लगता है तो आप किसी एक्सपर्ट की मदद ले सकती हैं।
- बैटरी को किसी भी चीज से ढककर न रखें।

कुछ हल्का खाने का मन हो तो बनाएं कॉर्न पुलाव

कॉर्न पुलाव बनाना बेहद ही आसान है। इसके लिए आप पहले एक कुकर लें और उसमें एक बड़ा चम्मच तेल डालकर गर्म करें। अब इसमें लौंग, काली मिर्च, दालचीनी, हरी इलायची डालकर एक मिनट के लिए चलाएं। अब इसमें अदरक-लहसुन का पेस्ट डालकर हल्का भूनें।

रविवार का दिन हो तो कुछ हल्का और टेस्टी खाने का मन करता ही है। दरअसल, छुट्टी के दिन हम सभी रिलैक्सिंग मूड में होते हैं और इसलिए किचन में बहुत अधिक वक्त बिताने का मन नहीं करता। हो सकता है कि आप भी यही सोच रही हों कि इस संडे क्या बनाया जाए। अगर आप भी कुछ हल्का और डिलिशियस खाना चाहती हैं तो कॉर्न पुलाव तैयार कर सकती हैं। चावल की मदद से बनने वाली यह डिश बनाने में जितनी आसान होती है, खाने में उतनी ही लाजवाब होती है। तो चलिए जानते हैं कि कॉर्न पुलाव बनाने के लिए आपको क्या करना होगा-

सामग्री- तीन चौथाई कप मकई के दाने उबले हुए, डेढ़ कप चावल करीबन आधे घंटे तक भिगोए हुए, 1 बड़ा चम्मच तेल, काली मिर्च 5-6, लौंग 4-5, दालचीनी एक छोटा टुकड़ा, हरी इलायची 3-4, 1 बड़ा चम्मच अदरक-लहसुन का पेस्ट, प्याज 1 मध्यम कटा हुआ, नमक स्वाद अनुसार, हल्दी पाउडर, हरी मिर्च तिरछी कटी हुई

विधि- कॉर्न पुलाव बनाना बेहद ही आसान है। इसके लिए आप पहले एक कुकर लें और उसमें एक बड़ा चम्मच तेल डालकर गर्म करें। अब इसमें लौंग, काली मिर्च, दालचीनी, हरी इलायची डालकर एक मिनट के लिए चलाएं। अब इसमें अदरक-लहसुन का पेस्ट डालकर हल्का भूनें। अब इसमें प्याज, हरी मिर्च व हल्दी डालकर चलाएं। प्याज गोल्डन कलर के हो जाने के बाद इसमें चावल डालें और करीबन दो मिनट के लिए हिलाएं। अब इसमें पानी और कॉर्न डालें। साथ ही स्वादानुसार नमक डालकर मिक्स करें। लिड लगाकर कुकर का ढक्कन बंद कर दें। धीमी आंच पर दो सीटी आने तक इसे पकाएं। कॉर्न पुलाव बनाने वालों का कहना है कि इसे कई तरीकों से बनाया जा सकता है। मसलन, आप इसमें कॉर्न के अलावा अपनी पसंद की सब्जी जैसे मटर, टमाटर, शिमलामिर्च, पनीर आदि को भी मिक्स करके इस कॉर्न पुलाव को और भी ज्यादा हेल्दी और टेस्टी बना सकते हैं। वैसे सिर्फ कॉर्न व प्याज के साथ भी इसका टेस्ट गजब का आता है।

शुभ है वास्तु के अनुसार बोनसाई रखना

समय के साथ लाइफस्टाइल में भी काफी बदलाव आ रहे हैं। कई लोग नेचर में सुकून ढूंढते हैं इसके लिए लोग घरों में पेड़ पौधें लगाने लगे हैं। इन दिनों बोनसाई के पेड़ काफी ट्रेंडिंग में चल रहे हैं। लोग इस छोटे से पेड़ को अपने घर में रखना पसंद कर रहे हैं। कोई अपने शौक के लिए इसे रख रहा है तो कोई प्रकृति प्रेमी होनी की वजह से। लेकिन वास्तु के अनुसार इस पेड़ को रखना शुभ माना गया है। तो आइए जानते हैं कारण -

- कहते हैं अगर आपको बहुत गुस्सा आता है या आप फ्रस्टेट हो जाते हैं तो इससे आपको बहुत शांति मिलती है। जी हां, इसे घर में रखने से आपका मन शांत रहेगा और आपको प्रोडक्टिव रहने में भी मदद करेगा।
- बोनसाई के पौधे घर की हवा को प्यूरीफाई करते हैं। यह घर की हवा में मौजूद टॉक्सिन को बाहर करते हैं। इससे सांस लेने में आसानी होती है और हवा को शुद्ध करता है।
- इस पेड़ को घर में रखने से आपका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा। कई बीमारियों से आपको दूर रखता है। इतना ही नहीं यह आपके अंदर सकारात्मकता बढ़ाता है।
- कई बार लोग हड़बड़ी में कोई काम करके या निर्णय लेकर पछताते हैं। ऐसे में बोनसाई पेड़ आपकी मदद करेगा।ह आपको धैर्यवान, तनाव मुक्त रखेगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

6 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। मौसम विभाग ने देश के उत्तर, पूर्वोत्तर, दक्षिण के 25 राज्यों में आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है। हालांकि उत्तराखंड, यूपी, बिहार, झारखंड, बंगाल और ओडिशा में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। इन राज्यों में 40-50 किमी की रफ्तार से हवा चल सकती है। साथ ही ओले भी गिर सकते हैं। हिमाचल प्रदेश के लाहौल स्पीति में बर्फ देखने गए टूरिस्ट पूरी रात अटल टनल रोहतांग में फंसे रहे। बर्फबारी के कारण सड़क पर फिसलन बढ़ने से ट्रैफिक रोक दिया गया था। टनल में करीब हजार गाडियां थीं। इधर, सिक्किम के कई इलाकों में देर शाम तूफान के साथ मूसलाधार बारिश हुई। कई जगहों पर बड़े-बड़े पेड़ और बिजली पोल तक गिर गए। रकडोंग काफर इलाके में पेड़ गिरने से एक महिला की मौत हो गई। ओडिशा के मयूरभंज जिले में भी एक बवंडर ने भारी तबाही मचाई। इसमें दो लोगों की मौत हो गई, जबकि 25 से ज्यादा लोग घायल हो गए। तेज तूफान के कारण 70 से ज्यादा घरों को नुकसान पहुंचा है।

डिजिटल अरेस्ट मामलों की सुनवाई अगले सप्ताह

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में बढ़ते डिजिटल अरेस्ट के मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने स्वत- संज्ञान लिया है। इस मसले पर सुप्रीम कोर्ट एक हफ्ते बाद सुनवाई करेगा। सीजेआई सूर्यकांत की बेंच से अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणि ने कहा कि इस मामले में हमने एक स्टेटस रिपोर्ट फाइल की है, जिसे कोर्ट पढ़ ले, इसके बाद मामले पर आगे की सुनवाई करें। पिछली सुनवाई में कोर्ट ने देश भर में डिजिटल अरेस्ट के मामलों में जांच का ज़िम्मा सीबीआई को सौंपा था। साथ ही केंद्रीय गृह मंत्रालय ने भी कोर्ट को बताया था कि डिजिटल अरेस्ट के मामलों से निपटने के लिए एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया है। गृह मंत्रालय के विशेष सचिव (आंतरिक सुरक्षा) इस समिति के अध्यक्ष हैं। इसके पहले 9 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट ने डिजिटल अरेस्ट मामले में सुनवाई के दौरान कहा था कि ऐसे घोटालों में बैंक अधिकारी भी आरोपियों के साथ मिले हुए पाए गए हैं। खासकर वरिष्ठ नागरिक इसकी चपेट में आ रहे हैं। एक रिटायर्ड दंपति का उदाहरण देते हुए कोर्ट ने बताया कि उनकी पूरी जिंदगी की जमा-पूंजी ठगों ने छीन ली। अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणि ने केंद्र सरकार की ओर से स्टेटस रिपोर्ट पेश कर बताया था कि डिजिटल अरेस्ट से निपटने के लिए अब काफी व्यापक एसओपी (स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर) तैयार की गई है। कोर्ट ने इसे प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए जरूरी निर्देश जारी करने की बात कही थी।

मुरादाबाद में बड़ा सड़क हादसा- ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकराई कार, चार की मौत

मुरादाबा (एजेंसी)। लखनऊ दिल्ली नेशनल हाईवे पर रामपुर की तरफ से आ रही कार ट्रैक्टर ट्रॉली में घुस गई। हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। इसमें एक युवक की पहचान हुई है, जो नैनीताल का रहने वाला है। सोमवार सुबह मनकरा मोड़ के पास रामपुर की ओर से आ रही तेज रफ्तार कार आगे चल रही ईंटों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली में जा घुसी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद कार में फंसे लोगों को बाहर निकाला। सभी घायलों को तुरंत सीएचसी ले जाया गया, जहां डाक्टरों ने कार सवार पांच युवकों में से चार को मृत घोषित किया। जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल है, जिसे जिला अस्पताल रेफर किया है। मृतकों में से एक की पहचान दयाल सिंह निवासी अपर माल रोड, बीमिला कंपाउंड पालिवाल नैनीताल के रूप में हुई है। वहीं घायल युवक यशदीप निवासी हल्द्वानी उत्तराखंड है।

अवैध रूप से चल रहे रिफिलिंग सेंटरों पर पुलिस ने की कार्रवाई, दो पर मामला दर्ज

नई दिल्ली (एजेंसी)। एलपीजी सिलिंडर की किल्लत जारी है। धड़ल्ले से कालाबाजारी भी हो रही है। दिल्ली पुलिस ने रिहायशी इलाकों में अवैध रूप से चल रहे रिफिलिंग सेंटरों पर कार्रवाई की है। पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पहला मामला गांधी नगर का है। पुलिस ने बताया कि बीट कांस्टेबल गश्त कर रहा था। तभी उसकी नजर एक व्यक्ति पर पड़ी जो बड़े सिलिंडर से छोटे सिलिंडर में गैस भर रहा था। उसकी दुकान में कई सिलिंडर रखे थे। जब उससे रिफिलिंग सेंटर चलाने के कागजात मांगे तो वह सकपका गया। पुलिस ने उसके खिलाफ मामला दर्ज कर लिया। वहीं दूसरा मामला न्यू उस्मानपुर थाना क्षेत्र के करतार नगर में सामने आया। यहां भी एक व्यक्ति रिफिलिंग सेंटर चला रहा था। पुलिस ने सिलिंडर जमा करने के साथ ही मामला दर्ज कर लिया। दोनों ही मामलों में पुलिस पूछताछ कर रही है और लोगों को आसानी से एलपीजी मिल सके इसके पूरे प्रयास प्रशासन कर रहा है।

जेल में चींटियों ने याद दिलाया संघर्ष, सोनम वांगचुक ने शुरू की किताब 'फॉरएवर पॉजिटिव'

जोधपुर (एजेंसी)। लद्दाख के प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने जोधपुर सेंट्रल जेल में बिताए अपने 169 दिनों के अनुभवों को शब्दों में पिरोना शुरू कर दिया है। वे 27 सितंबर 2025 से 14 मार्च 2026 तक जेल में रहे। इस दौरान उन्होंने एक नई किताब लिखना शुरू की, जिसका संभावित शीर्षक फॉरएवर पॉजेटिव बताया जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे अंग्मों ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि जेल में बिताए गए अनुभवों ने उन्हें गहराई से प्रभावित किया और वहीं से पुस्तक लिखने का विचार आया। यह किताब उनके संघर्ष, विचारों और जेल के अनुभवों पर आधारित होगी। जेल में वांगचुक को एकांत कारावास में रखा गया था। इस दौरान उनसे न तो अन्य कैदी मिल सकते थे और न ही जेल का सामान्य स्टाफ उनसे बातचीत कर सकता था। अकेलेपन के उस समय में उन्होंने पढ़ने और लिखने को अपना साथी बना लिया। एकांत में बिताए समय के दौरान एक दिलचस्प बात यह रही कि उनकी बैरक में मौजूद चींटियां उन्हें लगातार प्रेरित करती रहीं। वांगचुक अक्सर इन छोटी-छोटी चींटियों को देखते और सोचते थे कि कैसे वे मिलकर बड़े-बड़े काम कर लेती हैं। यह दृश्य उन्हें लद्दाख में चल रहे पर्यावरण और सामाजिक संघर्षों की याद दिलाता था। जेल में रहते हुए वे फर्श पर कंबल बिछाकर सोते थे और सादगीपूर्ण दिनचर्या का पालन करते थे। कठिन परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने सकारात्मक सोच बनाए रखी और उसी भावना के साथ अपनी किताब लिखना शुरू किया। इस दौरान उनकी पत्नी गीतांजलि समय-समय पर उनसे मिलने जेल जाती थीं। मुलाकात के बाद वह वांगचुक के अनुभव और विचार सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों तक पहुंचाती थीं।

डरने की जरूरत नहीं, साथ आइए हम मिलकर इस सरकार को उखाड़ फेंकेंगे

बीजेपी को छोड़ चंद्रशेखर आजाद किसी भी दल से गठबंधन करने को तैयार

बाराबंकी(एजेंसी)। नगीना से सांसद और आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद ने बीजेपी को छोड़कर किसी भी अन्य पार्टी के साथ गठबंधन करने की बात कही है। बाराबंकी पहुंचे चंद्रशेखर ने 2027 के यूपी विधानसभा चुनाव में विपक्षी दलों को एकजुट होकर सत्तारूढ़ बीजेपी को चुनौती देने की अपील की है। उन्होंने ने यह बात कांशीराम जयंती के अवसर पर आयोजित एक विशाल जनसभा में कही। चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि बीजेपी से वैचारिक मतभेद के कारण उनके साथ कोई गठबंधन संभव नहीं है, लेकिन बाकी सभी दलों के साथ दरवाजे खुले हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि बीजेपी से डरने की कोई जरूरत नहीं है। बस हमारे साथ आ जाइए, हम मिलकर इस सरकार को उखाड़ फेंकेंगे। उन्होंने विपक्षी एकता पर बल देते हुए कहा कि सामूहिक प्रयास से वर्तमान सत्ता को हटाया जा सकता है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सभा में उन्होंने कानून-व्यवस्था पर तीखा हमला बोला। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ के ÷हर कोने में यमराज÷ वाले बयान का जिक्र करते हुए चंद्रशेखर ने कहा कि बीजेपी से जुड़े अपराधी यमराज को भी छुट्टी पर भेज देते हैं। संभल, जौनपुर समेत कई घटनाओं का हवाला देते हुए उन्होंने सरकार पर नाकामी का आरोप लगाया। अपने वाहन पर पथराव और धमकियों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि वे नहीं डरते, क्योंकि उनका नाम चंद्रशेखर है और बाबासाहेब के संविधान की ताकत उनके साथ है।

रिपोर्ट के मुताबिक चंद्रशेखर आजाद ने कांशीराम के संघर्षों को याद करते हुए बहुजन समाज को सत्ता हासिल करने का आह्वान किया। उन्होंने अपनी पार्टी की नगीना लोकसभा सीट पर स्वतंत्र जीत का हवाला देते हुए कहा कि यह दलित और पिछड़े वर्गों में जागृति का प्रमाण है और 2027 में यह पार्टी किंगमेकर की भूमिका निभा सकती है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भीम आर्मी कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद थे। भीड़ को संभालने के लिए भारी पुलिस बल तैनात था।

दुबई में सुरक्षा संकट- दुबई के लिए उड़ा विमान वापस कोच्चि लौटा

नई दिल्ली (एजेंसी) दुबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर सुरक्षा घटना के चलते हवाई यात्रा में बड़ी बाधा आई है। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि एयरपोर्ट के ईंधन टैंक में एक संदिग्ध ड्रोन हमले के कारण आग लग गई, इसके बाद एमिरेट्स एयरलाइन ने सभी उड़ानों को अस्थायी रूप से निलंबित किया। एयरलाइन ने यात्रियों से अपील की है कि फिलहाल एयरपोर्ट न जाएं। एमिरेट्स ने पोस्ट पर चेतावनी जारी कर कहा कि दुबई आने-जाने वाली सभी उड़ानें रोक दी गई हैं। एयरलाइन ने स्पष्ट किया कि यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। अधिकारियों ने बताया कि ड्रोन के टकराने से आग लगने के कारण एयरपोर्ट पर हवाई यातायात तुरंत बंद कर दिया गया। यह घटना मध्य-पूर्व में पहले से बढ़ते तनाव के समय हुई है, जिससे क्षेत्रीय विमानन प्रभावित हो रहा है। इस संकट का असर भारत से दुबई जाने वाली उड़ानों पर भी पड़ा। उड़ान संख्या कोच्चि से 325 यात्रियों के साथ सुबह 4:30 बजे रवाना हुई थी, लेकिन सुरक्षा कारणों से बीच रास्ते में वापस कोच्चि लौटने का निर्देश दिया गया। विमान सुबह 8:30 बजे सुरक्षित रूप से कोच्चि एयरपोर्ट पर उतरा। यात्रियों को विमान में ही बने रहने की सलाह दी गई ताकि स्थिति स्पष्ट होने पर उड़ान को फिर से शुरू किया जा सके। दुबई के अधिकारियों ने आग लगने की पुष्टि करते हुए बताया कि हवाई यातायात तत्काल बंद करना पड़ा। कोचीन इंटरनेशनल एयरपोर्ट के प्रवक्ता ने कहा कि अधिकारी स्थिति का आकलन कर रहे हैं और सुरक्षा समीक्षा के बाद ही आगे की कार्रवाई तय होगी। इस बीच, एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस ने मध्य-पूर्व के लिए कुल 48 उड़ानें संचालित करने की योजना बनाई है। एयरलाइंस जेद्दा और मस्कट के लिए नियमित सेवाएं चलाएंगी, जिसमें दिल्ली और मुंबई से एक-एक वापसी सेवा और बेंगलुरु, कोझिकोड और मैंगलोर से एक-एक उड़ान शामिल है।

जज बदलने की हाईकोर्ट में याचिका खारिज, अब केजरीवाल ने खटखटाया सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल और आप नेता मनीष सिसोदिया ने दिल्ली हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश द्वारा सीबीआई के उत्पाद शुल्क नीति मामले की याचिका को न्यायमूर्ति स्वर्ण कांत शर्मा की पीठ से किसी अन्य न्यायाधीश को स्थानांतरित करने से इनकार करने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। दोनों ने 11 मार्च को मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय को दिए गए एक आवेदन के बाद निष्पक्षता को लेकर गंभीर आशंका व्यक्त की, जिसे मुख्य न्यायाधीश ने खारिज कर दिया और कहा कि मामला न्यायालय के कार्यसूची के अनुरूप है और पुनर्नियुक्ति के लिए कोई प्रशासनिक आधार नहीं है। सीबीआई की याचिका, जो सोमवार को न्यायमूर्ति शर्मा के समक्ष सूचीबद्ध है, शराब लाइसेंसधारियों को तरजीह देने से जुड़े घोटाले में केजरीवाल, सिसोदिया और 21 अन्य को निचली अदालत द्वारा 27 फरवरी को बरी किए जाने को चुनौती देती है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 2021 की दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति, जिसे अब रद्द कर दिया गया है, का उद्देश्य राजस्व वृद्धि के लिए शराब की बिक्री का निजीकरण करना था, लेकिन अनियमितताओं, रिश्वतखोरी और सरकारी खजाने को हुए नुकसान के आरोपों का सामना करना पड़ा, जिसके चलते उपराज्यपाल के आदेश पर सीबीआई और ईडी ने जांच की। निचली अदालत ने सीबीआई के कुछ निष्कर्षों की आलोचना करते हुए आरोपियों को बरी कर दिया, लेकिन न्यायमूर्ति शर्मा ने 9 मार्च को सभी 23 प्रतिवादियों को नोटिस जारी किया, सीबीआई जांचकर्ता के खिलाफ विभागीय कार्रवाई पर रोक लगा दी, निचली अदालत की टिप्पणियों में प्रथम दृष्ट्या त्रुटियों को उजागर किया और संबंधित पीएमएलए कार्यवाही को स्थगित कर दिया। इन कदमों ने आम आदमी पार्टी के पक्षपात के दावों को और बल दिया।

आम आदमी पार्टी ने उच्च न्यायालय के पत्र की प्राप्ति की पुष्टि की, और केजरीवाल ने एसके शर्मा द्वारा 9 मार्च को निचली अदालत की टिप्पणियों पर बिना उनकी बात सुने रोक लगाने के आदेश का भी विरोध किया। सुप्रीम कोर्ट की याचिका में मामले की स्पष्ट रूप से निष्पक्ष सुनवाई के लिए संभावित रूप से मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष तत्काल सूचीबद्ध करने की मांग की है। इस घटनाक्रम ने न्यायमूर्ति शर्मा की सुनवाई से पहले तनाव बढ़ा दिया है, जो भ्रष्टाचार के इस हाई-प्रोफाइल मामले के बीच न्यायिक नियुक्तियों पर सवाल उठाने की आप की रणनीति को रेखांकित करता है।

बीजेपी का विजय को ऑफर हु अगर टीवीके-बीजेपी में बनी सहमति तो राज्य में बदल सकते हैं चुनावी समीकरण

नई दिल्ली (एजेंसी)। चेन्नई,(ईएमएस)। तमिलनाडु विधानसभा चुनावों से दिलचस्प मुकाबला देखने को मिल सकता है। बीजेपी और तमिलगा वेट्री कज़गम (टीवीके) मिलकर चुनाव लड़ सकती है। दोनों दलों बीच बातचीत जारी है। बीजेपी सूत्रों के मुताबिक गठबंधन के चुनाव जीतने की स्थिति में पार्टी ने अभिनेता विजय को डिप्टी सीएम बनाने का आफर दिया है। प्रस्तावित सीट बंटवारे के तहत, बीजेपी ने टीवीके को 80 सीटें देने की भी पेशकश की है। अगर बात बनती है, तो राज्य में चुनावी समीकरण बदल सकते हैं, जहां वोट शेयर में मामूली बदलाव भी अक्सर कड़े मुकाबले वाले निर्वाचन क्षेत्रों का नतीजा तय करते हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक विजय अभी भी सीएम पद पर नजर रखे हुए हैं, जो बातचीत का अहम मुद्दा है। बीजेपी विजय और उनकी पार्टी को एनडीए के बैनर तले लाने के लिए कोशिश कर रही है। भगवा पार्टी विजय से संपर्क साधने के लिए कई माध्यमों का इस्तेमाल कर रही है, जिनकी पार्टी तमिलगा वेट्री कज़गम ने सक्रिय राजनीति में आने के बाद से ही तेजी से सुर्खियां बटोरी हैं। बीजेपी और टीवीके के बीच जो गठबंधन की बात करवा रहे हैं, वह किसी अन्य राज्य के उपमुख्यमंत्री बताए जा रहे हैं। उनके बारे में माना जाता है कि वे इस संपर्क प्रयास में मध्यस्थ की भूमिका निभा रहे हैं। बीजेपी की विजय में दिलचस्पी मुख्य रूप से तमिलनाडु में अभिनेता के प्रशंसक वर्ग से प्रेरित है। पार्टी रणनीतिकारों का मानना है कि इस समर्थन का एक छोटा सा हिस्सा भी चुनावी नतीजों को काफी हद तक प्रभावित कर सकता है।

सूत्रों के मुताबिक बीजेपी नेताओं का मानना है कि राज्य के कई निर्वाचन क्षेत्रों में सिर्फ दो फीसदी वोट भी जीत की दिशा बदल सकते हैं। तमिलनाडु के चुनावी इतिहास में अक्सर जीत का अंतर बहुत कम रहा है, इसलिए वोटों में मामूली बदलाव भी राजनीतिक दृष्टि से अहम हो जाता है। इधर टीवीके अध्यक्ष विजय दिल्ली पहुंचे। हालांकि बीजेपी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के अन्नामलाई ने कहा कि एनडीए को तमिलनाडु में जीतने के लिए किसी भी पार्टी की जरूरत नहीं है। एनडीए मजबूत है और गठबंधन में किसी भी पार्टी की अपेक्षा नहीं करता है। 17 मार्च का विरोध प्रदर्शन इस बात का सबूत है कि हम मजबूत और एकजुट हैं। पीएम मोदी तीन बार आ चुके हैं और चुनाव तिथियों की घोषणा के बाद दो या तीन बार और आएंगे। हम अपने रास्ते पर चल रहे हैं।

टीवीके के उप महासचिव सी टी आर निर्मल कुमार ने टीवीके पदाधिकारियों से अफवाहों पर विश्वास न करने और पार्टी की आधिकारिक घोषणा का इंतजार करने को कहा है। उन्होंने कहा कि ये अटकलें जनता का ध्यान मुद्दों से भटकाने के इरादे से फैलाई जा रही हैं और इसके लिए उन्होंने मीडिया और सोशल मीडिया के एक वर्ग को जिम्मेदार ठहराया।

अनंत सिंह का ऐलान अब नहीं लड़ूंगा चुनाव... नीतिश के राज्यसभा जाने पर

पटना (एजेंसी)। बिहार में राज्यसभा चुनाव के दौरान सोमवार को बाहुबली नेता अनंत सिंह वोट डालने के लिए पहुंचे। मतदान करने के बाद अनंत सिंह फिर से जेल लौट गए। इस दौरान उन्होंने कई अहम बयान दिए। अनंत सिंह ने ऐलान किया कि अब वे आगे कोई चुनाव नहीं लड़ने वाले है। उन्होंने कहा कि अब उनके बच्चे ही राजनीति में आगे बढ़ने और चुनाव लड़ने वाले है। बताया जा रहा है कि नीतीश के राज्यसभा जाने की चर्चा के बाद ही बाहुबली नेता सिंह ने यह फैसला लिया है। फिलहाल उनके बयान से बिहार की राजनीति में नई चर्चा शुरू हुई है। अनंत सिंह ने दावा किया कि एनडीए के सभी पांचों उम्मीदवार चुनाव जीतने वाले है। उन्होंने कहा कि गठबंधन मजबूत है और सभी प्रत्याशियों की जीत तय है। नीतिश के राज्यसभा जाने के बाद अब बिहार में मुख्यमंत्री पद को लेकर भी बाहुबली सिंह ने बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि निशांत कुमार में मुख्यमंत्री बनने के सभी गुण मौजूद हैं। हालांकि बिहार का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा, यह फैसला बड़े नेता करने वाले है। बता दें कि पिछले साल बिहार विधानसभा चुनाव अनंत को धमाकेदार जीत मिली थी। उन्होंने मोकामा सीट से 28,206 वोटों के अंतर से जीत हासिल की थी। अनंत सिंह ने आरजेडी की उम्मीदवार वीणा देवी को हराया था। अनंत को 91,416 वोट मिले, जबकि वीणा देवी को 63,210 वोट मिले। जेल में रहने के बावजूद अनंत सिंह ने ये चुनाव जीता था। 3 फरवरी 2026 को उन्हें जेल से पुलिस की गाड़ी में बिहार विधानसभा लाया गया। जहां उन्होंने विधायक पद की शपथ ली। शपथ लेने के बाद उन्हें फिर से जेल वापस ले जाया गया।

गाजियाबाद में गद्दारों का जाल, मात्र 8 हजार में बेच देते हैं देश के महत्वपूर्ण राज

अहमदाबाद (एजेंसी)। गाजियाबाद(ईएमएस)। कौशांबी थाना पुलिस ने देश की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वाले एक बड़े जासूसी नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए छह संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों पर पाकिस्तान के लिए जासूसी करने और भारतीय सैन्य प्रतिष्ठानों की संवेदनशील जानकारी साझा करने का गंभीर आरोप है। जांच में यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि ये संदिग्ध न केवल पाकिस्तान, बल्कि यूनाइटेड किंगडम (यूके) और मलेशिया के मोबाइल नंबरों पर भी सैन्य ठिकानों के वीडियो और सटीक लोकेशन भेज रहे थे। इस गिरोह ने दिल्ली के दो अति-संवेदनशील स्थानों पर सौर ऊर्जा से चलने वाले हाई-टेक कैमरे लगा रखे थे, ताकि वहां की गतिविधियों पर सीधी नजर रखी जा सके। पुलिस ने इनमें से एक कैमरा बरामद कर लिया है, जिसके जरिए विदेशी आकाओं को सीधा एक्सेस दिया गया था।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान सुहेल मलिक उर्फ रोमियो, साने इरम उर्फ महक, प्रवीन, राज वाल्मीकि, शिवा वाल्मीकि और रितिक गंगवार के रूप में हुई है। इनके पास से जब्त किए गए मोबाइल फोनों में दिल्ली स्थित सेना, बीएसएफ और सीआरपीएफ के कार्यालयों समेत कई महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों के 50 से अधिक वीडियो मिले हैं। पूछताछ में सामने आया है कि इस गिरोह का मुख्य संचालक पाकिस्तान में बैठा है, जिसे ये सरदार नाम से संबोधित करते थे। यह सरदार ही इन्हें विशिष्ट स्थानों के नाम बताकर वहां के वीडियो और डिजिटल लोकेशन मंगवाता था। प्रत्येक महत्वपूर्ण वीडियो के बदले आरोपियों को लगभग 8 हजार रुपये का भुगतान किया जाता था। साने इरम इस गिरोह में नए सदस्यों को जोड़ने का काम करती थी, जबकि सुहेल मलिक पैसों के लेनदेन का प्रबंधन करता था। गिरफ्तारी से बचने के लिए सुहेल अपने निजी बैंक खाते या यूपीआई का उपयोग करने के बजाय अपने परिचितों के खातों से भुगतान करवाता था और उन्हें नकद राशि दे देता था।

इस पूरे मामले का खुलासा तब हुआ जब एक आरोपी राज वाल्मीकि की जीवनशैली में अचानक आए बदलाव ने लोगों का ध्यान खींचा। अपना फूड स्टॉल बंद करने के बावजूद राज ने महंगा आईफोन खरीदा, जिसकी चर्चा उसके आसपास के दुकानदारों में होने लगी। पुलिस को जब राज और उसके साथियों द्वारा संवेदनशील क्षेत्रों में वीडियो बनाने की सूचना मिली, तो उन्हें हिरासत में लेकर कड़ाई से पूछताछ की गई। शुरुआत में गुमराह करने के बाद आरोपियों ने सारा सच उगल दिया। राज ने स्वीकार किया कि उसने दिल्ली कैंट रेलवे स्टेशन और आर्मी कैंट क्षेत्र के पास सीसीटीवी कैमरे लगाए थे। पुलिस अब उन सभी बैंक खातों को फ्रीज करने की प्रक्रिया में है जिनसे पैसों का लेनदेन हुआ है। सुरक्षा एजेंसियां इस बात की भी गहनता से जांच कर रही हैं कि यूके और मलेशिया के नंबरों पर भेजी गई जानकारियों का मुख्य उद्देश्य क्या था और इस नेटवर्क के तार और कहां-कहाँ जुड़े हैं।

पीएम मोदी के परियोजनाओं के उद्घाटन करते ही कर दिया चुनाव तारीखों का ऐलान

कांग्रेस सांसद सुखदेव भगत ने कहा- आयोग बीजेपी के प्रति अत्यधिक पक्षपातपूर्ण है

नई दिल्ली(एजेंसी)। कांग्रेस सांसद सुखदेव भगत ने सोमवार को भारतीय चुनाव आयोग पर जमकर निशाना साधते हुए कहा कि आयोग बीजेपी के प्रति अत्यधिक पक्षपातपूर्ण है। उन्होंने बताया कि पीएम मोदी द्वारा पश्चिम बंगाल में विकास परियोजनाओं की घोषणा के ठीक अगले दिन ही चुनाव कार्यक्रम घोषित कर दिया गया। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग पक्षपातपूर्ण तरीके से काम कर रहा है। पीएम मोदी पश्चिम बंगाल में विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करते हैं और ठीक अगले दिन राज्य चुनावों की तारीखों का ऐलान यह सरासर धांधली है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भगत ने केंद्र सरकार पर सुनियोजित तरीके से काम करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सरकार एक राष्ट्र एक चुनाव की बात करती है, लेकिन आगामी विधानसभा चुनावों में चारों राज्यों के लिए मतदान की तारीखें और परिणाम घोषित होने का दिन एक दूसरे से बहुत दूर रखा गया है। तो क्या आपको नहीं लगता कि यह सब सुनियोजित तरीके से किया जा रहा है? जितना ज्यादा विलंब होगा, उतना ही परिणाम बीजेपी के पक्ष में जाएगा। आप पिछले रिकॉर्ड देख सकते हैं। इन सब कारणों से लोग उन पर भरोसा नहीं कर पा रहे हैं।

ये टिप्पणियां रविवार को चुनाव आयोग द्वारा चार राज्यों पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु और असम और पुडुचेरी में विधानसभा चुनावों के लिए चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के बाद आई है। कार्यक्रम के मुताबिक पश्चिम बंगाल में मतदान दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल को होगा। केरल और असम में 9 अप्रैल को एक ही चरण में मतदान होगा, जबकि तमिलनाडु में 23 अप्रैल को पुडुचेरी में 9 अप्रैल को मतदान होगा। चुनाव आयोग ने घोषणा की है कि चारों राज्यों और पुडुचेरी में वोटों की गिनती 4 मई को होगी। वर्तमान विधानसभाओं का कार्यकाल अलग-अलग तिथियों पर समाप्त हो रहा है। पश्चिम बंगाल में 7 मई, तमिलनाडु में 10 मई, असम में 20 मई, केरल में 23 मई और पुडुचेरी में 15 जून।

भारत स्थित ईरान के दूतावास ने बैंक खाता साझा कर नागरिकों से मांगी मानवीय सहायता

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य पूर्व में जारी भीषण युद्ध और अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों के दोहरे दबाव ने ईरान की अर्थव्यवस्था को गंभीर संकट में डाल दिया है। सैन्य शक्ति और उन्नत ड्रोन तकनीक का दम भरने वाले ईरान की माली हालत इस कदर बिगड़ चुकी है कि अब उसे दुनिया भर से आर्थिक मदद की गुहार लगानी पड़ रही है। इसी कड़ी में, नई दिल्ली स्थित ईरानी दूतावास ने एक अभूतपूर्व कदम उठाते हुए सोशल मीडिया पर आधिकारिक रूप से अपना बैंक खाता विवरण साझा किया है और भारतीय नागरिकों से दान देने की अपील की है।

ईरानी दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी दी कि उन्हें कई भारतीय नागरिकों की ओर से मानवीय सहायता प्रदान करने के अनुरोध प्राप्त हो रहे थे। इन अनुरोधों को आधार बनाकर दूतावास ने एम्बेसी ऑफ ईरान के नाम से भारतीय स्टेट बैंक का खाता नंबर (11084232535) और आईएफएससी कोड (एसबीआईएन 0000691) सार्वजनिक किया है। सहायता राशि भेजने वाले दानदाताओं से अपने भुगतान का स्क्रीनशॉट एक विशेष व्हाट्सएप नंबर पर साझा करने को भी कहा गया है। हालांकि दूतावास इसे शुद्ध रूप से मानवीय सहायता का नाम दे रहा है, लेकिन वैश्विक विशेषज्ञों का मानना है कि यह सीधे तौर पर ईरान की चरमराती अर्थव्यवस्था को संभालने की एक कोशिश है। ईरान की तिजोरी खाली होने के पीछे कई बड़े कारण माने जा रहे हैं। अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान के प्रमुख तेल क्षेत्रों और सैन्य ठिकानों पर की गई बमबारी ने उसकी आय के मुख्य स्रोतों को तहस-नहस कर दिया है। इसके अलावा, पिछले वर्ष परमाणु वार्ता विफल होने के बाद संयुक्त राष्ट्र द्वारा लगाए गए कड़े प्रतिबंधों ने विदेशी व्यापार को ठप कर दिया है। ईरान की मुद्रा रियाल अपनी ऐतिहासिक गिरावट पर है, जिसके चलते वहां की संसद को मुद्रा से चार जीरो हटाने जैसा सख्त कदम उठाना पड़ा था, फिर भी महंगाई को नियंत्रित नहीं किया जा सका। भारत अकेला ऐसा देश नहीं है जहां से तेहरान ने मदद की उम्मीद जताई है। इससे पहले मार्च की शुरुआत में बैंकॉक स्थित ईरानी दूतावास ने भी देश के पुनर्निर्माण के लिए इसी तरह की अपील की थी। रोचक तथ्य यह है कि कुछ समय पूर्व बीजिंग में ईरानी दूतावास ने व्यक्तिगत दान लेने से इनकार कर दिया था, लेकिन अब भारत और थाईलैंड में सार्वजनिक रूप से बैंक खाते साझा करना यह दर्शाता है कि पिछले कुछ हफ्तों में ईरान के भीतर युद्ध जनित हालात और अधिक बिगड़ गए हैं। तेहरान अब अपनी वॉर मशीन को चलाने और बुनियादी नागरिक सुविधाओं को बहाल करने के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय के व्यक्तिगत सहयोग पर निर्भर होता दिख रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

महायुद्ध- ईरान ने दागी डांसिंग मिसाइल, सेजिल के प्रहार से दहला अमेरिका और इजरायल

तेहरान

ईरान ने अमेरिका और इजरायल के साथ जारी भीषण संघर्ष में पहली बार अपनी सबसे खतरनाक सेजिल बैलिस्टिक मिसाइल का इस्तेमाल कर युद्ध को एक नए और विनाशकारी मोड़ पर ला खड़ा किया है। जहां अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ईरान से बिना शर्त सरेंडर की मांग कर रहे हैं, वहीं तेहरान ने घुटने टेकने के बजाय अपने सबसे घातक हथियारों के मुंह खोल दिए हैं। ईरान के इस ताजा हमले में अरब देशों में स्थित कई अमेरिकी सैन्य ठिकानों को व्यापक नुकसान पहुंचने की खबरें हैं।

ईरान की इस मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल सेजिल-2 को रक्षा गलियारों में डांसिंग मिसाइल के नाम से जाना जाता है। इसकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह अत्यधिक ऊंचाई पर जाकर अपनी दिशा बदलने में सक्षम है, जिससे इजरायल के आयरन डोम जैसे उन्नत मिसाइल रक्षा प्रणालियों को चकमा देना इसके लिए आसान हो जाता है। दो चरणों वाले ठोस ईंधन (सॉलिड-फ्यूल) से चलने वाली यह मिसाइल लगभग 2000 किलोमीटर तक मार कर सकती है। ठोस ईंधन आधारित डिजाइन होने के कारण इसे बेहद कम समय में लॉन्च के लिए तैयार किया जा सकता है, जो इसे पुराने तरल ईंधन वाले सिस्टम की तुलना में रणनीतिक बढ़त देता है। मिसाइल के तकनीकी पक्ष को देखें तो लगभग 18 मीटर लंबी और 23,600 किलोग्राम वजनी यह मिसाइल करीब 700 किलोग्राम का पेलोड ले जाने में सक्षम है। इसकी रफ्तार मैक 4 से मैक 5 (6000 किमी प्रति घंटा से अधिक) तक पहुंच सकती है। तुलनात्मक रूप से देखें तो रेंज और मारक क्षमता के मामले में इसे कई मायनों में ब्रह्मोस क्रूज मिसाइल से भी अधिक घातक माना जा रहा है। जहां अमेरिका टॉमहॉक जैसी मिसाइलों से ईरान पर हमले कर रहा है, वहीं ईरान के शाहेद ड्रोन और अब सेजिल मिसाइल ने सहयोगी सेनाओं की नाक में दम कर रखा है। इस महायुद्ध का असर केवल सीमाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि इसने वैश्विक ऊर्जा संकट पैदा कर दिया है। होर्मुज जलडमरूमध्य में आवाजाही बाधित होने से एशियाई देशों में पेट्रोलियम उत्पादों और

एलपीजी की आपूर्ति पर गहरा असर पड़ा है। पूरी दुनिया इस टकराव के खत्म होने की उम्मीद लगाए बैठी है ताकि डगमगाती वैश्विक अर्थव्यवस्था को स्थिरता मिल सके। हालांकि, सेजिल जैसी मिसाइलों का इस्तेमाल इस आग में घी डालने का काम कर रहा है, जिससे शांति की संभावनाएं फिलहाल धुंधली नजर आ रही हैं।

दुबई अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के पास हमला, ईंधन टैंक में विस्फोट के बाद उड़ानें निलंबित

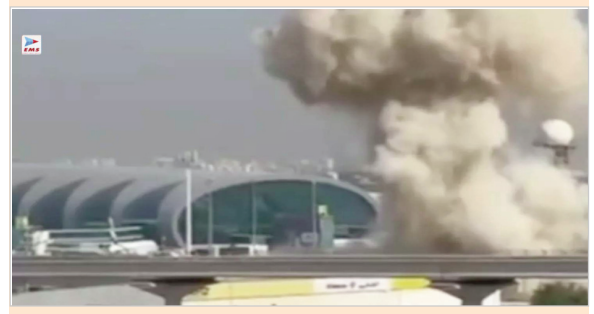

दुबई,। मिडिल ईस्ट में अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच जारी संघर्ष अब और भी घातक रूप अख्तियार करता जा रहा है। सोमवार तड़के दुबई अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के पास एक भीषण ड्रोन हमला हुआ, जिसने हवाई अड्डे के समीप स्थित एक प्रमुख ईंधन टैंक को अपना निशाना बनाया। ड्रोन के टकराते ही टैंक में एक जबरदस्त विस्फोट हुआ, जिसके बाद आग की ऊंची लपटें और धुएं का काला गुबार आसमान में छा गया। सुरक्षा कारणों से विश्व के सबसे व्यस्ततम हवाई अड्डों में शुमार दुबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उड़ानों का संचालन अस्थायी रूप से रोक दिया गया है।दुबई मीडिया ऑफिस द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार, हमले के तुरंत बाद दुबई सिविल डिफेंस और अग्निशमन दलों को मौके पर तैनात किया गया। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में एयरपोर्ट के निकटवर्ती इलाके में मची अफरा-तफरी और आग की भयावहता को साफ देखा जा सकता है। हालांकि, राहत की बात यह है कि अभी तक इस हमले में किसी के हताहत होने की कोई आधिकारिक खबर सामने नहीं आई है। अधिकारियों का कहना है कि स्थिति को नियंत्रित करने और आग पर पूरी तरह काबू पाने के प्रयास युद्ध स्तर पर जारी हैं। यह हमला ईरान द्वारा संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को दी गई उस चेतावनी के ठीक एक दिन बाद हुआ है, जिसमें तेहरान ने यूएई के तीन प्रमुख बंदरगाहों को खाली करने के लिए कहा था। ईरान का आरोप है कि अमेरिका उसके प्रमुख तेल निर्यात टर्मिनल खार्ग द्वीप पर हमला करने के लिए यूएई के बंदरगाहों और सैन्य अड्डों का इस्तेमाल कर रहा है। उल्लेखनीय है कि इस महीने दुबई एयरपोर्ट को कई बार निशाना बनाया जा चुका है। इससे पहले 1 मार्च को हुए हमले में बुर्ज अल अरब होटल को नुकसान पहुंचा था, जबकि 7 मार्च को हुए ड्रोन हमले के बाद यात्रियों को सुरक्षित निकालने के लिए ट्रेन टनल का सहारा लेना पड़ा था। ताजा हमला इस बात का संकेत है कि अब क्षेत्रीय संपत्तियां सीधे तौर पर इस युद्ध की आग की चपेट में आ रही हैं।

भारत से ब्रह्मोस, पाकिस्तान से लड़ाकू विमान..... आखिर क्या करना चाहता हैं ये मुस्लिम देश

जकार्ता

दुनिया का सबसे बड़ा मुस्लिम देश इंडोनेशिया भारत से ब्रह्मोस सुपरसोनक क्रूज मिसाइल खरीद रहा है। इसकी आधिकारिक तौर पर इसकी पुष्टि हो गई है। लेकिन जनवरी महीने में एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया था कि इंडोनेशिया पाकिस्तानी जेएफ-17 लड़ाकू विमान खरीदने के लिए भी बात कर रहा है। हालांकि इंडोनेशिया की सरकार ओर से

पाकिस्तानी जेट खरीदने की रिपोर्ट पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी गई। इंडोनेशिया ने फ्रांस से राफेल लड़ाकू विमान भी खरीदे हैं, जिनकी डिलीवरी भी शुरू हो चुकी है।

होर्मुज स्ट्रेट पर ट्रंप को नहीं मिला फौरी समर्थन अब आगे क्या करेंगे?

-अमेरिका कूटनीतिक रूप से घिरा

वॉशिंगटन,

। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा होर्मुज स्ट्रेट में युद्धपोत तैनात करने और अन्य देशों से इसमें शामिल होने की अपील को शुरुआती तौर पर अपेक्षित अंतरराष्ट्रीय समर्थन नहीं मिला है। चीन, ब्रिटेन और जापान जैसे प्रमुख देशों ने इस मुद्दे पर तुरंत सैन्य सहयोग देने से परहेज किया है, जिससे इस संवेदनशील समुद्री मार्ग पर अमेरिका फिलहाल अकेला पड़ता नजर आ रहा है। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि अब राष्ट्रपति ट्रंप क्या करने जा रहे हैं, क्योंकि फिलहाल वो अकेले खड़े नजर आए हैं।खास बात तो यह है कि ट्रंप को इन देशों से मुफ्त की सलाह भी मिलने लगी हैं। हद यह है कि चीन ने इस मामले में संयम बरतने की सलाह दे दी है। वॉशिंगटन स्थित चीनी दूतावास के प्रवक्ता ने अमेरिकी मीडिया से कहा कि चीन किसी भी प्रकार की दुश्मनी को तुरंत रोकने का समर्थन करता है और सभी पक्षों की जिम्मेदारी है कि वे वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को स्थिर और निर्बाध बनाए रखें। उन्होंने कहा कि चीन मध्य पूर्व के देशों का मित्र और रणनीतिक साझेदार होने के नाते क्षेत्र में तनाव कम करने और शांति बहाल करने के लिए रचनात्मक भूमिका निभाने को तैयार है।

अगर सट्टेबाज क्रूड की कीमतें बढ़ाते हैं, तो यह ऊंचे लेवल को भी पार कर सकता है

तेल कंपनियों के सीईओ ने ट्रंप को तेल संकट और क्रूड की कीमतें बढ़ने की चेतावनी दी

वाशिंगटन,

।अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध से ग्लोबल टेंशन हाई होता जा रहा है। दुनिया में तेल-गैस संकट गहराता जा रहा है। अब तेल इंडस्ट्री भी इस बात को मान रही है और तमाम दिग्गज तेल कंपनियों के सीईओ ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को तेल संकट और क्रूड की कीमतें बढ़ने की चेतावनी दी है। अमेरिकी ऑयल एग्जीक्यूटिव्स ने ईरान युद्ध से पैदा हुआ ऊर्जा संकट के और भी बदतर होने की संभावना जताई है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक व्हाइट हाउस में हुई कई बैठकों और एनर्जी सेक्रेटरी क्रिस राइट और इंटीरियर सेक्रेटरी डग बर्गम के साथ हाल की बातचीत में अमेरिकी तेल कंपनियों ने एनर्जी क्राइसिस पर चिंता जताई। एक्सॉन मोबिल, शेवरॉन और कोनोकोफिलिप्स के सीईओ ने चेतावनी दी कि होर्मुज स्ट्रेट समुद्री रूट से तेल-गैस सप्लाई में रुकावट ग्लोबल एनर्जी मार्केट में उतार-चढ़ाव पैदा करती रहेगी। ऑयल इंडस्ट्री ने ट्रंप एडमिनिस्ट्रेशन को अलर्ट करते हुए कहा कि फ्यूल की कमी और बढ़ सकती है। इसे लेकर एक बड़ी बैठक बीते बुधवार को भी हुई थी। एक्सॉन के सीईओ ने कहा कि मौजूदा युद्ध से खड़े हुए संकट के बीच अगर सट्टेबाज अचानक क्रूड की कीमतें बढ़ाते हैं, तो तेल की कीमतें मौजूदा ऊंचे लेवल को भी पार कर सकती हैं। इसके साथ ही मार्केट में रिफाइंड प्रोडक्ट्स की सप्लाई में भारी कमी देखी जा सकती है।शेवरॉन के सीईओ और कोनोकोफिलिप्स के सीईओ ने भी सप्लाई में रुकावट को लेकर अपनी चिंताएं जाहिर की हैं। कोनोकोफिलिप्स ने अधिकारियों को बताया कि होर्मुज स्ट्रेट के आसपास लड़ाई और तेल टैंकरों की आवाजाही में रुकावट से ऑयल बाजार में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक एक्सॉन के सीईओ ने

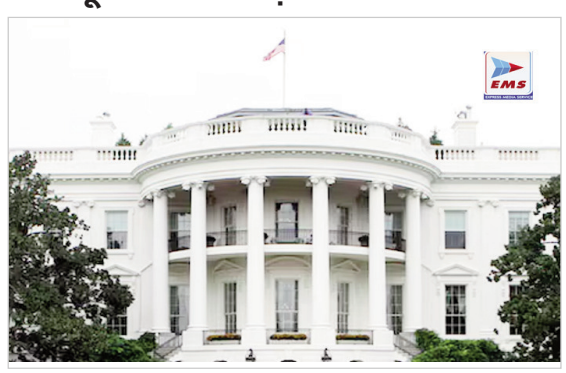

चेतावनी दी कि अगर सप्लाई कम होने के बीच ट्रेडर्स ने मार्केट में बोली लगाई, तो ऐसी स्थिति में क्रूड ऑयल प्राइल और बढ़ सकते हैं। इसमें कहा गया है कि ट्रंप प्रशासन कीमतों को कम करने के लिए कई तरीकों पर विचार कर रहा है, जिसमें रूसी तेल पर बैन में ढील देना, इमरजेंसी क्रूड ऑयल रिजर्व को रिलीज करना और वेनेजुएला से ऑयल फ्लो बढ़ाना शामिल है।रिपोर्ट के मुताबिक तेल इंडस्ट्री के अधिकारियों ने संकट बढ़ने की चेतावनी देने के साथ ही ट्रंप प्रशासन से साफ कहा कि होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलना ही ग्लोबल एनर्जी मार्केट को स्थिर करने का एकमात्र स्थायी समाधान हो सकता है। बता दें क्रूड की कीमत में उछाल जारी है और ये लगातार 100 डॉलर के पार बनी हुई है। सोमवार को अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंड क्रूड ऑयल की कीमत 105 डॉलर प्रति बैरल, जबकि डब्ल्यूटीआई क्रूड 100 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेड कर रहा था।

खाड़ी के देशों को जंग से जुड़ी तकनीक सिखाएंगे जेलेंस्की, बदले में लेंगे पैसा और तकनीक

कीव,। ईरान और खाड़ी देशों के बीच बढ़ते युद्ध के खतरों और लगातार होते मिसाइल-ड्रोन हमलों के बीच एक नया कूटनीतिक मोड़ सामने आया है। यूक्रेन ने अमेरिका और उसके खाड़ी सहयोगी देशों को सुरक्षा संबंधी मदद देने का प्रस्ताव रखा है, लेकिन राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने स्पष्ट कर दिया है कि यह सहायता बिना शर्त नहीं होगी। यूक्रेन ने अपनी ड्रोन विशेषज्ञता साझा करने के बदले रूस से चल रहे युद्ध के लिए भारी वित्तीय सहायता और आधुनिक सैन्य तकनीक की मांग रखी है।रूस के साथ पिछले चार वर्षों से जारी भीषण युद्ध के दौरान यूक्रेन ने ईरान द्वारा डिजाइन किए गए कामिकाजे और शाहेद ड्रोन से निपटने का व्यापक अनुभव प्राप्त किया है। दरअसल, शाहेद ड्रोन का इस्तेमाल रूस ने यूक्रेनी शहरों और बुनियादी ढांचे को तबाह करने के लिए बड़े पैमाने पर किया है। अब यूक्रेन इसी अनुभव को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक रणनीतिक संपत्ति के रूप में पेश कर रहा है। जेलेंस्की का तर्क है कि जो देश समान ड्रोन खतरों का सामना कर रहे हैं, यूक्रेन उन्हें प्रभावी ड्रोन-रोधी सुरक्षा प्रणाली विकसित करने में मदद कर सकता है। रिपोर्टों के अनुसार, यूक्रेन ने कतर, संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब जैसे खाड़ी देशों में अपने विशेषज्ञों की टीमें भेजी हैं। राष्ट्रपति जेलेंस्की ने बताया कि प्रत्येक टीम में दर्जनों विशेषज्ञ शामिल हैं, जो स्थानीय स्थिति का आकलन कर यह बताएंगे कि ड्रोन हमलों को कैसे विफल किया जाए। कीव लंबे समय से पश्चिमी देशों से वायु-रक्षा मिसाइलों और आधुनिक हथियारों की मांग कर रहा है, और अब वह खाड़ी देशों के संकट को अपनी जरूरतों को पूरा करने के अवसर के रूप में देख रहा है। हालांकि, अमेरिका के भीतर से इस पर मिली-जुली प्रतिक्रिया आई है। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बयान में कहा कि उनके देश को ड्रोन रक्षा के लिए यूक्रेन की मदद की आवश्यकता नहीं है, लेकिन इसके बावजूद यूक्रेन अपनी विशेषज्ञता को सौदेबाजी के लिए इस्तेमाल कर रहा है।दूसरी ओर, ईरान ने यूक्रेन के इस कदम पर बेहद तीखी प्रतिक्रिया दी है। ईरान ने इसे एक मजाक और दिखावटी कदम करार दिया है। कीव में ईरान के दूत शाह्रियार अमूजेगर ने कहा कि यूक्रेन अब प्रभावी रूप से ईरान के साथ सीधे टकराव के चरण में प्रवेश कर चुका है। उन्होंने आरोप लगाया कि यूक्रेन पश्चिमी देशों से अधिक पैसा और संसाधन बटोरने के लिए ईरान कार्ड खेल रहा है।

यूएई में फर्जी वीडियो फैलाने के आरोप में 19 भारतीयों समेत 35 लोग गिरफ्तार

दुबई,

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने सोशल मीडिया पर भ्रामक और मनगढ़ंत वीडियो पोस्ट करने के आरोप में 35 लोगों की गिरफ्तारी के आदेश दिए हैं। इन आरोपियों में 19 भारतीय नागरिक भी शामिल हैं। यह कार्रवाई उस समय की गई है जब अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर किए गए हवाई हमलों के बाद मध्य-पूर्व में तनाव चरम पर है। यूएई प्रशासन का कहना है कि इन लोगों ने डिजिटल प्लेटफॉर्म का दुरुपयोग कर छेड़छाड़ किए गए वीडियो और झूठी खबरें फैलाईं, जिससे क्षेत्रीय सुरक्षा को लेकर भय और भ्रम का माहौल पैदा हो सकता था।

अटॉर्नी-जनरल डॉ. हमद सैफ अल शम्स के अनुसार, यह कार्रवाई डिजिटल प्लेटफॉर्म की कड़ी निगरानी के दौरान की गई। जांच में सामने आया है कि आरोपी तीन अलग-अलग समूहों में संगठित होकर भ्रामक सामग्री फैला रहे थे। पहले समूह में शामिल 10 लोगों पर आरोप है कि उन्होंने यूएई के आसमान में मिसाइलों के गुजरने के वास्तविक वीडियो में डरावने साउंड इफेक्ट्स और भ्रामक टिप्पणियां जोड़कर उन्हें इस तरह पेश किया जैसे देश पर हमला हो रहा हो। इससे न केवल जनता में घबराहट फैलने का खतरा था, बल्कि देश की संवेदनशील रक्षा क्षमताओं से जुड़ी जानकारी भी उजागर हो सकती थी। दूसरे समूह के 7 लोगों पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से नकली वीडियो बनाने और अन्य देशों की पुरानी घटनाओं को यूएई का बताकर साझा करने का आरोप है। इन वीडियो में धमाके और मिसाइल हमले जैसी फर्जी घटनाएं दिखाई गईं ताकि वे असली लगें। वहीं, तीसरे समूह के 6 लोगों पर शत्रुतापूर्ण देशों की सैन्य कार्रवाई और राजनीतिक नेतृत्व की प्रशंसा करने वाली सामग्री पोस्ट करने का आरोप है, जिसे राष्ट्रीय हितों के खिलाफ माना गया है। यूएई के कड़े साइबर कानूनों के तहत इन अपराधों के लिए कम से कम एक साल की जेल और एक लाख दिरहम (लगभग 22 लाख रुपये से अधिक) के जुर्माने का प्रावधान है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि कुछ वीडियो में बच्चों की

भावनाओं का इस्तेमाल कर झूठा खतरा दिखाया गया था, जबकि कुछ में सैन्य ठिकानों के नष्ट होने के झूठे दावे किए गए थे। फिलहाल, सभी आरोपियों के खिलाफ फास्ट-ट्रैक ट्रायल यानी त्वरित सुनवाई के आदेश दिए गए हैं। यह कार्रवाई ऐसे समय में हुई है जब ईरान ने यूएई के बंदरगाहों को निशाना बनाने की धमकी दी है और क्षेत्र में सैन्य गतिविधियां तेज हो गई हैं।

अमेरिकी सेना ने खर्ग द्वीप को मिट्टी में मिला दिया, अब मजे के लिए करेंगे हमले- ट्रंप

-ईरान ने बदला लेने की खाई कसम, यूएई के तीन बंदरगाह खाली करने का दिया अल्टीमेटमवाशिंगटन,(ईएमएस)। मध्य पूर्व में जारी भारी तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के सबसे अहम तेल हब, खर्ग द्वीप पर बड़े हमलों की पुष्टि की है। शनिवार को दिए एक इंटरव्यू और सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिकी सेना ने द्वीप पर मौजूद ईरान के 100फीसदी सैन्य ठिकानों को मिट्टी में मिला दिया है। ट्रंप ने कहा कि हालांकि ईरान अब संघर्ष को खत्म करने के लिए समझौते की मेज पर आता दिख रहा है, लेकिन अभी शर्तें अमेरिका के पक्ष में पर्याप्त नहीं हैं। ट्रंप ने बेबाक अंदाज में कहा कि हमने खर्ग द्वीप का ज्यादातर हिस्सा तबाह कर दिया है

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज मामला- टैरिफ के बहाने कई देशों को धमकाने वाले ट्रंप लगा रहे मदद की गुहार

आस्ट्रेलिया, ब्रिटिश ने किया इनकार, चीन, फांस, जापान, दक्षिण कोरिया यूएस खुद निपटे

वॉशिंगटन

। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शायद ही कोई ऐसा देश हो जिस पर टैरिफ लगाने के बहाने उसे धमकाने की कोशिश न की हो। अब यही ट्रंप इन्ही देशों से मदद की गुहार लगा रहे हैं। वे एक ऐसा सहयोग चाहते हैं जो स्ट्रेट ऑफ होर्मुज खुलवाने के लिए साथ में आए। ताजा घटनाक्रमों के अनुसार, राष्ट्रपति ट्रंप जल्द ही एक ऐसे अंतरराष्ट्रीय समूह का औपचारिक ऐलान कर सकते हैं, जिसमें शामिल देश इस संकरे समुद्री मार्ग से वाणिज्यिक जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए अपने युद्धपोत तैनात करेंगे। हालांकि, इस योजना को लेकर अब तक किसी भी देश ने आधिकारिक तौर पर अपनी सहमति नहीं जताई है।

विशेष रूप से ऑस्ट्रेलिया ने इस अभियान में अपने युद्धपोत भेजने की संभावना को पूरी तरह से खारिज कर दिया है। अमेरिकी प्रशासन के उच्च अधिकारियों के हवाले से यह संकेत मिल रहे हैं कि व्हाइट हाउस इस सप्ताह के अंत तक इस गठबंधन की घोषणा कर सकता है, लेकिन यह मिशन वास्तविक रूप में कब धरातल पर उतरेगा, इसे लेकर अभी स्थिति स्पष्ट नहीं है। वर्तमान में ईरान ने कथित तौर पर सी-माइन्स और छोटे जहाजों का उपयोग कर इस समुद्री रास्ते को बाधित कर रखा है, जिससे वैश्विक तेल बाजार पर दबाव निरंतर बढ़ता जा रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप ने इस मुद्दे पर कड़ा रुख अपनाते हुए स्पष्ट किया है कि अमेरिका को व्यक्तिगत रूप से इस मार्ग की उतनी आवश्यकता नहीं है, जितनी उन देशों को है जो अपनी ऊर्जा आपूर्ति के लिए इस पर निर्भर हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि अमेरिका वर्षों से इस क्षेत्र की रक्षा करता आया है और अब समय आ गया है कि दूसरे देश भी अपनी जिम्मेदारी समझें।

ट्रंप ने ब्रिटिश प्रधानमंत्री के पिछले रवैये पर भी कटाक्ष करते हुए कहा कि जब सहायता की सबसे अधिक आवश्यकता थी, तब सहयोगी देश हिचकिचा रहे थे। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा कि उन्हें समर्थन युद्ध जीतने के बाद नहीं, बल्कि चुनौतियों के शुरू होने से पहले चाहिए था। उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से चीन, फ्रांस, जापान, दक्षिण कोरिया और ब्रिटेन जैसे देशों से आग्रह किया है कि वे अपनी तेल आपूर्ति सुरक्षित करने के लिए अपने पोत भेजें, जबकि अमेरिका तटरेखा पर अपनी सैन्य कार्रवाई जारी रखेगा। बताया जा रहा है कि इन देशों कह दिया है यूएस खुद निपटे।

इस बीच, ऑस्ट्रेलिया ने इस मिशन से दूरी बनाकर अमेरिका की मुश्किलों को थोड़ा बढ़ा दिया है। ऑस्ट्रेलियाई कैबिनेट की सदस्य कैथरीन किंग ने एक साक्षात्कार में स्पष्ट किया कि उनका देश स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में अपना जहाज नहीं भेजेगा। उन्होंने स्वीकार किया कि वह क्षेत्र वैश्विक व्यापार के लिए महत्वपूर्ण है, लेकिन ऑस्ट्रेलिया इसमें अपना योगदान नहीं दे रहा है। कई अन्य सहयोगी देशों ने भी इस अपील पर फिलहाल टाल-मटोल का रवैया अपनाया हुआ है।

स्टडी- युद्ध इंसान ही नहीं पर्यावरण और जलवायु पर भी डाल रहे बहुत बड़ा बोझ

इजराइल-गाजा संघर्ष से 33.2 मिलियन मीट्रिक टन ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन हुआ

-लंदन,

। दुनिया युद्धों को मानवीय दुख, मौत और आर्थिक नुकसान के रूप में देखती है, लेकिन वैज्ञानिकों ने एक नई स्टडी में दिखाया है कि युद्ध पर्यावरण और जलवायु पर भी बहुत बड़ा बोझ डाल रहे हैं। एक स्टडी के मुताबिक इजराइल-गाजा संघर्ष से अब तक करीब 33.2 मिलियन मीट्रिक टन कार्बन डाइऑक्साइड समकक्ष ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन हुआ है। यह आंकड़ा बहुत बड़ा है। जलवायु संकट को और तेज कर रहा है। यह दुनिया भर में 76 लाख पेट्रोल कारों के एक साल में निकलने वाले धुएं के समान है।

इतनी कार्बन डाइऑक्साइड को सोखने के लिए 3.31 करोड़ एकड़ जंगलों को पूरे एक साल तक काम करना पड़ेगा। ये तुलनाएं दिखाती हैं कि एक युद्ध कितना बड़ा पर्यावरणीय नुकसान कर सकता है। स्टडी में बताया कि युद्ध गतिविधियां... बमबारी, मिसाइल हमले, टैंक और सैन्य वाहनों का इस्तेमाल, लड़ाकू विमानों की उड़ानें। इनसे ही 13 लाख मीट्रिक टन कार्बन डाइऑक्साइड निकला है. पूर्व-युद्ध तैयारियां...जैसे इजराइल की दीवारें और अन्य इंफ्रास्ट्रक्चर। युद्ध के बाद पुनर्निर्माण...गाजा में तबाह इमारतें, सड़कें, अस्पताल, स्कूल और बिजली व्यवस्था को दोबारा बनाना। इसमें सीमेंट, स्टील और अन्य सामग्री का इस्तेमाल होता है, जो बहुत कार्बन छोड़ती है।अंतरराष्ट्रीय जलवायु समझौतों में सैन्य गतिविधियों से होने वाले कार्बन उत्सर्जन को पूरी तरह शामिल नहीं किया जाता। कई देश

अपनी रिपोर्ट में सेना के उत्सर्जन को अलग रखते हैं। इसलिए अस

ली प्रभाव छिपा रह जाता है। अब समय आ गया है कि जलवायु नीतियों में सैन्य उत्सर्जन को भी जोड़ा जाए। दुनिया पहले से ही ग्लोबल वार्मिंग से जूझ रही है। ऐसे में लंबे युद्ध वैश्विक तापमान वृद्धि को और तेज कर देते हैं। युद्ध न सिर्फ लोगों की जान लेते हैं, बल्कि पृथ्वी की सेहत भी बिगाड़ते हैं।स्टडी में बातया गया है कि युद्ध का नुकसान सिर्फ इंसानों तक सीमित नहीं है। यह पूरी धरती के लिए खतरा है। शोधकर्ता कहते हैं कि युद्ध से होने वाले ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को अब गंभीरता से मापना और रिपोर्ट करना जरूरी है। अगर हम जलवायु संकट रोकना चाहते हैं, तो युद्धों को कम करना और शांति बनाए रखना सबसे बड़ा कदम होगा। युद्ध न सिर्फ मानवता के खिलाफ है, बल्कि पर्यावरण के खिलाफ भी है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

केंद्रीय मंत्री सी. आर. पाटिल के जन्मदिन पर आयोजित मेगा ब्लड डोनेशन कैंप में

रक्तदान करके लौट रहे युवक आशीषसिंह राजपूत की 8-10 लोगों ने घेरकर हत्या

पुलिस कमिश्नर कार्यालय पर महिलाओं का प्रदर्शन

'खून देने गया था, खुद खून में लथपथ हो गया'

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर के डिंडोली इलाके में 15 मार्च को एक सनसनीखेज हत्या की घटना सामने आई। केंद्रीय मंत्री सी. आर. पाटिल के जन्मदिन पर आयोजित मेगा ब्लड डोनेशन कैंप में रक्तदान करके लौट रहे युवक आशीषसिंह राजपूत की 8-10 लोगों ने घेरकर हत्या कर दी। इस मामले में भाजपा के सक्रिय कार्यकर्ता पवनसिंह और उसके बेटे अभिषेक का नाम सामने आने से राजनीतिक माहौल गरमा गया है।

जानकारी के अनुसार, आशीषसिंह अपने दोस्तों के साथ नीलगिरी इलाके में आयोजित रक्तदान शिविर में गया था। वहां से लौटते समय जब वह डिंडोली तालाव के पास श्रीकृष्ण एसी मॉल के नजदीक अपनी गाड़ी से नीचे उतरा, तभी एक कार और 4-5 बाइक पर सवार हमलावर वहां पहुंच गए।

हमलावरों के पास धारदार हथियार थे। उन्होंने सार्वजनिक रूप से आशीष पर चाकू और कोयते से हमला कर दिया। यह खौफनाक दृश्य देखकर आसपास के लोगों में भगदड़ मच गई। गंभीर रूप से घायल आशीष को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन इलाज शुरू होने से पहले ही उसकी मौत हो गई।

बताया जा रहा है कि इस हत्या की पृष्ठभूमि करीब दो महीने पहले उत्तरायण के दिन बनी थी। गोडादरा में आशीष के भाई की होटल में पवनसिंह का बेटा अभिषेक नशे की हालत में हंगामा कर रहा था।

ग्राहकों को परेशानी होने पर आशीष ने उसे वहां से जाने के लिए कहा, जिस पर दोनों के बीच झगड़ा हो गया। उसी समय अभिषेक ने आशीष को जान से मारने की धमकी दी थी।

परिवार का आरोप है कि बाद में अभिषेक ने आशीष के भाई का अपहरण भी करवाया था।

परिवार के अनुसार, पवनसिंह गोडादरा क्षेत्र का भाजपा का सक्रिय कार्यकर्ता है और वह भाजपा के पार्षद अमितसिंह राजपूत का करीबी माना जाता है। बताया जा रहा है कि वह पहले वार्ड नंबर 26 क अध्यक्ष भी रह चुका है।

परिवार ने आरोप लगाया है कि इसी राजनीतिक प्रभाव के कारण डिंडोली पुलिस स्टेशन पवनसिंह के खिलाफ शिकायत दर्ज करने में आनाकानी कर रही है।

घटना के बाद बड़ी संख्या में लोग और महिलाएं सूरत पुलिस कमिश्नर कार्यालय पहुंचकर महिलाओं ने आरोप लगाया कि राजनीतिक दबाव के कारण आरोपियों को बचाया जा रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि पवनसिंह का बेटा अभिषेक अक्सर नशे में इलाके में लोगों को धमकाता था। आशीष के दोस्तों के अनुसार वह होटल में जाकर बेवजह विवाद करता था और उसी घटना के बाद से वह आशीष के परिवार को लगातार धमकी दे रहा था।

यह घटना बेहद दर्दनाक इसलिए भी है क्योंकि आशीष रक्तदान जैसे सामाजिक कार्य में हिस्सा लेने गया था। लेकिन जब वह वहां से बाहर निकला तो कुछ ही देर बाद उस पर जानलेवा हमला कर दिया गया।

हमलावरों ने इतनी बेरहमी से हमला किया कि आसपास के लोग उसे बचाने की हिम्मत भी नहीं कर सके। सड़क पर फैला खून देखकर लोगों की आंखें नम हो गईं।

आशीष की मौत से परिवार पूरी तरह टूट गया है। घर की महिलाओं ने रोते हुए कहा:

'कल से हमारे घर में चूल्हा नहीं जला, बच्चों ने पानी तक नहीं पिया। जो बेटा खून देकर पुण्य कमाने गया था, उसका शव देखकर हम कैसे जिएंगे?'

परिवार का आरोप है कि अभिषेक और उसके पिता पवनसिंह ने उनके पूरे परिवार को बर्बाद कर दिया।

Gala&y Army International School के गेट के बाहर चार नाबालिगों ने एक छात्र पर 'रैम्बो चाकू' से हमला

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर के पांडेसरा इलाके में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। Gala&y Army International School के गेट के बाहर चार नाबालिगों ने कक्षा 10 के एक छात्र पर 'रैम्बो चाकू' से हमला कर दिया। मामूली विवाद के चलते किए गए इस हमले में छात्र को तीन गहरे घाव लगे और उसकी हालत गंभीर हो गई।

जानकारी के अनुसार घायल छात्र अपनी मां के साथ अपनी बहन के स्कूल फंक्शन में गया था। कार्यक्रम के दौरान डांस करते समय एक छात्र का पैर दूसरे छात्र को लग गया, जिससे दोनों के बीच कहासुनी हो गई।

यह सामान्य झगड़ा बाद में गंभीर रूप ले गया। दो छात्रों ने बाहर आकर अपने दो अन्य दोस्तों को बुला लिया और बदला लेने की नीयत से छात्र पर हमला कर दिया।

जब पीड़ित छात्र स्कूल से घर लौट रहा था, तब आरोपियों ने उसे रास्ते में रोक लिया।

उन्होंने उसे गाली-गलौज करते हुए कहा - 'तुममें बहुत दम है' और मारपीट शुरू कर दी। इसी दौरान एक आरोपी ने चाकू निकालकर छात्र की पीठ और पेट में तीन वार कर दिए। छात्र गंभीर रूप से घायल होकर वहीं गिर पड़ा।

घायल छात्र को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी सर्जरी की गई है और हालत गंभीर बताई जा रही है।

हमले के कारण वह आज कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षा का पेपर नहीं दे सका, जिससे उसका पूरा साल खराब होने की आशंका है।

ढाई महीने पहले ऑनलाइन मंगाया था चाकू पीड़ित छात्र के पिता ने आरोप लगाया है कि हमलावरों ने करीब ढाई महीने पहले ऑनलाइन साइट से चाकू मंगवाया था। उनका कहना है कि डिजिटल प्लेटफॉर्म पर हथियारों की आसान उपलब्धता के कारण नाबालिगों में हिंसक प्रवृत्ति बढ़ रही है।

स्कूल प्रशासन का बयान

स्कूल के प्रिंसिपल शाह के अनुसार, घायल छात्र और हमलावरों के बीच पहले से कोई विवाद हो सकता है, लेकिन स्कूल प्रशासन को इसकी जानकारी नहीं थी। घटना रात 9:30 से 10:00 बजे के बीच स्कूल परिसर के बाहर हुई, इसलिए शुरुआत में स्कूल को इसकी जानकारी नहीं मिली।

पुलिस की कार्रवाई

घटना के बाद पांडेसरा पुलिस स्टेशन ने तुरंत कार्रवाई करते हुए चारों नाबालिग आरोपियों को पकड़ लिया है। पुलिस ने उनके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है और यह भी जांच कर रही है कि हथियार वास्तव में कहां से खरीदे गए थे।

इलाज के बहाने बुलाकर किया दुष्कर्म पॉक्सो कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के अमरौली इलाके में मानवता को शर्मसार कर देने वाले मामले में पॉक्सो अधिनियम के तहत विशेष अदालत ने ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। 12 साल 5 महीने की मासूम बच्ची को गर्भवती बनाने वाले पड़ोसी रबिउल शेख को अदालत ने मृत्यु तक आजीवन कठोर कारावास की सजा सुनाई है और पीड़िता को 10 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है।

मामले के अनुसार फरवरी 2025 में कोसाड आवास में रहने वाली 12 वर्षीय बच्ची शारीरिक तकलीफ के कारण पड़ोसी आरोपी रबिउल उर्फ रबिउल मजत शेख के घर दवा लेने गई थी।

पड़ोसी होने के कारण परिवार का उस पर भरोसा था। लेकिन आरोपी ने इस भरोसे का फायदा उठाते हुए बच्ची के कपड़े उतरवाकर उसकी इच्छा के विरुद्ध दो बार दुष्कर्म किया।

कुछ समय बाद बच्ची के शरीर में बदलाव दिखाई देने लगे। जब परिवार को शक हुआ और जांच कराई गई तो पता चला कि सिर्फ 12 साल की उम्र में ही बच्ची गर्भवती हो गई है।

यह खबर सुनते ही परिवार स्तब्ध रह गया, क्योंकि जिस उम्र में बच्ची खेलती-कूदती है, उस उम्र में उसे ऐसी भयावह स्थिति का सामना करना पड़ा।

गर्भपात के लिए तुरंत कार्रवाई मामले की जानकारी मिलते ही अमरौली पुलिस स्टेशन के पुलिस इंस्पेक्टर जे. बी. वनार ने तुरंत कार्रवाई की। बच्ची नाबालिग होने और उसकी शारीरिक-मानसिक स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों की सलाह ली गई और कानूनी प्रक्रिया के तहत गर्भपात (टर्मिनेशन) कराया गया, ताकि उसके जीवन पर खतरा न हो।

आरोपी की गिरफ्तारी मुख्य आरोपी 46 वर्षीय रबिउल शेख, जो मूल रूप से नदिया जिला का रहने वाला है, को पुलिस ने 26 अप्रैल 2025 को गिरफ्तार कर लिया था।

अपनी बेटी जैसी उम्र की बच्ची के साथ ऐसा जघन्य अपराध करने से पूरे इलाके में भारी आक्रोश फैल गया था।

मजबूत सबूतों के साथ चार्जशीट पुलिस ने मेडिकल रिपोर्ट, डीएनए सैंपल और अन्य वैज्ञानिक सबूत एकत्र किए। बच्ची का गर्भवती होना आरोपी के खिलाफ सबसे मजबूत सबूत साबित हुआ।

पुलिस ने 27 मई 2025 को ही अदालत में चार्जशीट पेश कर दी थी। पॉक्सो कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला यह मामला स्पेशल केस (POCSO) नंबर 151/2025 के रूप में सूरत की विशेष अदालत में चला। सुनवाई के दौरान सरकारी वकील ने दलील दी कि यह केवल दुष्कर्म नहीं बल्कि एक बच्ची के पूरे भविष्य को बर्बाद करने वाला अपराध है।

16 मार्च 2026 को अदालत ने सभी सबूतों के आधार पर फैसला सुनाते हुए आरोपी को आजीवन कारावास (मृत्यु तक जेल) की सजा सुनाई। साथ ही आरोपी पर 50,000 रुपये का जुर्माना लगाया और पीड़िता को 10 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया।

अदालत की कड़ी टिप्पणी

फैसला सुनाते समय अदालत ने कहा कि बच्चों के खिलाफ यौन अपराधों को रोकने के लिए पॉक्सो कानून बनाया गया है

महिला के साथ उसके ही पति और उसके दोस्तों द्वारा सामूहिक दुष्कर्म

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर के कापोद्रा इलाके में प्रेम विवाह करने वाली एक 25 वर्षीय महिला के साथ उसके ही पति और उसके दोस्तों द्वारा किए गए सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। इस घटना से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। पुलिस ने चार आरोपियों के खिलाफ गैंगरेप का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पीड़िता ने अपनी शिकायत में बताया कि उसने बगसरा के रहने वाले युवक से प्रेम विवाह किया था। शादी के बाद दोनों लक्ष्मण नगर सोसाइटी के पास किराये के मकान में रहते थे।

महिला का पति हीरा उद्योग में रत्नकला का काम करता था। उसके साथ काम करने वाले तीन दोस्त - अजय, जगो और चिराग - अक्सर उनके घर आते-जाते थे और कई बार वहीं रुकते भी थे।

पीड़िता के अनुसार मई 2025 की एक रात उसके पति ने अपने तीन दोस्तों के साथ घर में शराब पार्टी की। नशे में धुत पति और उसके दोस्तों ने महिला के साथ गाली-गलौज और मारपीट शुरू कर दी।

आरोप है कि उन्होंने जबरदस्ती महिला के कपड़े उतार दिए और पति की मौजूदगी में ही उसके तीनों दोस्तों ने बारी-बारी से दुष्कर्म किया, जबकि पति भी इस अपराध में शामिल था।

इसके बाद आरोपियों ने महिला को धमकी दी कि अगर उसने किसी को कुछ बताया तो उसकी लाश भी नहीं मिलेगी।

दोस्तों के साथ संबंध बनाने का दबाव पीड़िता ने आरोप लगाया कि इस घटना के बाद भी उसका पति उसे बार-बार अपने दोस्तों के साथ शारीरिक संबंध बनाने के लिए मजबूर करता था। समाज के डर से वह लंबे समय तक चुप रही और अत्याचार सहती रही।

आखिरकार परेशान होकर उसने घर छोड़ दिया और जाकर कापोद्रा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस के अनुसार पीड़िता की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है और मेडिकल जांच सहित अन्य सबूत जुटाए जा रहे हैं।

पुलिस ने अलग-अलग टीमें बनाकर पति सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि एक अन्य आरोपी अभी फरार है और उसकी तलाश जारी है।

LPG से PNG कन्वर्जन के लिए SMC, NHAI और R&B विभाग सक्रिय

गैस कनेक्शन मुद्दे पर कलेक्टर एक्शन में, 200 लंबित PNG आवेदन 7 दिन में निपटाने का आदेश

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वैश्विक युद्ध के कारण उत्पन्न ऊर्जा संकट और संभावित गैस की कमी की स्थिति से निपटने के लिए Surat Municipal Corporation (SMC) सहित जिला प्रशासन सक्रिय हो गया है। जिला कलेक्टर, ने सोमवार को कलेक्टर कार्यालय में एक उच्चस्तरीय समन्वय बैठक आयोजित की।

बैठक में उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि शहर में पाइप्ड नेचुरल गैस (PNG) के जितने भी कनेक्शन प्रशासनिक मंजूरी के कारण लंबित हैं, उन्हें अगले 7 दिनों के भीतर पूरा किया जाए। विशेष रूप से लगभग 200 लंबित आवेदनों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाने का आदेश दिया गया है।

कलेक्टर ने बताया कि वर्तमान में लगभग 200 आवेदन PNG पाइपलाइन गैस कनेक्शन के लिए लंबित हैं। इनमें अधिकांश औद्योगिक इकाइयों, अस्पतालों और शैक्षणिक संस्थानों के आवेदन शामिल हैं, जहां गैस की आवश्यकता अत्यंत जरूरी है।

उन्होंने कहा कि इन सभी लंबित आवेदनों का निपटारा एक सप्ताह (7 दिन) के भीतर करने का लक्ष्य रखा गया है। इस निर्णय से शहर के व्यापार-उद्योग और स्वास्थ्य क्षेत्र को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।

मंजूरी में आ रही बाधाओं को दूर करने के लिए समन्वय बैठक

कई बार National Highways Authority of India (NHAI) या Roads and Buildings Department Gujarat (R&B) की अनुमति के कारण गैस पाइपलाइन बिछाने के कार्य में देरी हो जाती है।

इन समस्याओं को हल करने के लिए बैठक में Gujarat Gas Limited, Surat Municipal Corporation और अन्य क्रियान्वयन एजेंसियों के अधिकारियों को बुलाया गया था। कलेक्टर ने निर्देश दिया कि अंतर-विभागीय समन्वय के जरिए किसी भी NOC के कारण काम नहीं रुकना चाहिए।

LPG के काला बाजारी के खिलाफ पुलिस और सप्लाई विभाग की संयुक्त कार्रवाई

Liquefied Petroleum Gas (LPG) सिलेंडरों की ब्लैक मार्केटिंग को रोकने के लिए प्रशासन ने सख्ती बढ़ा दी है। कलेक्टर ने बताया कि इसके लिए विशेष टीमों का गठन किया गया है, जिनमें पुलिस और आपूर्ति विभाग संयुक्त रूप से अचानक जांच कर रहे हैं।

ग्रेजुएशन डे का हुआ आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल स्कूल में ग्रेजुएशन डे का आयोजन किया गया। आयोजन में बच्चों ने अनेकों सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। आयोजन में विधार्थियों को ग्रेजुएशन सर्टिफिकेट दिया गया। सभी विधार्थी अपने दादा-दादी, नाना-नानी, माता-पिता आदि के साथ उपस्थित रहें। कार्यक्रम में अग्रवाल एजुकेशन फाउंडेशन के सचिव अजय अग्रवाल, अतिथि के रूप में सुरेश अग्रवाल, घनश्याम कादमावाला, मुख्य अतिथि के रूप में ओलपाड पुलिस उपनिरीक्षक सेफ़ालिका चौधरी सहित अनेकों ट्रस्टी उपस्थित रहें।-